

रजिस्ट्री सं० डी- (डी) --78

Pr. 3. Sec. 1
Nos. 8, 8
Missing

REGISTERED NO. D-(D)-78

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 1] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 6, 1979 (पौष 16, 1900)
No. 1] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 6, 1979 (PAUSA 16, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 नवम्बर 1978

सं० ए० 12019/1/75-प्रशा०-II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद् द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित अधीक्षकों (हाल०) को आयोग के कार्यालय में सहायक नियन्त्रक (तथ्य संसाधन) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए 2-12-1978 से 28-2-1979 तक, अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं :—

1. श्री जे० एल० कपूर,
2. कु० सन्तोष हांडा

सं० ए० 12019/1/75-प्रशा०-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद् द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित सहायक अधीक्षकों (हाल०) को आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (तथ्य संसाधन) के पद पर तदर्थ आधार पर 2-12-1978 से 28-2-1979 तक, अथवा

1-406GI/78

आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं :—

1. श्री बी० आर० गुप्ता,
2. श्री एम० एम० शर्मा,
3. श्री जगदीश लाल

दिनांक 6 दिसम्बर 1978

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा०-II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद् द्वारा स्थायी अधीक्षक (हाल०) श्री एम० एल० धवन को उप नियन्त्रक (तथ्य संसाधन) के पद पर 2-12-1978 से 28-12-1979 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

एम० बालचन्द्रन
अवर सचिव,
कृते अध्यक्ष,
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा०-I—राष्ट्रपति द्वारा स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० म० स्टे० से० का ग्रेड II) और संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में ग्रेड ग स्टेनोग्राफर के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे श्री पी० पी० मिक्का को सूचना और प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली में भूतपूर्व सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री के प्रथम वैयक्तिक सहायक के पद से प्रत्यावर्तित होने पर 30-11-78 से 28-2-79 तक की अवधि के लिए या आगामी आदेशों तक, इनमें जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एम० बालचन्द्रन
अवर सचिव (प्रशासन),
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1978

सं० ए०-20023/5/75-प्रशा०-5—केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त पर लोक-अभियोजक के रूप में कार्य कर रहे महाराष्ट्र राज्य पुलिस के पुलिस अभियोजक श्री एम० बी० पलनितकर को दिनांक 10-11-78 से उनके मूल राज्य में प्रत्यावर्तित किया जाता है।

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व

नई दिल्ली-110001, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० ओ०-दो०-1383/स्थापना—राष्ट्रपति लोहानी, के० रि० पु० बल के उप-पुलिस अधीक्षक के स्वेच्छा पूर्वक सेवा निवृत्त होने को गृह मंत्रालय (डी० पी० ए० आर०) के कार्यालय ज्ञापन सं० 25013/7/77-स्थापना (ग) दिनांक 26-8-77 में दी गई केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों का स्वेच्छिक रूप से सेवा निवृत्ति योजना के अन्तर्गत मंजूरी देते हैं।

2. श्री लोहानी ने उप-पुलिस अधीक्षक, 23 वी वाहिनी, के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार 26-10-78 (पूर्वाह्न) को त्याग दिया।

सं० पी० सात दो/78-स्थापना—श्री एम० आर० लखेश, कार्यालय अधीक्षक को महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में तदर्थ रूप में दिनांक 27-11-78 (अपराह्न) से अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया जाता है।

दिनांक 15 दिसम्बर 1978

सं० ओ०-II 626/70-स्थापना—राष्ट्रपति श्री दिवाकर मिश्रा को तदर्थ पदोन्नति पर आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सहायक कमाण्डेन्ट के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री दिवाकर मिश्रा ने डी० एम० पा०/कम्पनी कमाण्डर 15 बटालियन सी० आर० पी० एफ० के पद का कार्यभार दिनांक 4-11-78 के अपराह्न में छोड़ा तथा सहायक कमाण्डेन्ट 45 बटालियन सी० आर० पी० एफ० के पद का कार्यभार दिनांक 12-11-78 के पूर्वाह्न में संभाला।

सं० ओ०-II-64/73-स्थापना—भारत सरकार दुख के साथ यह अधिसूचित करती है कि दिनांक 4-12-78 के अपराह्न को श्री के० एच० कर्मचन्दानी उत्तर प्रदेश सरकार के सीनियर पब्लिक प्रामीक्यूटर जो केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सहायक निदेशक (विधि) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर था, का देहान्त हो गया।

सं० एफ० 8/17/785 स्था० (मो० आर० पी० एफ०)—राष्ट्रपति ले० कर्नल बी० के० साहनी, प्रिंसिपल सी० टी० सी०-1 केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का त्याग पत्र दिनांक 26-10-78 (पूर्वाह्न) से स्वीकार करते हैं।

दिनांक 16 दिसम्बर 1978

सं० ओ० दो० 1104/73-स्थापना—श्री एम० बी० गुरंग, उप-पुलिस अधीक्षक, पहली वाहिनी, के० रि० पु० बल 43 दिन का सेवा निवृत्ति अवकाश 19-9-78 से 31-10-78 तक के समाप्त होने पर इस बल से 31-10-78 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हो जाएंगे।

ए० के० बन्धोपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय प्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

सं० ई०-32015/2/76-कामिक—निवर्तन की आयु होने पर, कर्नल बी० सी० पाल ने दिनांक 30 दिसम्बर, 1978 के अपराह्न से के० श्री० मु० ब० प्रशिक्षण कालेज, हैदराबाद के प्रधानाचार्य पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013/3/1/78-कामिक—गोहाटी से स्थानांतरित होने पर श्री एम० के० तह ने दिनांक 12 अक्टूबर, 1978 के अपराह्न से के० श्री० मु० ब० यूनिट, फरक्का बैरेज प्रोजेक्ट के सहायक समांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

नरेन्द्र प्रसाद
सहायक महानिरीक्षक (कामिक)
के० श्री० मु० ब० मुख्यालय

रिपुदमन सिंह
प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो
Div
Acc. No.
महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व
नई दिल्ली-110001, दिनांक 13 दिसम्बर 1978
Cell 1978
Processed
Date of Transfer

Checked

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 दिसम्बर 1978

सं० 25/39/73-म० पं० (प्रशा०-1)---इस कार्यालय की तारीख 8 फरवरी, 1978 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति भारत के महापंजीकार के कार्यालय के विशेष कार्य अधिकारी (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति) श्री एन० जी० नाग की उसी कार्यालय में सहायक पंजीकार (सामाजिक अध्ययन) के पद पर पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर नियुक्ति की अवधि को तारीख 30 सितम्बर, 1979 तक या जब तक उक्त पद नियमित आधार पर न भरा जाए, इनमें से जो भी पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं। सहायक महापंजीकार (सामाजिक अध्ययन) के पद पर तदर्थ नियुक्ति से श्री नाग उक्त पद पर नियमित आधार पर नियुक्ति का दावा नहीं कर सकते। सहायक महापंजीकार (सामाजिक अध्ययन) के पद पर तदर्थ आधार पर की गई सेवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता और अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति के प्रयोजन के लिए नहीं गिनी जाएगी।

2. श्री नाग का मुख्यालय नई दिल्ली में ही रहेगा।

सं० 25/39/73-म० पं० (प्रशा०-1)---इस कार्यालय की तारीख 15 मार्च, 1978 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति भारत के महापंजीकार के कार्यालय के अनुसंधान अधिकारी (सामाजिक अध्ययन) श्री सी० जी० जाधव की उसी कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति) के पद पर पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर नियुक्ति की अवधि की तारीख 30 सितम्बर, 1979 तक या जब तक उक्त पद नियमित आधार पर न भरा जाए, इनमें से जो भी पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं। विशेष कार्य अधिकारी (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति) के पद पर तदर्थ नियुक्ति से श्री जाधव उक्त पद पर नियमित आधार पर नियुक्ति का दावा नहीं कर सकते। विशेष कार्य अधिकारी (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति) के पद पर तदर्थ आधार पर की गई सेवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता और अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति के प्रयोजन के लिए नहीं गिनी जाएगी।

2. श्री जाधव का मुख्यालय नई दिल्ली में ही रहेगा।

सं० 25/39/73-म० पं० (प्रशा०-I)---इस कार्यालय की तारीख 24 मई, 1978 की 10/9/78-प्रशा०-I अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति भारत के महापंजीकार के कार्यालय के अन्वेषण (सामाजिक अध्ययन) श्री ई० रामास्वामी की उसी कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी (सामाजिक अध्ययन) के पद पर पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर नियुक्ति की अवधि को तारीख 30 सितम्बर, 1979 तक या जब तक उक्त पद नियमित आधार पर न भरा जाए, इनमें से जो भी पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं। अनुसंधान अधिकारी (सामाजिक अध्ययन) के पद पर तदर्थ नियुक्ति से श्री रामास्वामी उक्त पद पर नियमित आधार पर नियुक्ति का दावा नहीं कर सकते। अनुसंधान अधिकारी (सामाजिक अध्ययन) के पद पर तदर्थ आधार पर की गई सेवा

उक्त ग्रेड में वरिष्ठता और अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति के प्रयोजन के लिए नहीं गिनी जाएगी।

2. श्री रामास्वामी का मुख्यालय नई दिल्ली में ही रहेगा।

पी० पद्मनाभ
भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 10 दिसम्बर 1978

सं० बी० एन-पी०/सी०/5/78---इस कार्यालय की समसंख्यांक अधिसूचना दिनांक 24-9-78 के क्रम में निम्नलिखित तदर्थ नियुक्तियों की अवधि उन्हीं शर्तों पर दिनांक] 1-12-78 से आगामी तीन माह के लिए या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो बढ़ाई जाती है :—

क्र० सं०	नाम	पद जिस पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किए गए
सर्वश्री/		
1. ए० एम० बृटकर		तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण)
2. एम० पोन्नुराई		—यथा—
3. डी० आर० कोडावर		—यथा—
4. बहाय० जनार्दनराव		—यथा—
5. रामपाल मिह		—यथा—
6. एन० आर० जयरामन		—यथा—
7. समरेन्द्र दास		—यथा—
8. एम० दत्ता		तकनीकी अधिकारी (अभिकल्पन एवं उत्कीर्णन)
9. अरुण इंगले		तकनीकी अधिकारी (स्याही कारखाना, अनुसंधान एवं प्रयोगशाला)
10. जे० एन० गुप्ता		तकनीकी अधिकारी (स्याही कारखाना उत्पादन)

पी० एस० शिवराम
महाप्रबंधक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक का कार्यालय
नई दिल्ली-110002, दिनांक 16 दिसम्बर 1978

सं० 166ड-सीक-I/38-74—अपर उपनियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने श्री एन० टी० नायर लेखा-परीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) को भारत सरकार, गृह मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन संख्या 25013/7/77-स्थापना/ए/दिनांक 26-8-77 के उपबंध के अधीन तारीख 30-11-78 (पूर्वाह्न) से सरकारी सेवा से स्वेच्छा पूर्वक सेवा निवृत्त होने की अनुमति दे दी है।

एम० एस० ग्रीवर
उप निदेशक (वाणिज्यिक)

महालेखाकार, आंध्र प्रदेश का कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 21 नवम्बर 1978

सं० ई० बी० I/8-312/685—महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री बी० वेंकट राम रेड्डी को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 24-10-78 के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिए जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं० ई० बी० I/8-312/687—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एम० सत्यनारायणा को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 26-10-78 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिए जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

एस० आर० मुखर्जी
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश

ग्वालिअर, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० स्थापना-I/356—महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश ने, निम्नलिखित स्थाई अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न क्षमता में लेखा अधिकारी के पद पर वेतनमान रुपए 840-40-1000-द० अ०-40-1200 में उनके नाम के आगे दर्शाए गए दिनांक से पदोन्नत किया है :—

सर्वश्री

1. के० एम० शुक्ला (02/0244) 22-11-78 पूर्वाह्न
2. पी०एस० भटवडेकर (02/0245) 22-11-78 पूर्वाह्न

कृष्ण गोपाल
वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर 1978

सं० 4557/ए-प्रशासन/130/75-78—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर श्री एस० बी० सुब्रह्मण्यम स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी दिनांक 31-10-78 (अपराह्न) लेखा सेवा परीक्षा रक्षा सेवाएं विभाग से सेवा निवृत्त हुए।

के० बी० दास भीमिक
वरिष्ठ उप निदेशक, लेखा परीक्षा
रक्षा सेवाएं

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 5 दिसम्बर 1978

सं० 18339/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री ए० बी० राजामणि, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को दिनांक 30-4-1979 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा और तदनुसार वे विभाग की नफरी पर नहीं रहेंगे।

दिनांक 15 दिसम्बर 1978

सं० 86016/(15)/77-प्रशा०-II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (1500-60-1800-100-2000) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	नियुक्ति की तारीख
----------	----------------	-------------------

सर्वश्री :

- | | | |
|----|-------------------|----------------------|
| 1. | जे० सुब्रह्मण्यन् | 23-10-78 (पूर्वाह्न) |
| 2. | एस० एस० सबदी | 15-11-78 (पूर्वाह्न) |
| 3. | जी० एस० राजामणि | 30-10-78 (पूर्वाह्न) |
| 4. | बी० डी० सिंह | 30-10-78 (पूर्वाह्न) |
| 5. | एम० कुमार स्वामी | 8-11-78 (पूर्वाह्न) |
| 6. | अमर चन्द | 17-10-78 (पूर्वाह्न) |

दिनांक 16 दिसम्बर 1978

सं० 23011-ए०(2)/78/प्रशा०-II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रु० 2500-125/2-2750) के स्तर-I में उनके

नाम के सामने दर्शाई गई तारीख से मूल पदधारी के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	नियुक्ति की तारीख
सर्वश्री :		
1.	बी० एम० प्रभु	1-1-1977
2.	एन० बी० सी० सेकरेया	2-2-1977
3.	आर० बैकटरमन	1-12-1977
4.	बी० एस० भीर	1-5-1978
5.	सी० एल० चौधरी	1-11-1978
6.	एन० राजन	1-11-1978

आर० एल बख्शी
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशासन)

नई दिल्ली-110022, दिनांक 15 दिसम्बर 1978

सं० 86016(15)/77-प्रशा०-II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री आर० एल० बख्शी को वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड स्तर-I (रूपये 2500-125/2-2750) में स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिए दिनांक 12-12-78(पूर्वाह्न) से आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

बी० स्वामीनाथन,
रक्षा लेखा उप महा नियंत्रक
(पी० एण्ड डब्ल्यू०)

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आर्डेनेन्स फैक्ट्रियां

भारतीय आर्डेनेन्स फैक्ट्रियां सेवा

कलकत्ता, दिनांक 8 दिसम्बर 1978

सं० 84/जी/78—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को स्थानापन्न अपर महानिदेशक, आर्डेनेन्स फैक्ट्रियां के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं :—

श्री आई० के० नायक स्थानापन्न दिनांक 27 अक्टूबर, 1978।
डी०डी०जी०ओ०एफ० (स्तर-1) (अपराह्न)

सं० 85/जी/78—राष्ट्रपति जी, निम्नलिखित अधिकारी को स्थानापन्न महाप्रबन्धक (सेलेक्शन ग्रेड) स्तर-I के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं :—

श्री पी० एल० जालोटा, स्थानापन्न महाप्रबन्धक (सेलेक्शन ग्रेड)
स्तर- —30 सितम्बर, 1978

सं० 86/जी/78—राष्ट्रपतिजी, निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न महाप्रबन्धक (सेलेक्शन ग्रेड) स्तर-II डी जी जी ओ एफ स्तर-II के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं :—

- (1) श्री सी० एस० गौरीशंकरन, 20 जुलाई, 1978
स्थानापन्न ए डी जी ओ एफ/ग्रेड-I
- (2) डा० बी० एम० आई० नाम-
विश्वन, स्थायी महाप्रबन्धक/
ग्रेड-I 20 जुलाई, 1978

सं० 87/जी/78—राष्ट्रपतिजी, निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड I एवं ए डी जी ओ एफ/ग्रेड-I के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं :—

- (1) श्री के० डी० कालिया, स्थायी उप-
महाप्रबन्धक 20 अगस्त, 1978
- (2) श्री आर० एम० आपटे, स्थायी
प्रिंसिपल 20 अगस्त, 1978
- (3) श्री आर० के० मित्रा, स्थायी
ए डी जी ओ एफ/ग्रेड-II 20 अगस्त, 1978

सं० 88/जी/78—राष्ट्रपतिजी, निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न प्रबन्धक/वरिष्ठ डी ए डी जी ओ एफ के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं :—

- (1) श्री एस० कृष्णामूर्ति, स्थायी
उप-प्रबन्धक 2री सितम्बर, 1978
- (2) श्री ए० डब्लू० लालवानी,
स्थायी उप-प्रबन्धक 2री सितम्बर, 1978
- (3) श्री एन० एम० शर्मा, स्थायी
उप-प्रबन्धक 2री सितम्बर, 1978

सं० 89/जी/78—राष्ट्रपतिजी, निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न उप-प्रबन्धक/डी ए डी जी ओ एफ के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं :—

- (1) श्री एस० एच० तासू, स्थानापन्न
सहायक प्रबन्धक 2री सितम्बर, 1978
- (2) श्री एस० सी० तालुकदार,
सहायक प्रबन्धक (परखाबधि) 2री सितम्बर, 1978
- (3) श्री एस० जी० पाठक, स्थानापन्न
सहायक प्रबन्धक 2री सितम्बर, 1978
- (4) श्री बी० के० जैन, सहायक
प्रबन्धक (परखाबधि) 2री सितम्बर, 1978

- (5) श्री ए० एन० प्रसाद, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) 2री सितम्बर, 1978
- (6) श्री एस० के० घोष, स्थानापन्न टी० एस० ओ० 2री सितम्बर, 1978
- (7) श्री हरजीत सिंह, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) 2री सितम्बर, 1978
- (8) श्री पी० सी० मित्रा, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) 2री सितम्बर, 1978
- (9) श्री बी० पी० महापात्र, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) 2री सितम्बर, 1978
- (10) श्री ए० के० वासु, स्थानापन्न टी० एस० ओ० 2री सितम्बर, 1978
- (11) श्री आर० एम० भिसे, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक 2री सितम्बर, 1978
- (12) श्री एम० एस० चक्रवर्ती, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक 2री सितम्बर, 1978

दिनांक 14 दिसम्बर 1978

सं० 90/78/जी—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री एन० बी० बसु, स्थानापन्न टी० एस० ओ० (मौलिक एवं स्थायी स्टाफ सहायक) दिनांक 31 अगस्त, 1978 (अपराल्फ) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता,
सहायक महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1978

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/574/59-प्रशा०(राज०)/8823—राष्ट्रपति, श्री डी० एस० मोरक्रिमा को 17-11-1978 (पूर्वाह्न) से इस कार्यालय में उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद पर बहाल करते हैं।

इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 6/574/59-प्रशासन (राज०) दिनांक 15-7-76 रद्द की जाती है।

सं० 6/877/69-प्रशा०(राज०)/8837—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में श्री एन० एस० एस० अयंगर, नियंत्रक, आयात-निर्यात से 31 अक्टूबर, 1978 के दोपहर बाद से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 6/931/71-प्रशासन(राज०)/8844—सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर, केन्द्रीय मन्त्रालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग के अधिकारी श्री आर० एस० अग्रवाल ने 30 नवम्बर, 1978

के दोपहर बाद से इस कार्यालय में नियंत्रक आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

का० वें० शेषाद्वि,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक दिसम्बर 1978

सं० सी० ई० आर०/6/78—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश 1948 के खंड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति से मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० टी० सी० (4)/58 दिनांक 7 मार्च 1958 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रम सं० 17 के सामने स्तंभ 2 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

- (1) पश्चिम बंगाल के सभी जिला न्यायाधीश/उप-आयुक्त
- (2) पुलिस आयुक्त, कलकत्ता
- (3) निदेशक, हाथ करघा और वस्त्र, पश्चिम बंगाल
- (4) संयुक्त निदेशक, हाथ करघा और वस्त्र, पश्चिम बंगाल
- (5) सभी उप-निदेशक (हाथकरघा और वस्त्र), पश्चिम बंगाल
- (6) उप-निदेशक (शक्तिचालित करघे), पश्चिम बंगाल
- (7) सभी सहायक निदेशक (हाथ करघा और वस्त्र) पश्चिम बंगाल
- (8) सहायक निदेशक (वस्त्र), पश्चिम बंगाल
- (9) सभी हाथकरघा विकास अधिकारी, पश्चिम बंगाल
- (10) पश्चिम बंगाल के पुलिस तथा उत्पाद शुल्क विभाग के अधिकारी (जो उप-निरीक्षक की श्रेणी से नीचे न हों)
- (11) सहकारी समितियों के सभी सहायक पंजीयक, पश्चिम बंगाल
- (12) सहकारी समितियों के सभी निरीक्षक, पश्चिम बंगाल

गौरी शंकर भार्गव,
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1978

सं० प्र० 1/1/568—पूर्ति तथा निपटान निदेशक मद्रास के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड II) श्री ए० राजाराम राव दिनांक 30 नवम्बर, 1978 के अपराल्फ

से निवर्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० प्र० 1/1(1127)—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी श्री बी० मत्थनारायणन को दिनांक 25-11-78 (पूर्वाह्न) से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (मुकदमा) (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करने हैं।

सं० प्र० 1/1/1128—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी श्री आर० दौरा स्वामी को दिनांक 30-11-78 (पूर्वाह्न) से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (मुकदमा) (ग्रेड-I) के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र० 1/1(1129)/78—महानिदेशक, (पूर्ति तथा निपटान) पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी श्री प्रकाश खरे को दिनांक 29-11-78 (पूर्वाह्न) से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक (मुकदमा) (ग्रेड II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक,
पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1978

सं० प्र० 6/247(283)/60-II—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन, निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) और स्थानापन्न निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) (भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप ए के ग्रेड III की वस्त्र शाखा के) श्री ए० के० मंडल का दिनांक 10-11-78 को देहांत हो गया।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक (प्रशासन),
कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 12 दिसम्बर 1978

सं० 8876 बी/2222(ए एम)/19ए—श्री अशोक मुखोपाध्याय को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक

सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 28 अक्तूबर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 8905बी/2251(जे) 19बी—श्री जयानंद, ट्रीलर को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण से 25 अक्तूबर, 1978 के अपराह्न से मुक्त किया जा रहा है ताकि वे खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉर्पोरेशन लि०) में उप ड्रिलिंग इंजीनियर के पद पर अपनी नियुक्ति का कार्यभार संभाल सकें।

सं० 8946बी/2222(आर जी)/19ए—श्री आर० गोपालकृष्णन को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 11 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 8958बी/2222(एम एम जे)/19ए—श्री एम० एम० जयराम को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 18 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

बी० एम० कृष्णस्वामी,
महानिदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

सं० ए-19011(240)/78-स्था० ए०—राष्ट्रपति श्री वाय० पी० दुबे को 7 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खान नियंत्रक के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 दिसम्बर 1978

सं० ए-19011(224)/78-स्था० ए०—राष्ट्रपति श्री एम० बी० एम० चौहान को 10 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एम० बालगोपाल

कार्यालय अध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो।

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

कलकत्ता-16, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

सं० 4-156/78-स्था०—भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के निदेशक, श्रीमती राजलक्ष्मी मिश्रा को इस सर्वेक्षण के दक्षिणी क्षेत्र, मैसूर में सहायक मानव विज्ञानी (सांस्कृतिक) के पद पर

24 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से अस्थायी आधार पर अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

सी० टी० थोमस,
वरिष्ठ प्रशामनिक अधिकारी

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

बेहरादून, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

सं० ई/67078/913-हि०—इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या ई1-35232/913-हि० दिनांक 10 जुलाई, 1978 के क्रम में महामर्षक कार्यालय के श्री रमेश कुमार चमोली, हिन्दी अधिकारी को तदर्थ नियुक्ति की अवधि 31 मार्च 1979 तक या जब तक कि पद नियमित आधार पर भरा जाता है, जो भी पहले हो, बढ़ा दी जाती है।

के० एल० खोसला,
मेजर जनरल
भारत के महामर्षक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक दिसम्बर, 1978

सं० 1/6/78-एस दो—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री एन० के० वी० पिल्ले जो पहले व्यापारिक प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, त्रिवेन्द्रम में प्रधान लिपिक/लेखाकार के रूप में कार्य कर रहे थे, को आकाशवाणी गोहाटी में 12 सितम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक तदर्थ रूप में प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० वी० सेषाद्री,
उप निदेशक प्रशासन,
हस्ते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

सं० ए-31014/10/75-सिखन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख नियमिताने नीचे लिखे हुए फिल्म प्रभाग के स्थानापन्न शाखा प्रबन्धक को स्थायी शाखा प्रबन्धक के पद पर उनके सामने दिखाई हुई दिनांक से नियुक्त किया है।

क्रमांक	नाम	दिनांक
1. श्री ए० के० नारंग		1-8-1977
2. श्री एम० बालसुब्रमनियन		1-1-1978
	एम० चन्द्रन नायर, प्रशासकीय अधिकारी हस्ते प्रमुख निर्याता	

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० ए-30015/2/78-स्था०—निदेशक, विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय एतद्वारा श्री डी० पी० उनियान को 18 सितम्बर, 1974 से, अगले आदेश तक, इस निदेशालय में सहायक माध्यम अधिकारी के पद पर अर्ध स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

आर० देवासर,
उप निदेशक (प्रशासन)
हस्ते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर 1978

सं० ए० 19020/4/78-प्रशासन-I—सेवा निवृत्ति की प्राप्ति हो जाने पर सफ्दरजंग अस्पताल, नई दिल्ली के सहायक प्रशासन अधिकारी श्री खिन्नुपारमल खिमानी, 31 अक्तूबर, 1978 के अपराह्न से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

शामलाल कुठियाला,
उपनिदेशक प्रशासन (सं० ब० प०)

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

सं० ए० 31014/3/78-प्र० I—कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार, निम्नलिखित अधिकारियों को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय में विपणन अधिकारी (वर्ग I), विपणन अधिकारी (वर्ग II) और विपणन अधिकारी (वर्ग) के स्थाई पदों पर मूलरूप में उनके नाम के आगे विनिर्दिष्ट तारीखों से नियुक्त करते हैं :—

1. विपणन अधिकारी (वर्ग I)

1. श्री आर० एन० मेहरोत्रा	11-5-1964
2. श्री टी० एस० मुस्तफी	11-5-1964
3. श्री जी० आर० आर० मूर्ति	24-10-1965
4. श्री ए० के० भट्टाचार्य	24-10-1965
5. डा० जे० एन० चतुर्वेदी	1-1-1967
6. श्री पी० एस० जे० बाबू	15-2-1967
7. श्री एस० आर० पटेल	15-2-1967
8. श्री आर० कसन	15-2-1967
9. श्री टी० पी० जाधव	15-2-1967
10. श्री एस० घोष	15-2-1967

11. श्री आर० एल० इण्डवते	15-11-1970
12. डा० एम० बी० के० राव	16-10-1977
13. डा० जी० के० पवार	16-10-1977
14. डा० कोटेश्वर राव	16-10-1977
15. श्री एम० के० विश्वाम	16-10-1977
16. श्री बी० पी० शर्मा	16-10-1977
17. श्री ए० पी० टिचकुले	16-10-1977
18. श्री आर० सी० बनर्जी	16-10-1977
19. रामसिंह	16-10-1977
20. श्री एन० गोपाल	16-10-1977
21. श्री बी० एम० शेलार	16-10-1977

2. विपणन अधिकारी (वर्ग III)

1. श्री जी० डी० भोगले	5-11-1963*
2. श्री एम० एन० धुमे	30-7-1970
3. श्री एन० आर० मुखोपाध्याय	7-1-1973
4. श्री के० बी० मैलन्ता	31-3-1977

*इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या एफ० 1/170/71-प्र० I, दिनांक 16-4-73 और उसके बाद के शुद्धि पत्र दिनांक 10-9-73, जो श्री जी० डी० भोगले को विपणन अधिकारी (वर्ग II) के मूल पद पर 1-1-1967 से स्थाई नियुक्ति के बारे में हैं, को अब रद्द माना जाय।

3. विपणन अधिकारी (वर्ग III)

सर्वश्री

1. सी० सी० निनान	7-7-1964
2. बी० ए० मरनोबन	10-8-1966
3. पी० एस० कृष्णन	10-8-1966
4. एच० एन० भटनागर	18-12-1973
5. चन्द्र मोहन	18-12-1973
6. के० सीमा सुन्दरम	18-12-1973
7. पी० रवीन्द्रनाथन	18-12-1973
8. लक्ष्मी नारायण	15-12-1975

उपरोक्त अधिकारियों का, निम्न पद पर ग्रहणाधिकार यदि कोई हो तो, विपणन अधिकारी के पद पर स्थाई होने की तारीख से समाप्त हो जायेगा।

बी० एल० मनिहार,
प्रशासन निदेशक

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 29 नवम्बर 1978

संदर्भ पी०/73(13)/78-आर-4—समसंख्यक अधि-सूचना दिनांक 22 सितम्बर 1978 के सिलसिले में, निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, डा० (श्रीमती) चन्द्रप्रभा सत्य-2-406GI/78

प्रकाश मित्तल को, इसी अनुसंधान केन्द्र के शिकरसा प्रभाग में अनिश्चित अवधि 11 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से 2 दिसम्बर 1978 के अपराह्न तक, डा० (श्रीमती) पी० के० अजबानी के स्थान पर, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, बिलकुल अस्थाई रूप से स्थानिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 नवम्बर, 1978

सं० पी०/34(2)/78-आर-4—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री कृष्णमिग रावत, सहायक सुरक्षा अधिकारी, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र को, इसी अनुसंधान केन्द्र में नीचे लिखे अनुसार स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं :

- 1 दिसम्बर 1977 (पूर्वाह्न) से 16 अक्टूबर 1978 (अपराह्न) तक तदर्थ आधार पर
- 16 अक्टूबर, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक नियमित आधार पर।

एस० रंगनाथन
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० पत्र प्र 1/30/78-प्रशासन—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, एतद्वारा श्री आदर्श कुमार को परमाणु खनिज प्रभाग में दिनांक 6 दिसम्बर, 1978 की पूर्वाह्न से अगले आदेश तक एक स्थानापन्न पद पर वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस-बी' नियुक्त करते हैं।

एस० बाई० गोखले
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजली घर

जिला थाना-401504, 2 दिसम्बर, 1978

सं० टी० ए० पी० एस०/19(3)/77 आर०—परमाणु बिजली घर के मुख्य अधीक्षक, श्री डी० जी० कटारिया को, जो परमाणु ऊर्जा विभाग में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्त थे, परमाणु ऊर्जा विभाग से उनका तबादला हो जाने पर, 3 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये, तारापुर परमाणु बिजलीघर में 650-30-740-35-880-इ० रो०-40-960 रुपये के वेतनमान में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्त करते हैं।

ए० डी० देसाई,
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

महानिदेशक, नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर, 1978

सं० ए० 32014/2/78-ईसी—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री ओ० पी० बी० मिनीवा, संचार सहायक, वैमानिक संचार

स्टेशन, बम्बई को दिनांक 3-11-78 (पूर्वाह्न) से नियमित आधार पर सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सत्य देव शर्मा,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर 1978

सं० ए० 3 013/7/78-ईए—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एम० ए० भट्ट, सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी, सफदरजंग एयरपोर्ट नई दिल्ली का दिनांक 30 नवम्बर, 1978 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० ए० 32016/6/76-ईए—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री बी० एल० चड्ढा विमानक्षेत्र सहायक को दिनांक 27 नवम्बर, 1978 से 31-8-1979 तक या पद के नियमित रूप में भरे जाने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है। श्री चड्ढा को सफदरजंग एयरपोर्ट नई दिल्ली से में तैनात किया जाता है।

दिनांक 14 दिसम्बर 1978

सं० ए० 32013/18/78-ईए—राष्ट्रपति ने श्री कृपाशंकर, विमानक्षेत्र अधिकारी को दिनांक 29 नवम्बर, 1978 से छः माह के लिए, अथवा पद के नियमित रूप में भरे जाने तक जो भी पहले हो, वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में पदोन्नत किया है।

श्री कृपाशंकर को क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली क्षेत्र, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय में वरिष्ठ विमान सुरक्षा अधिकारी के रूप में तैनात किया है।

वी० वी० जीहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1978

सं० ए० 31013/4/76-ई० एस०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित वरिष्ठ विमान निरीक्षकों को दिनांक 8 जून, 1978 से स्थाई तौर पर नियुक्त किया है:—

1. श्री एस० के० बहल
2. श्री के० जे० मेनन
3. श्री ई० वी० स्वामीनाथन
4. श्री ए० एन० मुखर्जी
5. श्री एस० जी० गोस्वामी
6. श्री पी० जी० कुरियन
7. श्री ए० एन० चक्रवर्ती
8. श्री एस० आर० दास
9. श्री एल० पी० अरोड़ा

सुरजीत लाल खण्डपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तलिय,

कानपुर, दिनांक 26 अगस्त, 1978

सं० 19/78—श्री आर० एल० विरयानी, निरीक्षक (प्रवरण कोणि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200, के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप—देखिए इस कार्यालय के पृष्ठांकन पत्र सं० 11(3)93-स्था०/77/6838 दिनांक 11-3-77 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए०/52/ 77 दिनांक 11-3-78 अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एम० ओ० आर० III कायमगंज के पद का कार्यभार दिनांक 4-4-77 (पूर्वाह्न) ग्रहण किया।

के० प्रकाश आनन्द,
समाहर्ता

इन्दौर, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० 1/78—निम्नलिखित निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (प्र० श्रे०) को अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नति होने पर उन्होंने उनके नाम के सामने बर्शाए तिथियों से अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' के पद के कार्यभार ग्रहण किए।

अ० अधिकारी का नाम	तैनात का पद	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
क्र०		
1	2	3
4		
सर्वश्री		
1. व्ही० के० हांडा	अधीक्षक (अ० आ० नि०) निर्धारण रेंज न० II मुख्यालय, इन्दौर	16-1-78 पूर्वाह्न
2. एम० वी० आठले	अधीक्षक ब० अ० रेंज IV इन्दौर	16-1-78 पूर्वाह्न
3. जी० एन० मारकांडे	अधीक्षक (सां०) म० प्र० समा-हर्तलिय स्थित नागपुर	17-1-78 पूर्वाह्न
4. के० एल० श्रीवास्तव	अधीक्षक ब० अ० रेंज ग्वालियर	16-1-78 पूर्वाह्न
5. पी० एन० डांग	अधीक्षक (ले० प०) मुख्यालय, इन्दौर	16-1-78 पूर्वाह्न
6. एम० मी० श्रीवास्तव	अधीक्षक रायपुर आउटर II	23-1-78 पूर्वाह्न

1	2	3	4
7. एम० पी० मैलारपवार	अधीक्षक (अ० आ० नि०) निर्धारण रेंज नं० V प्रभाग रायपुर	30-1-78 पूर्वाह्न	
8. एन० के० दीवाण	अधीक्षक आयसो- लेटेड रेंजेंस चाम्पा	16-1-78 अपराह्न	
9. आर० डी० मल्होत्रा	अधीक्षक आयसो- लेटेड रेंजेंस धार	21-1-78 पूर्वाह्न	
10. एम० रणदि	अधीक्षक (II) रेंजेंस प्रभाग इन्दौर	16-1-78 पूर्वाह्न	
11. जी० बी० एम० पवार	अधीक्षक दुर्ग	24-1-78 पूर्वाह्न	

सं० 2/1978—मध्य प्रदेश केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलिय, इन्दौर के बहुपदीय अधिकारी रेंज कटनी में तैनात श्री आर० सी० पी० वर्मा, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' ने निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 28-2-1978 के अपराह्न से सेवामुक्त कर दिया गया है।

सं० 3/78—श्री एम० एम० चौरे प्रवरण श्रेणी निरीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, उनकी अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नति होने पर दिनांक 6-3-1978 के पूर्वाह्न में अधीक्षक I, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सतना का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 4/1978—मध्य प्रदेश केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलिय, इन्दौर के प्रभाग इन्दौर में तैनात श्री जी० एल० चौकसे, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' ने निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-3-78 से अपराह्न से सेवा मुक्त कर दिये गये हैं।

मध्य प्रदेश केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलिय, इन्दौर के बहुपदीय अधिकारी रेंज II भोपाल में तैनात श्री एस० ए० रणीद, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' ने निवर्तमान की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 30-4-1978 के अपराह्न से सेवामुक्त कर दिये गये हैं।

सं० 5/1978 —निम्नलिखित निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (प्र श्रे०) की अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नति होने पर उन्होंने उनके नाम के

सामने दर्शाए तिथि से अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' के पद के कार्य भार ग्रहण किये :—

अ० क्र० अधिकारी का नाम	तैनात का पद	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
सर्वश्री		
1. डब्ल्यू० डब्ल्यू० गुर्जर	रेंज II, इन्दौर	15-6-78 अपराह्न
2. पी० एल० भागडीकर	ब०अ० रेंज, कटनी	30-5-78 पूर्वाह्न
3. एल० पी० शर्मा	प्रभाग इन्दौर	31-5-78 पूर्वाह्न

सं० 6/1978—मध्य प्रदेश केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलिय, इन्दौर के मुख्यालय इन्दौर में तैनात श्री बी० पी० रेखड़े, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' दिनांक 30-6-78 के अपराह्न से स्वैच्छिक रूप से सेवामुक्त कर दिये गये हैं।

सं० 7/78—मध्य प्रदेश केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलिय इन्दौर के प्रभागीय कार्यालय रायपुर में तैनात श्री एम० एन० पाठक, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' ने निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-7-1978 के अपराह्न से सेवामुक्त कर दिये गये हैं।

सं० क्रमांक 8/78—निम्नलिखित निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (प्र० श्रे०) की अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नति होने पर उन्होंने उनके नाम के सामने दर्शाये तिथि से अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' के पद के कार्य भार ग्रहण किये हैं :—

अ० क्र० अधिकारी का नाम	तैनात का पद	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
सर्वश्री		
1. आर० एल० बावरीया	ब०अ० रेंज, राजनांदगांव	31-7-78 पूर्वाह्न
2. व्ही० जी० काले	ब०अ० रेंज, ग्वालियर	24-8-78 पूर्वाह्न

मनजीत सिंह बिन्ना,
समाहर्ता

इन्दौर, दिनांक 14 दिसम्बर, 1978

सं० 9/78—श्री डी० आर० धांदरे, परीक्षक (लेखा) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नति होने पर परीक्षक (लेखा) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय इन्दौर का कार्यभार दिनांक 1-11-1978 के पूर्वाह्न से संभाल रहे हैं।

सं० 10/78—मध्य प्रदेश केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय इन्दौर के प्रभागीय कार्यालय रायपुर में तैनात श्री के० व्ही० धत्ते, प्रशासकीय अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' दिनांक 31-10-78 के अपराह्न से स्वैच्छिक रूप से सेवा मुक्त कर दिये गये हैं।

एम० आर० परूलकर
समाहर्ता

पटना, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० 11(7)2-स्था०/78/12420—मंत्रालय के आदेश संख्या 139/78 दिनांक 29-8-78 के अनुसरण में निम्न-लिखित पदाधिकारी सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद/सीमा शुल्क (निम्न वेतनमान) अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद ग्रुप 'ए' के रूप में निम्न प्रकार कार्यभार ग्रहण किया।

क्र०सं० पदाधिकारी का नाम पदस्थापन के स्थान कार्यभार ग्रहण करने की तिथि

सर्वश्री

- | | | |
|-------------------|---|---------|
| 1. एस० के० मिश्रा | सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद पटना (पूर्वाह्न) | 26-9-78 |
| 2. आर० के० प्रकाश | सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद पटना (पूर्वाह्न) | 9-10-78 |
| 3. यू० सी० चटर्जी | अधीक्षक ग्रुप ए०, सीमा शुल्क हवाई अड्डा, पटना (पूर्वाह्न) | 4-9-78 |
| 4. एम० आई० हक | अधीक्षक ग्रुप 'ए', केन्द्रीय उत्पाद, बिहार शरीफ (पूर्वाह्न) | 5-10-78 |
| 5. एन० के० बोस | अधीक्षक ग्रुप 'ए', केन्द्रीय उत्पाद, लहेरिया सराय (पूर्वाह्न) | 7-10-78 |

डी० के० सरकार
समाहर्ता

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400038, दिनांक 20 अक्टूबर 1978

वाणिज्य नौवहन

सं० 11-टी० आर०(6)/76—राष्ट्रपति श्री प्रवीर घोष को, 9 मई, 1978 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों

तक मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता में अस्थाई तौर पर इंजीनियरी अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० एस० मिथू
नौवहन उप महानिदेशक

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1978

सं० 3-328/73—श्री लक्ष्मी नारायण उत्तरेजा दिनांक 2-12-1978 (पूर्वाह्न) में प्रशासन अधिकारी वर्ग 'बी' (राजपवित) के तदर्थ और अस्थाई पद पर केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में उनके मुख्यावास फरीदाबाद के साथ वेतनमान 840-40-1000 ई० बी०-40-1200 के अन्तर्गत अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

बी० के० बावेजा
मुख्य जल भू विज्ञ०

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० ए० 12017/5/76-प्रशा०-पांच—अधिसूचना सं० ए० 12017/5/76-प्रशा० पांच, दिनांक 20 अक्टूबर, 1978 के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री बी० के० गोस्वामी की तदर्थ नियुक्ति को गोहाटी गेजिंग डिवीजन, गोहाटी में सहायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) के ग्रेड के वेतनमान में रु. 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में पूर्णतया तदर्थ आधार पर 31-1-79 तक की और अवधि तक अथवा इस पद को नियमित आधार पर भरे जाने तक, इसमें जो भी पहले हो एतद्वारा बढ़ाते हैं।

सं० ए० 12017/5/76-प्रशा०-पांच—अधिसूचना सं० ए० 12017/5/76-प्रशा०, पांच, दिनांक 20 अक्टूबर, 1978 के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री एस० ए० शाह, की तदर्थ नियुक्ति को कोयम्बटूर गेजिंग डिवीजन, कोयम्बटूर में सहायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) के ग्रेड के वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में पूर्ण तदर्थ आधार पर 31-1-1979 तक की और अवधि तक अथवा इस पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इसमें जो भी पहले हो, एतद्वारा बढ़ाते हैं।

सं० ए० 19012/747/78-प्रशा०-पांच—विभागीय पदोन्नति समिति (ग्रुप बी) की सिफारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री पी० टी० सिखदास पर्यवेक्षक को अतिरिक्त सहायक अभियंता के रूप में पूर्णतया तदर्थ आधार पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 2-11-78 की पूर्वाह्न से

31-12-78 की अवधि के लिये अथवा जब तक यह पद नियमित आधार पर नहीं भरा जाता, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

2. श्री पी० टी० सिवदाम की नियुक्ति पूर्णतया तदर्थ एवं अस्थाई आधार पर है तथा इस प्रकार की गई सेवा के आधार पर व पदोन्नति अथवा वरिष्ठता के दावेदार नहीं होंगे।

दिनांक 16 दिसम्बर, 1978

सं० ए० 12017/6/76-प्रशा०-पांच—अधिसूचना सं० ए० 32012/2/70-प्रशा०-पांच, दिनांक 26 अक्तूबर, 1978 के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री डी० एस० कलोटी की केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अनुसंधान अधिकारी (भौतिकी) के रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में तदर्थ नियुक्ति को पूर्णतया अस्थाई आधार पर 30-6-79 तक की और अवधि तक के लिये अथवा इस ग्रेड में नियमित अधिकारी के उपलब्ध हो जाने तक, इसमें से जो भी पहले हो, एतद्वारा बढ़ाने हैं।

जे० के० साहा
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

दक्षिण पूर्व रेलवे

कलकत्ता-43, दिनांक 8 दिसम्बर, 1978

सं० डी० सी० पी० ओ० (जी०) कान०/सी० एल०-II 1/8—इस रेलवे के निम्नांकित सहायक मण्डल चिकित्सा अधिकारियों/स्थानापन्न मण्डल चिकित्सा अधिकारियों की प्रथम श्रेणी (अवर वेतनमान) से मण्डल चिकित्सा अधिकारी प्रथम श्रेणी (प्रवर वेतनमान) में दिनांक 25-4-78 से स्थायी रूप में पदोन्नति की जाती है:—

1. डा० एस० एस० चौधरी
2. डा० एस० के० दत्त
3. डा० एफ० टिर्की
4. डा० एस० साहा
5. डा० पी० दयाल
6. डा० एस० एन० पर्वत
7. डा० डी० के० भित्ता

(प्राधिकार:—रेलवे बोर्ड का गोपनीय पत्र सं० ई० (जी० पी०) 77/1/59 दिनांक 10-5-78)

निहार दत्त
मुख्य कार्मिक अधिकारी
कृते महाप्रबंधक (कार्मिक)

पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय
(पूर्ति विभाग)

राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कलकत्ता-27, दिनांक 13 दिसम्बर, 1978

सं० जी०-65/वी० (कान०)—निदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता, संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री निरंजन साहा को 9-11-78 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता में वैज्ञानिक अधिकारी (अविनाशकारी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० एम० बैनर्जी
उप निदेशक (रसायन)
कृते निदेशक
राष्ट्रीय परीक्षण गृह

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स डीलक्स रोडवेज प्राइवेट लिमिटेड के संबंध में

जयपुर, दिनांक 8 दिसम्बर 1978

सं० सांख्यिकी/1051—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स डीलक्स रोडवेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किये गये तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स भारत वैल्यू सरक्यूलेटिंग कम्पनी प्रा० लि० के संबंध में।

जयपुर दिनांक 14 दिसम्बर 1978

सं० सांख्यिकी/867—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स भारत वैल्यू सरक्यूलेटिंग कम्पनी प्रा० लि० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किये गये तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स आबूरोड रेलवे कोआपरेटिव एसोसियेशन लि० (समापन में) के संबंध में।

जयपुर, दिनांक 14 दिसम्बर, 1978

सं० माख्यकी/22—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि इस तारीख तीन मास के अवसान पर मैसर्स आबू रोड रेलवे कोआपरेटिव एसोसियेशन लि० (समापन में) का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किये गये तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

रामदयाल कुरील
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और क्वालिटी आइस क्रीम (जमशेदपुर) प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

सं० (1311) 78-79/5345—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर क्वालिटी आइसक्रीम (जमशेदपुर) प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

एम० वैज्जी
कम्पनी रजिस्ट्रार,
बिहार, पटना

“कम्पनी अधिनियम 1956 और लुधियाना हाईवेज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 19 दिसम्बर, 1978

सं० जी०/माख्यकी/560/3110/9353—कम्पनी अधिनियम, 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि लुधियाना हाईवेज प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सत्य प्रकाश तायल
कम्पनी रजिस्ट्रार,
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़,

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं ओमेगा लोकस एण्ड टाइपराइटर्स लिमिटेड, भोपाल के संबंध में

ग्वालियर, दिनांक 14 दिसम्बर, 1978

सं० 1134/लिवि०/सी० पी०/6348—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 उप धारा (2) के अन्तर्गत सूचित किया जाता है कि ओमेगा लोकस एण्ड टाइपराइटर्स लिमिटेड, भोपाल को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर के आदेश दिनांक 16-10-1978 के द्वारा परिसमापन

करने का आदेश दिया गया है तथा सरकारी समापक, इन्दौर को उक्त कम्पनी का समापक नियुक्त किया गया है।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना,
कम्पनी रजिस्ट्रार,
मध्यप्रदेश, ग्वालियर

कार्यालय, आयकर आयुक्त
कानपुर, दिनांक 28 अक्टूबर, 1978
आवेश

सं० 33—निम्नलिखित आयकर निरीक्षकों को आयकर अधिकारी (वर्ग “ख”) के रूप में आफिमियेट करने के लिये सं० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तत्काल से तथा दूसरे आदेशों के मिलने तक नियुक्त किया जाता है। यदि बाद में देखा गया कि इनकी नियुक्ति उपलब्ध रिक्त स्थानों से अधिक हो गई है तो ये परावर्तन के भागी होंगे। पदोन्नत होने के पश्चात् इनकी सेवायें इनके नाम के आगे अंकित आयकर आयुक्तों को सौपी जाती हैं:

क्र०सं० कर्मचारी का नाम	सेवायें सौपी गई
सर्वश्री	
1. आर० डी० अग्रवाल, इन्टरनल आडिट पार्टी, मेरठ	कानपुर
2. आर० डी० लाल, आन्तरिक लेखापरीक्षा दल, आगरा	आगरा
3. अयोध्या प्रसाद, (एस०सी०) कम्पनी मैकिल, कानपुर	कानपुर
4. के० के० अग्रवाल आन्तरिक लेखा परीक्षा दल, मेरठ	मेरठ

क्रम संख्या 3 व 4 पर उल्लिखित अधिकारी दिनांक 1 नवम्बर, 1978 को व इसके पश्चात् उन स्थानों पर कार्य-भार ग्रहण करेंगे जो सर्वश्री जी० बी० महेन्द्रा व मेहन्ता राम, आयकर अधिकारियों के दिनांक 31-10-78 को अपराह्न में सेवानिवृत्त होने के कारण रिक्त होंगे।

पी० के० मित्र,
आयकर आयुक्त, कानपुर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 4 दिसम्बर 1978

शुद्धिपत्र

नोटिस नं० 237/78-79/ अर्जन:— सेक्शन 269D(I) इनकम टैक्स एक्ट 1961 धिनांक 29-9-78 कृपया फाइल नं० 362/8/78-69/अर्जन के बदले नोटिस क्रमांक 237/78-79/अर्जन को पढ़ें। निर्देशन का पहला धारा में सहायक आयकर आयुक्त बेंगलूर के बदले सहायक आयकर आयुक्त धारवाड़ पढ़ें।

पि० रंगनाथन
सहायक आयकर आयुक्त
अर्जुन रेंज, धारवाड़,

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, धारवाड़

धारवाड़-580004, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 242/78-79/अर्जन—यतः मुझे, डि० सी०
राजागोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 172/72-73, 15, 16, 17, 18, 59, 60,
61, 62/2, 64/1, 64/3, 64/5, 63, 64/2, 62/3, 62/1,
51, 71/3, 295, 14, 297, 69 और 64/2पी० है, जो कोलगवि
गांव, जागी होबली, चिकमगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय चिकमगलूर अंडर डाकुमेंट नं० 478/78-79
दि० 23-5-78 में भारतीय

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
अपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. अ० अब्दुल बहाब पिता अ० अब्दुल अलि, समीर खीज
अर्न, पामागोडना हल्लि लकया होबली, चिक-
मगलूर।

(अन्तरक)

2. श्री आई० एस० निवर्ति गौडा पुत्र आई० एस० मल्ले
गौडा, कांफी प्लाट सं 'साक्षिराक्षमी' इंदिरा गांधी
रोड, चिकमगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सेटकी जमीन और कांफी एस्टेट 'सितारा एस्टेट' के नाम
से जाना जाता है। और इसके साथ बिलहम और आकार
कोलगोबे गांव चिकमगलूर के यहां है। एकत्र कांफी स्थान
140 एकड़ और बगैर जमीन 2 एकड़ और 4 गुंटा है।

डी० सी० राजागोपालन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, धारवाड़

तारीख: 4-11-78

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 27 नवम्बर 1978

निर्देश सं० ए०पी० 436/एमजीपी/78-79—यतः मुझे,
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
फतहगढ़ समरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध में अनुसूची
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री इन्द्र सिंह, और हरनाम कौर पत्नी जगत सिंह पुत्र
मीर्णा सिंह वासी समरा तहसील पट्टी जिला अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्री जगवंत सिंह, सरदुल सिंह, अमरीक सिंह और
कलवंत सिंह पुत्रान भगवान सिंह गांव चवा
तहसील जीरा।

(अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी (जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता
है)

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फतहगढ़ समरागाँव में 111 कनाल 1 सरला कृषि मूमि
जैसा कि विलेख में नं० 248 अप्रैल 1978 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी जीरा में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 27-11-78
मोहर :

प्रारूप धारा टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 27 नवम्बर 1978

निर्देश सं० ए०पी० 437/जी०आर०एम०/78-79—यतः

मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा की अनुसूची में लिखा है जो गृहशंकर में स्थित है (और इससे उपावद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गृहशंकर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—406GI/78

1. श्रीमती दर्शना कालीआ पत्नी राम मूर्ती कालीआ पुत्र श्री हरकिशन लाल कालीआ रेलवे रोड गढ़ शंकर।

(अन्तरक)

2. श्री बलदेव सिंह, रणजीत सिंह, तरलोचन सिंह अवतार सिंह पुत्रान चनन सिंह पुत्र मेहर सिंह गांव ऐमन मुगलां।

(अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अभिधोग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दाना मंडी गढ़ शंकर में एक दुकान नं० 33 जैसा कि विलेख नं० 98 अप्रैल 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गढ़ शंकर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 27-11-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 27 नवम्बर 1978

निर्देश सं० ए०पी०/438/आर०डब्ल्यू०एस/78-79—यतः मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो राहों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री नरजीव कुमार, दविन्द्र मोहन पुत्र राम प्रकाश गांव राहों तहसील नवां शहर।

(अन्तरक)

2. श्री हरमोहन कुमार पुत्र श्री मन पाल गांव राहों तहसील नवां शहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राहों गांव में 208 कनाल 4 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 55 अप्रैल 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां शहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भटिंडा

तारीख: 27-11-1978

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एन०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 27 नवम्बर 1978

निर्देश सं० ए०पी० 439/एनआईसीडी/78-79—यतः
मुझे, पी० एन० मलिक

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो ठाडा
दिलखापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नकादर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 176)
के अधीन, तारीख अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारिस्थ में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनांश
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
निम्नलिखित व्यक्तियों, के अधीन अर्थात् :—

1. श्री जोगिन्द्र सिंह, जगीर सिंह पुत्रान संता सिंह बासी
धाडा हरीपुर।

(अन्तरक)

2. श्री दर्शन सिंह, गुरदीप सिंह, उधम सिंह, पुवान
किशन सिंह बासी धाडा दिलखापुर।

(अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि
रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लोकण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धाडा दिलखापुर गांव में 58 कनाल 7 मरले कृषि भूमि
जैसा कि विलेख नं० 87 अप्रैल 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
नकादर में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 27-11-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 27 नवम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 440/एचएसआर/78-79—यतः सुधे,
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो दादपुर
गोराया में स्थित है (और इससे उपावद्ध में अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय
हुशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
ने, ने, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारी हरजीत कौर पुत्री गुरबचन सिंह पुत्र सम्पूर्ण
सिंह गांव दादपुर गोराया जिला हुशियार पुर
अब परनी गुरजीत सिंह वासी कोटकपुरा सहसील
फरीदकोट।

(अन्तरक)

2. श्री कपिल देव पुत्र रलिया राम पुत्र तखत मल गांव
फबिया जिला हुशियारपुर।

(अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता
है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दादपुर गोराया गांव में 40 कनाल 19 मरले कृषि भूमि
जैसा कि विलेख नं० 193 अप्रैल 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी हुशियारपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 27-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 27 नवम्बर 1978

निर्देश सं० ए०पी० 441/एफडीके/78-79—यतः मुझे,
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भुमनवाली में स्थित है (और इससे उपावद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती रकम देवी उर्फ रकमनी देवी पत्नी गंगा राम पुत्र बखता राम वासी गंगा नगर (राजस्थान) (अन्तरक)

2. श्री धर्मपाल पुत्र गणेश दास पुत्र कृष्ण दास वासी भुमनवाली तहसील फाजिल्का। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भुमनवाली गांव में 55 कनाल कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 125 अप्रैल 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के फाजिल्का में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 27-11-1978

मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 27 नवम्बर 1978

निर्देश सं० ए०पी० 442/एनकेडी/78-79—यतः मुझे,
पी० एन० मलिक

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नकोदर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1909 (1909 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्ताः—

1. श्री नत्था सिंह पुत्र लछमन सिंह गांव संगोवाल तहसील नकोदर जिला जलन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री करतार सिंह पुत्र बगाना सिंह गांव संगोवाल तहसील नकोदर।

(अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संगोवाल गांव में 80 कनाल कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 153 अप्रैल 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 27-11-78

मोहर :

प्रमाण नं० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 27 नवम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 443/एम०पी०एन०/78-79—यतः
मुझे, पी० एन० मलिक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कल्याण
मुख्या में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नथाना
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जंगीर सिंह, ज्योत सिंह पुत्र श्रीमती वीरों बासी
सैद महंज ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रीतम कौर पत्नी भाग सिंह बामी कल्याण मलका
जिला भटिंडा ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कल्याण मुख्या गांव में 77 कनाल 11 मरले कृषि भूमि
जैसा कि विलेख नं० 77 अप्रैल 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
नथाना में लिखा है ।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 27-11-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 27 नवम्बर 1978

निर्देश सं० ए०पी० 444/बी०टी०आई/78-79—यतः मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिनकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोबिन्दपुरा में स्थित है (और इससे उपाय में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नथाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रूनीया राम पुत्र हीरा वासी गोबिन्दपुरा।
(अन्तरक)

2. श्री नछतर सिंह, हरिन्द्र सिंह पुत्रान जोरा सिंह पुत्र प्रताप सिंह वासी गोबिन्दपुरा। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ह, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गोबिन्दपुरा गांव में 56 कनाल 6 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 118, अप्रैल 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नथाना में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 27-11-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 27 नवम्बर 1977

निर्देश सं० एपी 445/बीटीआई/78-79—यतः मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोविन्दपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नथाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

4—406GI/78

1. श्री बीरबल बाम पुत्र मरूप चन्द बासी मुन्नु मंडी (अन्तरक)

2. श्री जमविन्द्र सिंह, जमवीर कौर, बलवीर कौर दलविन्द्र कौर, बलविन्द्र कौर, सुरजीत सिंह पुत्र हरचन्द सिंह बासी गोविन्दपुरा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संगति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गोविन्दपुरा गांव में 46 कनाल 12 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 31 अप्रैल 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नथाना में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 27-11-78

मीहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 27 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एपी/446-एफजैडके/78-79-यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो झुमनवाली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मन्ना राम पुत्र खेता राम पुत्र जोधा राम वासी श्री गंगानगर (राजस्थान)।

(अन्तरक)

2. श्री गंगा जल पुत्र गणेश दास पुत्र कृष्ण दास वासी गांव झुमनवाली तहसील फाजिल्का।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

झुमनवाली गांव में 65 कनाल कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 126, अप्रैल 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फाजिल्का में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

मक्षम अधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिडा

तारीख : 27-11-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 27 नवम्बर 1978

निर्देशन सं० एपी 447/एन डब्ल्यू एस/78-79—यतः मुझे पी०
एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो राहों में
स्थिति है (और इसमें 'उपाबद्ध' अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवां शहर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में;
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना:—

1. श्री धनेश कुमार, वजिन्द्र मोहन नवजीत कुमार गांव
राहों तहसील नवां शहर।

(अन्तरक)

2. श्री जतिन्द्र कुमार पुत्र सत पाल गांव राहों तहसील
नवां शहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

राहों गांव में 52 कनाल 1 मरला कृषि भूमि जैसा कि
विलेख नं० 54, अप्रैल 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां
शहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
समक्ष प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, भटिंडा

तारीख : 27-11-78

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 27 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एपी 448/एफजेडआर/78-79—यतः, मुझे पी० ए० मलिक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो फिरोजपुर शहर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दी पी फलो फार्मैसिंग चिट फंड कं प्राईवेट लिमिटेड फिरोजपुर सिटी।

(अन्तरक)

2. श्री खरैती लाल पुत्र भोला राम वासी फिरोजपुर शहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फिरोजपुर शहर में एक दुकान और उपर की मंजिल का 1/2 हिस्सा जैसा कि विलेख नं० 133, अप्रैल 1978, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 27-11-78
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 27 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एपी 449/एमएलटी/78-79—यतः मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो चञ्चु में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मल्लोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती निक्की, सीता, पणो पुत्रीयां गुरनाम सिंह पुत्र प्रेम सिंह, वासी चञ्चु तहसील मक्तमर।

(अन्तरक)

2. श्री बुढा सिंह, सपुत्र गुरनाम सिंह पुत्र प्रेम सिंह, वासी चञ्चु तहसील मुक्तसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चञ्चु गांव में 56 कनाल 6 मरवे जमीन जैसा कि विनोद नं० 166, अप्रैल 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मल्लोट में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भटिंडा

तारीख : 27-11-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 27 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एपी 450/एफजेडआर/78-79—यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फिरोजपुर शहर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

1. दी प्री फलो फाईनैस चिट फंड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड फिरोजपुर शहर।

(अन्तरक)

2. श्री विशंबर दास पुल भोला राम गाँव सोठी नगर जिला फरोजपुर।

(अन्तरितों)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फिरोजपुर शहर में एक दुकान जैसा कि विलेख में नं० 195 अप्रैल 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 27-11-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 27 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एपी 451/एफजेड आर/78-79—अतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फिरोजपुर शहर में स्थित है (और इससे उपावबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में गृबिधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

1. दी प्री फलो फाईनैम चिट फंड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड फिरोजपुर छावनी।

(अन्तरक)

2. श्री बनारसी दास पुत्र भोला राम बासी मोठी नगर जिला फिरोजपुर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फिरोजपुर शहर में एक दुकान जैसा कि विलेख नं० 262, अप्रैल 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फिरोजपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 27-11-78

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 28 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एपी 452/एमजीए/78-79—यतः भुजे,
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मोगा में स्थित है (और इससे उपावद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरचरण सिंह पुत्र श्री सन्ता सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह, जी० टी० रोड, मोगा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती विमला देवी चौधरी पत्नी वृज नाथ पुत्र हृदय नरैन वासी दत्त रोड, मोगा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में तथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दत्त रोड, मोगा पर गली में एक मकान जैसा कि विलेख नं० 109, अप्रैल 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 28-11-78

मोहुर :

परम आर्डर सी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 28 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० एपी 453/पीएचजी/78-79—यतः, मुझे, पी०
एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹ से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
फगवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध में अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
शस्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, ठिगाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपातः—

1. श्रीमती गुम्बजिन्द्र कौर पुत्री ईशर वासी पटियाला।
(अन्तरक)

2. श्री मोहन लाल, प्रेम कुमार, मुखदेव राज पुत्रान कृपा
राम द्वारा मोहन इंजीनियरिंग वर्क्स, राम गड़ीया
गुम्बारा रोड, फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता
है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो इस
पष्ठशाय में दिया गया है।

अनुसूची

हृषियार पुर फगवाड़ा सड़क पर एक प्लॉट जैसा कि
विलेख नं० 126, अप्रैल, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
फगवाड़ा में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज भटिंडा

तारीख: 28-11-78

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 1450/मु० नगर/78-79/4566—अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जानमठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-4-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सत्यवीर सिंह पुत्र अन्धू सिंह व सतेन्द्र कुमार पुत्र सत्यवीर सिंह नि० जटवाड़ा परगना जाली जानमठ जिला मुजफ्फरनगर

(अन्तरक)

2. श्री सुरेणपाल सिंह व सुरेन्द्रपाल सिंह पुत्र पतिम सिंह व श्रीमती मन्यवती स्त्री प्रीतम सिंह नि० भाग्सी हाल जयवाड़ा परगना जाली जानमठ जिला मुजफ्फरनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम जटवाड़ा परगना जाली जानमठ जिला मुजफ्फरनगर 60,000/- के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर,

तारीख: 20-12-78

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 दिसम्बर 1978

निर्देशनं० 208 ए/मु० नगर/78-79/4568—अतः, मुझे,

बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जानसठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-5-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तुत्यों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाये में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तेज प्रताप सिंह पुत्र श्री पीताम्बर सिंह नि० तालडा हाल बड़ा डाकखाने के पास बिकानेर राजस्थान।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बीरमती स्त्री ज्ञान सिंह नि० गुजर हाऊस पक्का बाग खतौली तहसील जानसठ जिला मुजफ्फरनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम तालडा परगना जाली जानसठ मुजफ्फरनगर 1,21,650/- के विस्तृत मूल्य में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 20-12-78

मोहर :

अर्जन रेंज, कानपुर,

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 दिसम्बर 1978

निर्देशनं० 129ए/मु० नगर/78-79/4569—अतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जानमठ में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
24-4-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
सनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जितेन्द्र उर्फ कालू दत्तक पुत्र विष्णु सिंह नि०
दुधाहेड़ी परगना खतौली तहसील जानमठ जिला
मुजफ्फरनगर

(अन्तरक)

2. श्री चोहल सिंह पुत्र छोटामिह बकवर पाल व अष्टीपाल,
पुत्रगण इलमिमिह व पुष्पेन्द्र कुमार पुत्र अजीत
सिंह नि० दुधाहेड़ी प० खतौली तहसील जानमठ
जिला मुजफ्फरनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुपि भूमि ग्राम दुधाहेड़ी परगना खतौली जिला
मुजफ्फरनगर 75,000/- के विशय मूल्य में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 20-12-78

मोहर :

अर्जन रेंज कानपुर

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 दिसम्बर, 1978

निर्देश नं० 1150/अर्जन/३० दून/78-79/4570---

अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पुण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-4-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई आय किसी की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 299-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री स्वामीनाथन शंकर अय्यर पुत्र स्वर्गीय श्री वी० एम० अय्यर नि० के० 45 जंगपुरा एकमटेन्मन, नई दिल्ली एवं श्रीमती भाग्यलक्ष्मी शंकर अय्यर, मनीशंकर अय्यर, डा० सुकानन्द शंकर अय्यर, श्रीमती तारा (अन्तरक)

2. श्री स्वराज कृष्ण सूदन एवं श्री कृष्ण कुमार सूदन नि० 4-बी कालीदाम रोड, देहरादून (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सपष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुर्गजिली बिल्डिंग नं० 2/1 कालीदाम रोड, देहरादून 75,000/- के विश्रय मूल्य में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 20-12-78
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 दिसम्बर 1978

निदेश नं० 2440/अर्जन/मु० नगर/78-79/4571--
अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिारी के कार्यालय बुढाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-4-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है : --

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्री ओमप्रकाश पुत्र बलजीत नि० डबल परगना शिकारपुर, त० बुढाना, जिला मु० नगर
(अन्तरक)

2. श्री बाबुराम व डलमचन्द पुत्र बलवन्त साकिनान सकरपुर गाड़ा परगना सरसावा त० नकुड जिला महारनपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम डबल परगना शिकारपुर जिला मुजफ्फरनगर 25500/- के विन्य मूल्य में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 20-12-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 दिसम्बर 1978

निदेश नं० 720/मु० नगर/78-79/4572—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार तथा जो सूची के अनुसार
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय मु० नगर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 15-4-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित क गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण र कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिती)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अनूप सिंह पुत्र अतर सिंह नि० दतयाना प० व
त० जिला मु० नगर

(अन्तरक)

2. श्री महीपाल सिंह व जयपाल सिंह व राजपाल सिंह व
कवरपाल सिंह पुत्रगण हरभजन सिंह नि० बटेडी प०
व त० व जिला मु० नगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आदेश:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सपष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम दतयाना प० व त० व जिला मु० नगर
58,000/- के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

श्री० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज कानपुर।

तारीख : 20-12-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 दिसम्बर 1978

निर्देश नं० 2450/अर्जन/मु० नगर/78-79/4567—
 अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
 बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
 और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार
 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुढाना में, रजिस्ट्री-
 करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
 28-4-78
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
 दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
 विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
 उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
 दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
 अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
 ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
 नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधि-
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
 लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
 सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
 (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जनेश्वर पुत्र ऋणीराम त्यागी नि० धनायन परगना
 शिकारपुर त० बुढाना, जिला मु० नगर ।
 (अन्तरक)

2. श्री विक्रम सिंह, अरविन्द कुमार पुत्र शिवशर्मा
 वेदप्रकाश पुत्र शेर सिंह व मंगलसेन पुत्र प्यारे लाल
 त्यागी निवासी धनायन प० शिकारपुर बुढाना जिला
 मु० नगर ।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित
 में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित साजा धनायन प० शिकारपुर जिला
 मु० नगर ह० 4,700/- विनय मूल्य में बेची गयी ।

बी० सी० चतुर्वेदी
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 20-12-1978
 मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/अप्रैल-89/3783-78-79/4486—अतः, मुझे, आर० बी० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 39/71 है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी वत या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तात :—
6-406GI/78

1. श्री राम सारूप टण्डन, सुपुत्र श्री हुकम चन्द टण्डन, निवासी 1/6, विश्वास नगर, शाहिदरा, दिल्ली ज़रनल अटारनी आफ श्री रवी कान्त टण्डन, 1/6, विश्वास नगर शाहिदरा, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री शिव कुमार, सुपुत्र श्री हीरा लाल खन्ना निवासी सी-2/32, माडल टाउन, दिल्ली 1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका नं० 39, रोड नं० 71, कलाश-बी में है, और क्षेत्रफल 1088.89 वर्ग गज है, निवासी कालीनी पंजाबी बाग, बसाएद्वारापुर गांव, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० 37

पश्चिम : प्लॉट नं० 41

उत्तर : रोड नं० 71

दक्षिण : सर्विस लेन।

आर० बी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (2961 का 43) की धारा
269 (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II दिल्ली नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/मई-100/3862/
78-79/4486—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिस का उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी संख्या 30/71 है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन तारीख
3-5-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बोध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायत्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

1. श्री राम सारूप टण्डन, सुपुत्र श्री हुकम चन्द टण्डन,
निवासी 1/1/6, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली
जरनल अटारनी आफ बी० रवी कान्त टण्डन, 1/6,
विश्वास नगर शाहदरा, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री हीरा लाल खन्ना, सुपुत्र एल० अमर नाथ खन्ना
तथा श्रीमती कृष्णा रानी, पत्नी श्री एच० एल० खन्ना,
निवासी सी-2/32, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसे व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका नं० 39, रोड नं० 71, क्लास-बी में है, और
क्षेत्रफल 1088 89 वर्ग गज है, निवासी कालौनी पंजाबी बाग,
बसादारापुर गांव, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० 37

दक्षिण : प्लॉट नं० 41

उत्तर : रोड नं० 71

दक्षिण : सर्विस लेन

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/II/मई-189/3866/78-79/4486—अतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 39/71 है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किश जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपात् 1—

1. श्री राम सारूप टण्डन, सुपुत्र श्री हुकम चन्द टण्डन, निवासी 1/6, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली जरनल अटारनी आफ श्री रवी कान्त टण्डन, 1/6, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार खन्ना, सुपुत्र श्री एन० एल० खन्ना, निवासी सी-2/32, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अर्थात् 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका नं० 39, रोड नं० 71, क्लाम-बी में है, और क्षेत्रफल 1088.89 वर्ग गज है, निवासी कालौनी पंजाबी बाग, बसाणदारापुर गांव, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० 37

पश्चिम : प्लॉट नं० 41

उत्तर : रोड नं० 71

दक्षिण : सर्विस लेन।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एकयु०/11/अप्रैल-66/3768/78-79/4486—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है,

और जिसकी संख्या 3/12 है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-4-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जोगी राम जैन, श्रीपाल जैन, दोनों सुपुत्र श्री राम नाथ तथा श्रीकती संतोष कुमारी, पत्नी श्री आर० एम० जैन, सभी निवासी 135ए, वैदवाड़ा, मालीवाड़ा, दिल्ली-6।

(अन्तरक)

2. श्री सत्या नारायण मितल, जय भगवान मितल, सुभाष चन्द मितल, सुरेश कुमार मितल, तथा कृष्ण कुमार मितल, सभी सुपुत्र श्री श्रोम प्रकाश मितल, सभी निवासी 26/18, शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोदितकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका नं० 3, ब्लॉक नं० 12 है और क्षेत्रफल 241.11 वर्ग गज है, रोशननगरा एक्सटेंशन स्कीम शक्ति नगर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : सर्विस लेन

पश्चिम : रोड

उत्तर : प्लॉट नं० 4, ब्लॉक नं० 12

दक्षिण : प्लॉट नं० 2, ब्लॉक नं० 12

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/अग्रवाल-80/3778/
78-79/4486—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या डी-2/12 है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 27-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्ति को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाने
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धन: धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चन्द्र प्रकाश तथा श्री वीर सेन, सुपुत्र स्वर्गीय
श्री लाल चन्द, निवासी डी-3/16, माडल टाउन,
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रेम लता, पत्नी (स्वर्गीय) श्री जे० सी०
मलिक (2) श्रीमती परवेश रानी, पत्नी श्री बृज
मोहन, (3) श्रीमती गंगा देसी, विधवा पत्नी श्री
शम्भू नाथ, सभी निवासी सी-1/10, माडल टाउन,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

3. श्री बलवीर सिंह, राम बाबू, विजेन्द्र गोयल (ग्राउन्ड
फ्लोर) श्री के० एल० भमीन (पहली मंजिल), श्री
के० एल० धवन (बरसाती)
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला ब्लिडिंग जोकि 242 वर्ग गज क्षेत्रफल
के प्लॉट पर बनी हुई है, जिसका नं० 12, ब्लॉक नं० डी-2 है,
माडल टाउन, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : सविम लेन

पश्चिम : रोड

उत्तर : प्लॉट नं० डी-2/13 पर ब्लिडिंग

दक्षिण : प्लॉट नं० डी-2/11 पर ब्लिडिंग

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

तारीख : 14-12-1978 अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/अप्रैल-87/78-79/
4486—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी संख्या 30-ए/78 है तथा जो पंजाबी बाग, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 28-4-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री मदन मोहन आनन्द, सुपुत्र स्वर्गीय श्री भगत राम
आनन्द, निवासी 30-ए/78, पंजाबी बाग, दिल्ली।
(अन्तरक)

2. योग निकेतन ट्रस्ट, दिल्ली, 5/41, पंजाबी बाग,
दिल्ली। इनके वार्डम प्रेसीडेंट श्री आर० पी० राहिजा
के द्वारा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका नं० 30-ए, रोड नं० 78 है और क्षेत्रफल
2255.55 वर्ग गज है, पंजाबी बाग, बसाद दारापुर गांव,
दिल्ली नगर निगम की सीमा के अन्तर्गत निम्न प्रकार से स्थित
है :-

पूर्व : प्लॉट नं० 30
पश्चिम : प्लॉट नं० 30-बी
उत्तर : रोड नं० 78
दक्षिण : सर्विस लेन

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 14-12-1978 अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/अप्रैल-23/3739/78-79/4486—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या 46/72 है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्शात:—

1. श्री प्रेम कुमार तथा सतीश कुमार, दोनों सुपुत्र श्री शान्ती प्रकाश, निवासी ए-65, फेस-1, अशोक बिहार, वजीरपुर निवासी स्कीम, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सुभाष चन्द तथा हरीश चन्द, दोनों सुपुत्र श्री राम सरन दाम, निवासी मकान नं० 46, रोड नं० 72, पंजाबी बाग नई दिल्ली तथा श्रीमती सुमित्रा देवी, पत्नी श्री राम सरन दाम, निवासी मकान नं० 46/72, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जोकि 1073.33 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 46, रोड नं० 72, क्लास 'बी' में है, पंजाबी बाग, बसाएदारापुर गांव, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : जायदाद नं० 44

पश्चिम : जायदाद नं० 48

उत्तर : सबिस लेन

दक्षिण : रोड नं० 72

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, A दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग नई दिल्ली
दिल्ली-1, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 11/अप्रैल-39/3751/
78-79/4486—अतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिनकी संख्या ई-82/83 है तथा जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 12-4-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित:—

1. श्रीमती कृष्ण पिपारी, जिन्हा पत्नी श्री खान चन्द
आनन्द, निवासी फ्लैट नं० 4, अशोका पोलिस लाइन,
नई दिल्ली। इनके अटारनी श्री एम० के० आनन्द के
द्वारा, निवासी बी-1/44, सफदरजंग एनकलैव,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री चन्द प्रकाश आनन्द, सुपुत्र श्री जीवन मल
आनन्द, श्रीमती चन्द्र प्रभा आनन्द पत्नी श्री सी० पी०
आनन्द, निवासी एफ-79, कीर्ति नगर, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि 300 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट
पर बना हुआ है, जिसका नं० ई-82/83 है, कीर्ति नगर, नजफ-
गढ़ रोड, बामाएदारापुर गांव, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित
है:—

उत्तर पूर्व: जायदाद नं० ई-81

दक्षिण-पश्चिम: जायदाद नं० ई-84

उत्तर पश्चिम: रोड

दक्षिण-पूर्व: रोड

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 14-12-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

दिल्ली-1, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/अप्रैल-15/3736/
78-79/4486—अतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में
अधिक है।

और जिसकी संख्या 3-एफ० है तथा जो 3-शंकराचार्य मार्ग,
मिविल लाईन्स, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनु-
सूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 5-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने से अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में;
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7—406GI/78

1. मै० विश्वा ईस्टेट प्राईवेट लि०

बी-6, आसफ अली रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री कंचन कुमार खन्ना, सुपुत्र श्री पी० सी० खन्ना,
तथा श्रीमती मनयुक्ता खन्ना, पत्नी श्री कंचन कुमार
खन्ना, 3-एफ, विश्वा अपार्टमेंट, 3-शंकराचार्य,
मार्ग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित में
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
दिया गया है।

अनुसूची

ब्लॉक नं० 3 के फ्लैट की पहली मंजिल जिसका नं० 3
है और क्षेत्रफल 1900 वर्ग फुट है, 3-मैटकाल्फ रोड, शंकरा-
चार्य मार्ग, मिविल लाईन्स, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित
है :—

पूर्व : ब्लॉक नं० 2

पश्चिम : 30' चौड़ी सड़क

उत्तर : 3-मैटकाल्फ रोड

दक्षिण : 30' चौड़ी सड़क

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/क्यू०/II/मई-106/
3863/78-79/4548—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सी०-1/10 है तथा जो राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 2-5-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के उक्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये :

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती राजरानी बोहरा, पत्नी श्री सरदार सुजान
मिह, निवासी ए-2/36-ए, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री एस० भूपीन्द्र मिह, सुपुत्र श्री एस० धन्ना सिंह,
निवासी बी०-9, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) हम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 450 वर्ग गज है
और नं० सी-1/10 है, राजौरी गार्डन, बसाएधारापुर गांव,
दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० सी-1/7

पश्चिम : प्लॉट नं० सी-1/सी-11

उत्तर : प्लॉट नं० सी-2/23-24 तथा 26

दक्षिण : प्लॉट : रोड़।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 18-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/मई-66/3827/78-79/4548—अतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० डी-38 है तथा जो मानसरोवर गार्डन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी वन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कृष्ण लाल अहुजा, सुपुत्र श्री नारायण दास अहुजा, निवासी ई-1/9, माडल टाउन, दिल्ली-9 (अन्तरक)

2. श्री केवल सिंह, सुपुत्र श्री पूरण सिंह, निवासी बी-257, नारायणा इन्स्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-क्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 410 वर्गगज है और प्लॉट नं० 38, ब्लॉक नं० 'डी' है, मानसरोवर गार्डन, बसाएधारापुर गांव, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :

पूर्व : प्लॉट नं० डी-37

पश्चिम : प्लॉट नं० डी-39

उत्तर : लेन।

दक्षिण : रोड़।

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 18-12-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली-1

4/14क आसफजली मार्ग नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/मई-64/3826/78-79/4548—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 25/74 है तथा जो शक्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-5-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्:—

1. श्री पृथ्वी सिंह, सुपुत्र श्री गुब्बुद सिंह, निवासी 715/10, चांदनी महल, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री पी० के० धाम, सुपुत्र आर० एल० धाम, निवासी सी-2/28, माडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है और नं० 74, ब्लॉक नं० 25(25/74) है, शक्ति नगर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है

पूर्व: सर्विस लेन।

पश्चिम: प्लॉट नं० 25/75।

उत्तर: मेन रोड।

दक्षिण: सर्विस लेन।

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 18-12-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 11, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ /मई-49/3818/ 78-79/4548—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० डी-74 है तथा जो मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-5-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री हेमन्त कुमार, सुपुत्र श्री सोहन लाल तथा श्री राजीव कुमार, सुपुत्र श्री योग राज, निवासी 7-ए/9, डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्रीमती सत्या वन्ती, पत्नी श्री तीर्थ दास, ई-38, केनाल रोड़, निलोखेरी, जिला करनाल । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिधे कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है और सं० नं० डी-74 है, मानसरोवर गार्डन, बसाणदारापुर गांव, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट डी-75
पश्चिम : प्लॉट डी-73
उत्तर : लेन
दक्षिण : रोड़

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 18-12-1978
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 18 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/मई-19/3799/78-79/4548—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3/2 ए० है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-5-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की शक्ति, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थना :—

1. श्री सहदेव सिंह, सुपुत्र श्री दयाल सिंह, निवासी 27-ए पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

2. श्रीमती निर्मला देवी, पत्नी श्री राम लाल जैन, निवासी एफ-10, भगवत दास नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला भूकान जोकि 280 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका प्लॉट नं० 3, रोड़ नं० 27-ए है, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्वः रोड़ नं० 27-ए

पश्चिमः सर्विस रूट

उत्तरः प्लॉट नं० 1

दक्षिण प्लॉट नं० 5

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 18-12-1978

मोहर :

प्रारूप आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 18 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/मई-17/3798/
78-79/4548—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सी-1/7 है, तथा जो राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची म
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-5-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, भिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजिन्द्र पाल चौपड़ा, सुपुत्र श्री राम लाल
चौपड़ा, निवासी डी-17, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

2. श्री एस० सुरजीत सिंह, सुपुत्र एस० धन्ना सिंह,
निवासी मकान नं० बी-9, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 450
वर्ग गज है और नं० 7, ब्लाक नं० सी-1 है, राजौरी गार्डन,
मैन रिंग रोड पर, बसाणदारापुर गांव, नई दिल्ली में निम्न
प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० सी-1/6

पश्चिम : प्लॉट नं० सी-1/10

उत्तर : सी-2/20-21-22

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 18-12-1978
मोहर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० अ० ई० 2/2545-2/अप्रैल 78—अतः मुझे एम० जी० बोरधरकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 69/6 (भाग) विलेपाले विलेज का सी० एम० नं० 35 एम० नं० 33, 33, 33, 32, 32, 32, एच० नं० 2 (अंश), 3, 100, 1, 8, 2 और सी० एम० नं० 31, 32, 27, 262, 361, 360 है तथा जो विलेपाले में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) ए० आर० शर्मा, (2) श्री एम० शाह, (3) सी० पी० चौकसी, (4) डि० सी० चौकसी, (5) हर्षदा सी० लखानी, (6) चंपकलाल एच० लखानी, (7) मिसेज रश्मी ठिहू देसाई, (8) मनसुख लाल एम० देसाई नव भारत बिल्डर्स के पार्टनर्स (अन्तरक)।

2. किरण बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड (अन्तरिती)

3. कलिका ऐन्क्लेव बिल्डिंग में स्थित मब व्यक्ति (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. (1) अब्दुल सत्तार हाजी उस्मान (2) अब्दुल गनी हाजी उस्मान (3) अब्दुल गफार हाजी उस्मान (4) श्रीमती हजराबाई हाजी उस्मान हाजी अब्दुल करीम (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सम्पत्ति से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बृहत् बम्बई में अंधेरी ताल्लुका में विलेपाले में मौजूद पड़े हुए कृषि भूमि उन तमाम टुकड़ों या भागों में इन विक्रेताओं का अविभाजित आधा हित इस भूमि का विवरण आगे लिखा है। प्लॉट नं० 69/6 (भाग) और विलेपाले गांव का मिटी सर्वे नं० 35 है।

सर्वे नं०	हिस्सा नं०	मिटी सव नं०
33	2 (भाग)	31
33	3	32
33	10	27
32	1	262
32	6	361
32	2	361

इसकी माप कुल मिलाकर 26,000 वर्ग गज है 21,736 वर्ग मीटर के बराबर या उसके आसपास है और भूमि के तमाम टुकड़े या भाग बम्बई नगर व बम्बई उपनगर के रजिस्ट्री उप-जिले व जिले में आते हैं।

एम० जी० बोरधरकर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रज-II, बम्बई

तारीख: 7 दिसम्बर, 1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-III

बम्बई, दिनांक 18 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० अ० ई० 3/ए० पी० 281/78-79—

अतः मुझे आर० एम० पंजवानी
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपये से अधिक है
 और जिसकी सं० एम० नं० 423 और हिस्सा नं० 10,
 11, 22, 23, 26 का हिस्सा और नया हिस्सा नं० 7
 (पार्ट) 8 (पार्ट) 21 (पार्ट) सिटी सर्वे नं० 645, 644
 है तथा जो कोलेकत्यान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
 अनुसूची में और पूर्व में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
 के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-6-1978
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सुरजी कुवरजी माला (अन्तरक)
2. बाकोला स्पोर्ट्स को०-हा० सोमायटी लि० (अन्तरिती)
3. 1. मि० शंकर नारायण शिराली
 2. मिस स्वरेप आर० सेन
 3. मि० पी० के० चन्द्रशेखर पिल्ले
 4. मि० एस० शिवराम क्रिशन

5. मिसेस इंदिरा के० नायर
6. मि० जी० बी० शंकर शिरूर
7. मिसेस एन० एच० रायकर
8. मि० के० एस० कुलकर्णी
9. मि० आर० के० बापट
10. मि० एस० पी० बुधौली
11. मिसेस एम० एफ० फतरफेकर
12. मि० एच० सी० फैनेजीम
13. मि० पी० के० गोपीनाथ
14. इंडिया इन्व्हेजलीकल मिशन
15. मि० केशव के० उपाध्ये
16. मि० एलबूमथायल ए० योहानन
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

4. श्री जी० बी० मथार्ड, फ्लैट नं० 2, दि बाकोला
 स्पोर्ट्स को०-हा० सोमायटी लि०, बंबई-55।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
 वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

जमीन या मंथान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो
 बम्बई नगर में बम्बई रजिस्ट्री जिले और उप जिले में,
 कोले कल्याण में पड़ा है। भाग में 1121/9 वर्ग गज यानि
 937, 89 वर्गमीटर या उसके लगभग है, उस पर खड़ी
 इमारत है, जिसका सर्वे नं० 423 का पुराना हिस्सा नं०
 10, 11, 22, 23 और 26 तथा नया हिस्सा नं० 7
 (भाग) 8 (भाग) और 21 (भाग) सिटी सर्वे नं० 644
 और 645 है, इसकी सीमा इस प्रकार है:— यानि दक्षिण
 में सिटी सर्वे नं० 716 (आंशिक) वाली जमीन और सिटी
 सर्वे नं० 727 (आंशिक), उत्तर में सिटी सर्वे नं० 643
 वाली जमीन, पूर्व में सिटी नं० 641 वाली जमीन और
 पश्चिम में सिटी सर्वे नं० 650 वाली जमीन है।

आर० एम० पंजवानी
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-III, बम्बई

तारीख: 18 दिसम्बर, 1978
 मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० आई० 2/2551-3/मई-78—अनः मुझे,
एस० जी० बोरधरकर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 50 एम० ए० नं० 109
है तथा जो पाली हिल, बांद्रा में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-5-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री चन्द्रकांत एम० खटाव, ललित कुमार खटाव,
किशोर डी० खटाव अथवा एम० खटाव (अन्तरक)
 2. शैलजा अपार्टमेंट को० आ० हा० सो० लिमिटेड
(अन्तरिती)
 3. मंगलन परिणित 'अ' के अनुसार (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में संपत्ति है)
 4. मैसर्स चांद नारायण (वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)
- यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मुक्त पट्टेदारी की खाली जमीन या मैदान का वह
तमाम टुकड़ा या भाग जो बम्बई नगर में बम्बई रजिस्ट्री
उप जिले में पाली हिल, बांद्रा में मौजूद पड़ा हुआ है माप
में 3250 (तीन हजार दो सौ पचास) वर्ग गज यानि
2718 (दो हजार सात सौ अठारह) वर्ग मीटर है और
जिसका एन० ए० नं० 109 डांडा बांद्रा डिवीजन का है
(50 पाली रोड के नाम से जाना जाता है) और इसकी
सीमा इस प्रकार है:—यानि पूर्व में पाली हिल रोड, पश्चिम
में कंडेस्ट्रल सर्वे नं० 1394, उत्तर में पाली हिल
बांद्रा, दक्षिण में 52 पाली हिल रोड, और यह तमाम
परिसर नगरपालिका दरों व करों के कलक्टर द्वारा वार्ड
नं०—स्ट्रीट नं०—के अधीन निर्धारित (असेम) होता है।

एम० जी० बोरधरकर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, बम्बई

तारीख: 7 दिसम्बर 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 दिसम्बर 1978

निदेश सं० 6667—यतः मुझे, टी० बी० जी०
कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 42 है, जो मौड रोड, मद्रास-2 में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नारत, मद्रास (डाकुमेंट
सं० 4178/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि मत्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर, अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

1. मेकी ट्रानिक्स प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरक)
2. हीरालाल कनसट्रक्शंस प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरिती)
3. (1) पालस रसडारंड
(2) खाष्मीर घवरनमेंड आरटस एम्पोरियम
(3) हैण्डिक्राफ्ट्स एम्पोरियम (4) सिनी एजेन्सी
(5) मेकी ट्रानिक्स प्राइवेट लिमिटेड
(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों, पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सं० 42, मौड रोड, मद्रास-2 (डाकुमेंट सं० 4178/78)

टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 1-12-1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 4659—यतः, मुझे, टी० वी० जी०

कृष्णमूर्ति

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 831/1 बी 2 ए 1 ए 1 ए, 832/2, और 47-8/16 और 833/1 है, जो ऊटकमेंड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऊट्टी (डोकुमेंट सं० 497/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिम्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्रीमती बूरघा डाधरा (अन्तरक)
2. श्रीमती रुखियममाल और अदरस (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—एस० सं० 831/1 बी 2 ए 1 ए 1 ए, 832/2 और 47-8/16 और 833/1 ऊटकमेंड डोकुमेंट सं० 497/78)।

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 2-12-1978

मोहर :

प्रकरण धार्मिक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

निदेश सं० 8147—अतः, मुझे, टी० बी० जी०
कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 190/1 है, जो ऊटकमेंड में
स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कूनूर
(डाकूमेंट सं० 601/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः प्रथम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख को उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. सर्वश्री एच० एन० सिद्दिया और अदरस (अन्तरक)
2. श्री जे० बी० चंरसेकर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण एस० सं० 199/1, ऊटकमेंड (डाकू-
मेंट सं० 601/78)।

टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 2-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

निदेश सं० 6220—यतः, मुझे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार-
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 121/सी०, है, जो सेनतोम है रोड़ में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर,
मद्रास (डाकूमेंट सं० 396/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री पी० पलनिसवामि और श्रीमती पी० विट्टा
बाय (अन्तरक)

2. सर्वश्री ईनटरनेशनल पेयरस और मूवरस (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के माध्यम 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

भूमि और घर 121/सी०, सेनतोम है रोड़, मद्रास
(डाकूमेंट सं० 396/78)।

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 2-12-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

निदेश सं० 6184—यतः, मुझे, टी० बी० जी०
कृष्णमूर्ति,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० 24 ए है, जो धिरी रोड, मद्रास-17
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी०
नगर, मद्रास (डाकूमेंट सं० 356/78) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—1. सर्वश्री आर० कृष्णराजू और बी० राधाकृष्णन
(अन्तरक)

2. श्री आर० जयबालन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और घर रफा, धिरी रोड, मद्रास-17।
(डाकूमेंट सं० 356/78)।टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रासतारीख: 2-12-1978
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 8194—यतः, मुझे, टी० बी० जी०
कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें हमके
पश्चात् 'उभय अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 47 है, जो पेरुमल सन्नीदी नाथपट्टिन्नम
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाथ-
पट्टिन्नम (डाकुमेंट सं० 380/78) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय, आयकर अधिनियम, 1922
(1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. सर्वश्री कुतलनधी घोषालकृष्णन चेट्टियार सनम
(अन्तरक)
2. श्रीमती एस० ज्योतियम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर— 14 और 14ए; बिक बाजार स्ट्रीड,
नाथपट्टिन्नम (डाकुमेंट सं० 380/78)।

टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 2-12-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 दिसम्बर, 1978

निर्देश सं० 4660—यतः, मुझे, टी० वी० जी०

कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 441 और 442 है, जो ऊटकमेंट में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उट्टी (ठाकुमेंट सं०
525/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख—

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया गया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
9—406GI/78

1. सर्वश्री रिचर्ड रोलंड ग्रंथसा और मा० खलारिस
ग्रंथसा (अन्तरक)

2. (1) सर्वश्री रटनम बोयनरघेस, (2) रासतर
बोयनरघेस, (3) बोयनरघेस जयसीलन सामूवेल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निरमान—441 और 442 ऊटकमेंट (ठाकु-
मेंट सं० 525/78)।

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 13-12-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 जुलाई 1978

निर्देश सं० पी० आर० 595/ए० सी० क्यू० 23-1077/6-2/78-79—अतः मुझे, एस० सी० परीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 13-सी०, कुंज को० आ० हाउसिंग सोसायटी, कुल माप 3371.6 वर्ग फुट अल्कापुरी, बड़ोदा में स्थित है, (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ोदा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने का अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हरीभाई परागजीभाई देसाई राम महल, चौथा मंजला, चर्च गेट, बम्बई-1 (अन्तरक)

(2) श्री नीलनीबेन अरुन कुमार शाह दयाल, 13-सी०, कुंज को० आ० हाउसिंग सोसायटी, बड़ोदा (अन्तरिती)

को यत्र सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अवल सम्पत्ति जो जमीन ब मकान है जिसका नं० 13-सी कुंज को० आ० हाउसिंग सोसायटी, अल्कापुरी, बड़ोदा में स्थित है जिसका कुल माप 3371.6 वर्ग फुट है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ोदा के अप्रैल 1978 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1001 में प्रदर्शित है।

एस० सी० परीख,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 28-7-1978

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 जुलाई 1978

निर्देश सं० पी० आर० 596/ए० सी० ब्यू०-23-1078/6-2/78-79—अतः मुझे, एम० सी० परीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 13-बी०, कुंज को० आ० हा० सोसायटी, कुल माप 2408.2 वर्ग फुट है तथा जो अल्कापुरी, बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरीभाई परागजीभाई देसाई, राम महल, चौथा गजवा, चवंगेट, बम्बई-1। (अन्तरक)

(2) श्री मनीशचन्द्र गिरजा शंकर जांणी, डी०-6, पेड़ो केमीकल टाउन्शिप, ता० बड़ोदा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति जो जमीन व सकान नं० 13-बी०, कुंज को० आ० हाउसींग सोसायटी अल्कापुरी, बड़ोदा में स्थित है जिसका कुल माप 2408.2 वर्ग फुट है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ोदा के अप्रैल, 1978 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1002 में प्रदर्शित है।

एम० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद।

तारीख : 28-7-1978

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 जुलाई 1978

निर्देश सं० पी० आर० 597/ए० सी० क्यू० 23-1079/6-2/78-79—अतः मुझे एम० सी० परीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 13-ए०, कुंज को० आ० हाउसींग सोसायटी, कुल माप 3853.2 वर्ग फुट है तथा जो अल्कापुरी, बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपाय्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरीभाई परागजीभाई देसाई राम महल, चौथा मंजला, चर्च गेट, बम्बई-1 (अन्तरक)

(2) श्री जूगतगम विजयशंकर जोशी, डी०-32, पेट्रो-केमीकल टाउनशिप, ता० बड़ोदा (अन्तर्गति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति जो जमीन व मकान है जिसका कुल माप 3853.2 वर्ग फुट है जो नं० 13-ए०, कुंज को० आ० हा० सोसायटी अल्कापुरी, बड़ोदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बड़ोदा के अप्रैल, 1978 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1003 में प्रदर्शित है।

एम० सी० परीख,
सक्षम प्राधिकारी,
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 28-7-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 अक्तूबर 1978

निर्देश सं० ए० सी० न्यू० 23-2-1674 (729)/1-1/
77-78—अतः मुझे, एस० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिनकी सं० सर्व नं० 295 पैकी 2 बी० है तथा जो
छोड़ासर, मिटी तालुका, अहमदाबाद में स्थित हैं (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
3-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
घायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री नखरलाल गोरहनवाम मोदी,
(2) श्री नारायण नटवरलाल,
(3) श्री सुरेन्द्र नटवरलाल मोदी,
(4) श्री नीलेश नटवरलाल मोदी, रसीक चौक,
ठाल की पोल आस्टोडीया, अहमदाबाद (अन्तरक)
- श्री शीवशक्ती को० ग्रो० हा० मो० लीमी,
चेयरमेन श्री अमृतभाई रणहोडभाई पटेल अजीजन
सोसायटी, मणीनगर, अहमदाबाद।
सेक्रेटरी : श्री शंकरभाई छुल्लाभाई पटेल, भैरवनाथ
रोड, मणीनगर, अहमदाबाद-8।
मेनेजींग कमीटी मेम्बर : श्री नारणभाई गंगाराम
पटेल, 10, प्रीतीकुंज सोसायटी, मणीनगर,
अहमदाबाद—के मारफत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20—क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लोट जिनका क्षेत्रफल 3388 वर्ग गज
है तथा जिसका नं० 295 पैकी 2-बी० है और जो छोड़ासर,
मीटी तालुका, अहमदाबाद में स्थित है और जिनका पूर्ण
विवरण ता० 3-4-1978 वाले बिन्नी दस्तावेज नं० 3540
में दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 4-10-1978
मोहर :

प्रकृष घाई० पी० एम० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

नं० 755/1-1/77-78

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1765 (738)/1-1/77-78—अतः मुझे, एम० सी० परीखा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फायनल प्लॉट नं० 755, सब-प्लॉट नं० 8, टी० पी० एम०-3 है तथा जो छाडवाड, आंबापाड़ी के पास, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाखंड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उधमे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री चंद्रकान्त रतिलास शाह,
- (2) श्रीमती कुमुदबेन चंद्रकान्त शाह, अ०/5, जनशान्ती फ्लैट, प्रियमनगर, अहमदाबाद। (अन्तरक)
- (2) श्री जणभाई परमोत्तमदाम पटेल, रामानंद फ्लैटम्, कांठरीया, बालवाटिका के पास, अहमदाबाद। (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अध्याहस्तादारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका नंबर टी० पी० एम०-3 का फायनल प्लॉट नं० 755 सब प्लॉट नं० 8 है जो छाडवाड आंबापाड़ी के पास अहमदाबाद में स्थित है और जिसका क्षेत्रफल 426 वर्ग गज है तथा जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अहमदाबाद द्वारा रजिस्ट्री किये गये बिक्री दस्तावेज नं० 4141 अप्रैल, 1978 में दिया गया है।

एम० सी० परीखा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अहमदाबाद।

तारीख: 21-10-1978
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस —————

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० ए० सी० न्यू० 23-I-1775 (739)/
16-6/77-78—अतः मुझे, एम० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिनकी सं० खुली जमीन जिनका क्षेत्रफल 164.40
वर्ग मीटर है तथा जो डेमर रोड, पावर हाउस के सामने
राजकोट में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन अप्रैल, 1978
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या
- (ख) ऐसी किमी आय या किमी घन या अन्य आयों की,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री भाणजी भोजाभाई,
- (2) श्री लालजी भाणजी,
- (3) श्री नागजी भोजाभाई तथा
- (4) गंगाबेन प्रेमजी 2, लक्ष्मीबाड़ी, राजकोट।
(अन्तरक)

- (1) श्री कनैयालाल लक्ष्मीदाम,
- (2) श्री गोवींदजी करमनदाम,
- (3) श्रीमती राधाबेन गोविंदजी,
- (4) श्रीमती भानुमती कनैयालाल, मारकत—गंजल
वाजार, डेमरचोक, राजकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
वार्पशाधियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अघोषितक्षेत्र के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिनका क्षेत्रफल 164.40 वर्ग मीटर है
जो डेमर रोड, पावर हाउस के सामने, राजकोट में स्थित है
तथा जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा रजिस्ट्री किया
गया है तथा बिक्री दस्तावेज नं० 593 ता० 15-2-1978
है, जो अप्रैल, 1978 के पहले पखवाड़े में नं० 953/78
से प्राप्त हुआ है तथा उस बिक्री दस्तावेज में पूर्ण वर्णन दिया
गया है।

एस० सी० परीख,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अहमदाबाद।

तारीख : 21-10-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1679 (743)/1-1
77-78—प्रतः मुझे, एस० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्व नं० 151 दरीयापुर कासीपुर की,
फायनल प्लॉट नं० 1/पी०, एस० पी० 3 बी०, टी० पी०
एस० 8 है तथा जो शाहीबाग, केम्परोड, अहमदाबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पुष्पाबेन एन० कडीपार डकनाला, शाही-
बाग, अहमदाबाद-4 (अन्तरक)

(1) श्रीमती देवकीशानी रामपरसोत्तमभाई,

(2) श्री वीलोकचंद गोविंदराम, 7, नविन न्यू० सीबील
रोड, शाहीबाग, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लॉट जिसका नं० सर्वे नं० 151,
फायनल प्लॉट 1/पी०, सब प्लॉट नं० 3-बी०, टी० पी०
एस० 8 के तथा जो डकनाला, शाहीबाग, अहमदाबाद में
स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अहमदाबाद द्वारा अप्रैल-1978 में रजिस्ट्री किये किये विन्नी
दस्तावेज नं० 3360/78 में दिया गया है।

एस० सी० परीख,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद।

तारीख : 21-10-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1702 (745)/11-2/77-78—अतः मुझे, एस० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्र० मंगाराम 'चेम्बर्स' से पश्चात मकान, ई० पी० 135 है तथा जो बेशकल जूनागढ़ रोड, केशोद जिला जूनागढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, केशोद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती- (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
10-406GI/78

- (1) श्री सीधी शंकरदास मंगाराम,
- (2) श्रीमती हेमीबेन मंगाराम, मांगरोल रोड, केशोद, जिला जूनागढ़। (अन्तरक)
- (1) श्री मनहरलाल सोनी,
- (2) श्री हंसमुखलाल सोनी,
- (3) श्री विनावराय एरुमुखलाल सोनी, जूना प्लाट, स्वामी मंदीर के पास केशोद श्री सोनी रमणीकलाल जमनादास पावर ओफ अर्टोनी होल्डर के मारफत केशोद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'मंगाराम 'चेम्बर्स' नामक मकान जो बेशकल-जूनागढ़ रोड, (ई० पी० 135) केशोद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी केशोद द्वारा ता० 19-4-1978 को रजिस्ट्री किये गये बिक्री दस्तावेज नं० 409 में दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 24-10-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1688 (747)/1-1/77-78—अतः मुझे, एस० सी० परीख,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सब नं० 903 है तथा जो गाँव, वरवा, जिला अहमदाबाद, ता० दशक्रोई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-4-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिसियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी अंश या अन्य प्राप्ति, जो जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धनपत्रों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब अधीन की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों धर्मात् :—

- (1) श्री जोरावरखान पीरखान तथा अन्य भरोलान बाबा, वरवा, ता० दशक्रोई, जि० अहमदाबाद।
(अन्तरक)
- (2) श्री असुदेवनगर को० ओ० रा० सो० लि० चेरमेन श्री अनीलकुमार शीवलाल पटेल, अहमदाबाद के मारफत।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 10285 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 903 जो गाँव वरवा, तालुक दशक्रोई, जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अहमदाबाद द्वारा ता० 27-4-1978 को रजिस्ट्री किये गये बिक्री वस्तावेज नं० 4460 में दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 26-10-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 अक्तूबर, 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1668 (748)/1-1/
77-78—प्रतः मुझे, एम० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 71-1, का प्लॉट नं० 763
सब प्लॉट सं० 4-4 टी० पी० एम० 3 है तथा जो मादलपुर
याने छाड़वाड़, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 10-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
(अन्तरिती) अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

- (1) डा० रमणलाल रणछोडलाल त्रिवेदी,
- (2) मावित्रीबेन प्राणलाल त्रिवेदी,
- (3) श्री मृदुलाबेन प्राणलाल त्रिवेदी, मोतीनगर
सोसायटी, पालडी, अहमदाबाद। (अन्तरक)
- (2) श्री पी० के० त्रिवेदी, मंगल जिवन को०
ग्रो० हा० सो० लि० के सेक्रेटरी महालक्ष्मी
सोसायटी, श्रीमाली ब्राह्मण छावालय, अहमदाबाद-
7। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका नं० सर्वे नं० 71-1, कायनल
प्लॉट 763। सब प्लॉट नं० 4-4 टी० पी० एस०-3 तथा
जिसका क्षेत्रफल 800 वर्ग गज है, जो मादलपुर याने छाड़वाड़
में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अहमदाबाद द्वारा ता० 10-4-1978 को रजिस्ट्रीकृत बिक्री
दस्तावेज नं० 3726 में दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 26-10-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 अक्तूबर 1978

निर्देश सं० ए सी क्यू० 23-I-1682 (749)/1-1/77-78—अतः मुझे एस० सी० परीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फायनल प्लॉट 80 पैकी प्रायवेट सब प्लॉट नं० 'बी' एक० एल० नं० 80 बी० टी० पी० एम०-3 है तथा जो वरीयापुर कासीपुर सेक्शन, म्युनि० स्लम क्वार्टर्स पंपिंग स्टेशन अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-4-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमने करने में सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः

निर्देश

(अन्तरितियों)

आयकर अधिनियम, 1961

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री स्वामी रामदासजी गुरु हरीदासजी, मेहडीकुवा सर्वानंदजी जग्या, स्लम क्वार्टर्स के पास, अहमदाबाद। (अन्तरक)

(1) श्री रमणलाल लक्ष्मणजी चौहाण,

(2) श्री बाबुलाल लक्ष्मणजी चौहाण,

(3) श्री चंदुलाल लक्ष्मणजी चौहाण,

(4) श्री समीर नटवरलाल लक्ष्मणजी चौहाण, के बाली खताजी चौहाण, शाहपुर दरवाजा बाहर, किरण नगर के पास, कासीमिंग लेन्ड, लुहारकी चाली, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो कि 668 वर्ग मीटर वाली क्षेत्रफल वाली जमीन पर स्थापित है तथा जो वरीयापुर-कासीपुर टी० पी० एम०-3 में म्युनिसीपल स्लम क्वार्टर्स के पास, पंपिंग स्टेशन अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अहमदाबाद द्वारा ता० 19-4-1978 को रजिस्ट्रीकृत विश्वी दस्तावेज नं० 4261 में दिया गया है।

एस० सी० परीख,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 26-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————
 आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद
 अहमदाबाद, दिनांक 26 अक्तूबर 1978

निर्देश सं० ए. सी. यू० 23-I-1675(750)/1-1/
 77-78—अतः मुझे, एम० सी० परीख,
 आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपये से अधिक है
 और जिसकी सं० एम० नं० 40 से 43, 169, 172
 पैकी सब प्लॉट नं० 88, 89 तथा 90 है तथा जो थोडासर,
 जिला अहमदाबाद, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे
 उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
 कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल
 1978 में
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री अमूलख राय भानुराय देसाई के पावर ऑफ
 एटोर्नी होल्डर श्री शरदचन्द अमूलख राय देसाई
 शांती निवास सोसायटी गोधरा, जिला पंज महाल
 (अन्तरक)

(1) श्री रम्यजिवन को० ओ० हा० सो० लि०,
 सेक्रेटरी श्री कृष्णकान्त सोमेश्वर व्यास, 4,
 मंगलपार्क सोमायटीज गीता मन्दिर रोड, अहमदाबाद
 के भारकत।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 2972 वर्ग गज तथा
 जिसका सर्वे नं० 40 से 43, 169, 172 पैकी सब प्लॉट
 नं० 88, 89 तथा 90 जो थोडासर जिला अहमदाबाद
 में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
 अहमदाबाद द्वारा अप्रैल, 1978 में रजिस्ट्री किये गये बिक्री
 दस्तावेज नं० 3565 में दिया गया है।

एम० सी० परीख,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 26-10-1978

मोहर:

प्ररूप आई० सी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० ए सी क्यू० 23-I-1706 (752)/11-4/
77-78—अतः मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मिटी सर्वे वार्ड नं० 3 (दो मंजला मकान)
है तथा जो भोगेश्वर प्लाट, डी० एस० पी० आफिस के
सामने पोरबंदर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
(1908 का 16) के अधीन 29-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बाद ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रभावती प्रेमजी पारेख, रीजोमल मेन्शन,
पेडार रोड, बम्बई। (अन्तरक)

(1) श्री जटाशंकर मूल्जी टाकी,

(2) श्री भिजाशंकर मूल्जी टाकी,

कमला नहेरू बाग के सामने, पोरबन्दर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन का अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दो मंजला मकान जो मिटी सर्वे वार्ड नं० 3 भोगेश्वर
प्लाट डी० एस० पी० आफिस के सामने पोरबन्दर में स्थित
है जमीन का कुल माप 731-2-1 वर्ग गज है जैसा कि
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पोरबन्दर द्वारा 29-4-1978 को
दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1917 में प्रदर्शित
है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख : 6-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजमेर रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1978

निर्देश सं० पी० आर० नं० 632 ए० सी० ब्यू० 23-1142/19-7/78-79—अतः मुझे, एस० सी० परीख
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० वार्ड नं० 9, नोंध नं० 409 है तथा जो
स्टोर शेरी, बाड़ी कलीया सूरत में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता,
अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 4-4-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री रामचंद्र छोटुभाई महेता,
(2) श्री देववत्त रामचंद्र महेता,
(3) श्री उमेश रामचंद्र, बम्बई। (अन्तरक)
2. (1) श्री काशीराम भाणाभाई,
(2) श्री जमनादास भाणाभाई,
(3) धनमुखलाल भाणाभाई, बाड़ी फली, चाकावालप्पी
शेरी, सूरत। (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन तथा मकान जिसका नं० वार्ड नं० 9, नोंध नं०
409 है, जो बाड़ी फली, स्टोर शेरी सूरत में स्थित है और
जिसका क्षेत्रफल 175.58-53 वर्ग मीटर—1/3 हिस्सा
जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा रजिस्ट्री किये
गये बिक्री दस्तावेज नं० 1992, अप्रैल—1798 में दिया
गया है।

एस० सी० परीख,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अजमेर रेंज, अहमदाबाद।

तारीख: 9-11-1978
मोहर:

प्ररूप धार्डि० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1978

निर्देश सं० पी० आर० नं० 633 ए० सी० ब्यू० 23-9-1142/19-7/78-79—अतः मुझे, एस० सी० परीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बार्ड नं० 9, नोथ नं० 409 पैकी 1/3 हिस्सा है तथा जो वाड़ी फलीया, स्टोर शेरी, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-4-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) किसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किष्ठा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना—

1. (1) श्री लक्ष्मणभाई छोटुभाई महेता,
(2) श्री दीपाकर लक्ष्मणभाई महेता,
(3) श्री ब्रजेश लक्ष्मणभाई महेता,
(4) श्री विश्वंस लक्ष्मणभाई महेता, वाड़ी फलीया, स्टोर शेरी, सूरत। (अन्तरक)
2. (1) श्री काशीराम भाणाभाई,
(2) श्री जमनादास भाणाभाई,
(3) श्री धनमुखलाल भाणाभाई, वाड़ी फलीया, चका-वाला की शेरी सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन तथा मकान जिसका बार्ड नं० 9 नोथ नं० 409 है जो 175-58-53 वर्ग मीटर, पैकी 1/3 हिस्सा क्षेत्रफल वाला तथा स्टोर शेरी वाड़ी फलीया सूरत में स्थित है और जिसका पूर्ण वर्णन अप्रैल 1978 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा रजिस्ट्री किये गये बित्री दस्तावेज नं० 1993 में दिया गया है।

एस० सी० परीख,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अहमदाबाद।

तारीख :- 11-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1978

निर्देश सं० पी० आर० नं० 634 ए० सी० क्यू०-23-1142/19-7/78-79—अतः मुझे, एस० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 9, नोंध नं० 409 पैकी 1/3 हिस्सा है तथा जो स्टोर शेरी वाड़ी फलीया सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

11—406GI/78

1. (1) श्री मधुमुदन छोटुभाई महेता, वाड़ी फलीया, स्टोर शेरी, सूरत। (अन्तरक)

2. (1) श्री काशीराम भाणाभाई,

(2) श्री जमनादास भाणाभाई,

(3) श्री धनमुखलाल भाणाभाई, वाड़ी फलीया, चाक-वाला की शेरी, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन तथा मकान जिसका वार्ड नं० 9, नोंध नं० 409 है और वाड़ी फलीया, स्टोर शेरी सूरत में स्थित है और जिसका क्षेत्रफल 175-58-53 वर्ग मीटर पैकी हिस्सा 1/3 है। उसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा अप्रैल 1978 में रजिस्ट्री किये गये बिक्री दस्तावेज नं० 1994 में दिया गया है।

एस० सी० परीख,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अहमदाबाद।

तारीख : 9-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1978

निर्देश सं० पी० आर० नं० 635 ए सी ब्यू० 23-2-1143/19-7/78-79—अतः मुझे एम० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० बी०/आई० एन० डी०/178 न्यू एक्स्टेंशन में है तथा जो उधना, जिला सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) जनरल मैनेजर उधना उद्योगनगर महकामी संघ लिमिटेड, पोस्ट बाक्स नं० 24, उद्योग नगर, उधना, जिला सुरत। (अन्तरक)

(1) मेसर्स प्रकाश बेकरी, पार्टनर श्री कान्तालाल ठाकोरदाम तानपुरा मारकेट के पास सुरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

शरटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उधना, जिला सुरत में स्थान जमीन जिनका नं० बी०/आई० एन० डी०/178 नये एक्स्टेंशन में है और जिनका क्षेत्रफल 1181 वर्ग गज है तथा जिनका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी सुरत द्वारा अप्रैल 1978 में रजिस्ट्री किये गये बिक्री दस्तावेज नं० 2345 में दिया गया है।

एम० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

दिनांक : 9-11-1978
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० पी० आर० नं० 636 ए सी क्यू० 23-1144/19-7/77-78—अतः मुझे एम० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बॉर्ड नं० 7, नोंध नं० 3955 ए० है तथा जो रुधनाथपुरा सतीमातानी शेरी, सूरत में स्थित हैं) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रातिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रातिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रातिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भीखाभाई पुरुषोत्तमदास स्वयं तथा अपने ए० यू० एफ० के मैनेजर श्री तथा शमीर श्री राजेन्द्र तथा नितीन के गाडीयन की हैसियत से सैयदपुरा, बीरडीशेरी, सूरत।

- (2) श्रीमती लक्ष्मीबेन भीखाभाई सैयदपुरा, सूरत।
- (3) श्री लल्लुभाई पुरुषोत्तमदास स्वयं, अपने एच० यू० एफ० के मैनेजर की तथा समीर लड़के भंगुभाई के बान्नी के हैसियत से
- (4) श्रीमती शांताबेन लल्लुभाई,
- (5) श्री बाबुभाई पुरुषोत्तमदास स्वयं तथा अपने एच० यू० एफ० के मैनेजर की हैसियत से।
- (6) श्रीमती शमीलाबेन बाबुभाई,
- (7) श्री गणपत भाई पुरुषोत्तमदास स्वयं तथा अपने एच० यू० एफ० के कर्ता की हैसियत से।
- (8) श्रीमती मंजुलाबेन गणपत,
- (9) फंकुबेन, पुरुषोत्तमदास प्रभुभाई पटेल को विधवा 3 से 9 रामपुरा खारावासा, ता० चौर्यासी, जिला सूरत। (अन्तरक)

(1) श्रीमती लाभुबेन धरमशीभाई, रुधनाथपुरा, सती-मातानी शेरी, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन तथा मकान जिसका बार्ड नं० 7, नोंध नं० 3955 ए० है जो रुधनाथपुरा सतीमातानी शेरी सूरत में स्थित है तथा जिसका क्षेत्रफल 104-14-46 वर्ग मीटर है जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा अप्रैल 1978 में रजिस्ट्री किये गये बिक्री दस्तावेज नं० 1916 में दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1978
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एसीक्यू० 23-I-1667(756)/

1-1/77-78—अतः, मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सं० 44/2 अथवा 44-बी० तथा सं० नं० 51/3, फार्म हाउस के साथ है तथा जो गांव हांसोल, जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-4-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण स हुई किमां आय का वाबन उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृबिधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री फिरोज फरामरोज केकीबाव 'भारत निवास' उदयान मार्ग, लॉ कोलेज गार्डन के सामने, एलीस-ब्रिज, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री बाईशॉप चार्ल्स गोम्स, अहमदाबाद के डायोसीस के ट्रस्ट की ओर से, "बाईशॉप हाऊस" मीरजापुर रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती विषयक जमीन का वह समस्त भाग जिसका क्षेत्रफल 35304 वर्ग मीटर है, जिसका सर्वे नं० 44/2 अथवा 44/बी० तथा 51/3 जो गांव हांसोल, ता० सीटी, रजिस्ट्रेशन जिला तथा सब-जिला अहमदाबाद में फार्म हाउस, पंप रूम तथा फार्म मजदूरों के लिए रूम के ब्लाक्स के साथ, स्थित है और जिसका वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अहमदाबाद द्वारा रजिस्ट्री किये गये ता० 10-4-1978 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 3862 में दिया गया है।

एस० सी० परीख

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 27-11-78

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1978

निर्देश सं० पी० आर० 641/एसीक्यू०-23-1106/

19-8/78-79—अतः, मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 1 नोंध नं० 3381/बी० और 3386 है तथा जो जूनी कोर्ट, गोपीपुरा, सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

(1) श्री नवीन चन्द्र नवल चन्द जवेरी स्वयं तथा रतन चन्द नवलचन्द जवेरी के कुल मुस्तार की हेमियत में, 11-ए०, द्वितीय अग्रथारी लेन, बुलियन एक्सचेन्ज बिल्डिंग के पीछे, बम्बई-2.

(अन्तरक)

(2) श्री अनंत दर्शन एपार्टमेंट्स को० आ० हाउसींग सोसायटी लि०, गोपीपुरा, बावासीडी, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो वार्ड नं० 1 नोंध नं० 3381-बी० और 3386 जूनी कोर्ट, गोपीपुरा, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 47-73 वर्ग मीटर और 158-03 वर्ग मीटर है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा अप्रैल, 1978 में दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2284 में प्रवर्णित है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 28-1-1978

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा, मई, 1979

नई दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1979

सं० फा० 7/4/78 प० 1/(ख)—राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थल सेना, नौ सेना तथा वायु सेना स्कंधों में प्रवेश हेतु जनवरी, 1980 से प्रारंभ होने वाले 63वें मंत्र के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 22 मई, 1979 से एक परीक्षा आयोजित की जाएगी।

इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या 300 होगी।

आयोग द्वारा आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिए आयोजित बौद्धिक और व्यक्तिस्व परीक्षण के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। (क) परीक्षा की प्रणाली स्तर और पाठ्यचर्या (ख) अकादमी में प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमता स्तर तथा (ग) भारतीय सेना अकादमी नौ सेना अकादमी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों की सेवा आदि की संक्षिप्त सूचना के सम्बन्ध में क्रमशः परिशिष्ट I, II और III में विस्तार से समझाया गया है।

नोट:—परीक्षा के सभी विषयों के प्रश्न पत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न ही होंगे। नमूने के प्रश्नों सहित अन्य विवरण के लिए कृपया परिशिष्ट V में उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका देख लें।

2. परीक्षा के केन्द्र: अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोम्रा) पटियाला, पटना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर और त्रिवेंद्रम।

3. पात्रता की शर्तें:

(क) राष्ट्रिकता:

उम्मीदवार या तो

- (i) भारत का नागरिक हो; या
- (ii) भूटान की प्रजा हो; या
- (iii) नेपाल की प्रजा हो; या
- (iv) भारत में स्थाई रूप से रहने के इरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती शरणार्थी हो; या
- (v) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कीनिया, उगांडा तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य या जाम्बिया, मलावी जेरे तथा इथियोपिया और वियतनाम से प्रजनन कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (iii), (iv) और (v) के अन्तर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता प्रमाणपत्र प्रदान किया हो।

पर नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिए यह पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक नहीं होगा।

जिस उम्मीदवार के लिए यह पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक होगा, उसको इस शर्त पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है और अकादमी या शाला में भी, जैसी भी स्थिति हो, प्रवेश दिया जा सकता है कि बाद में भारत सरकार से वह उक्त प्रमाण पत्र प्राप्त करे।

(ख) आयु सीमाएं, ली या पुरुष और वैवाहिक स्थिति:—केवल वे ही अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात्र हैं जिनका जन्म 2 जुलाई, 1961 से पूर्व तथा 1 जनवरी, 1964 के बाद न हुआ हो।

नोट:—जन्म की तारीख केवल वही मान्य होगी जो मैट्रिकुलेशन/हायर सैकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा प्रमाण-पत्र में लिखी गई हो।

(ग) शैक्षिक योग्यताएं: राज्य शिक्षा बोर्ड या मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की हायर सैकेण्डरी परीक्षा या समकक्ष। वे उम्मीदवार भी पात्र हैं जिन्होंने स्कूली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के अन्तर्गत 11वीं कक्षा की परीक्षा पास कर ली है।

ऐसे उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं जिन्होंने अभी हायर सैकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा या स्कूली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के अंतर्गत 11वीं परीक्षा पास करनी है।

उम्मीदवारों को 15 दिसम्बर, 1979 तक हायर सैकेण्डरी परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा के मूल प्रमाण-पत्र आयोग को भेज देने चाहिए। ऐसा न करने पर उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी। ऐसे मामलों में वहां बोर्ड/विश्वविद्यालय के द्वारा प्रमाण पत्र नहीं दिये जाते, शिक्षा संस्थाओं के प्रधानाचार्य के द्वारा दिए गये मूल प्रमाणपत्र भी आयोग को स्वीकार्य होंगे। ऐसे प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित सत्य प्रतिलिपियां स्वीकार नहीं की जाएंगी।

अपवाद की परिस्थितियों में आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी से युक्त न होने पर, भी शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है बशर्ते कि उसके पास ऐसी योग्यताएं हों जिनका स्तर, आयोग के विचार से उसे इस परीक्षा में प्रवेश देना उचित ठहराता हो।

नोट:—वे उम्मीदवार, जिन्हें हायर सैकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में अभी अर्हता प्राप्त करनी है और जिनको संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी है, नोट कर लें कि उनको दी गई यह विशेष छूट है। उन्हें हायर सैकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है और बोर्ड विश्वविद्यालय परीक्षा के देर से आयोजित किए जाने, परिणाम की घोषणा में विलम्ब या

अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे बढ़ाने में संबद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नोट 2:—जो उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कमीशन से अपवर्जित है, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे। अगर प्रवेश दे दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रद्द की जाएगी।

4. आवेदन के साथ देय शुल्क :—रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के लिए रु० 7.00) जिन आवेदन पत्रों के साथ यह निर्धारित शुल्क नहीं भेजा जाएगा, उनको एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा।

5. शुल्क से छूट :—(1) आयोग, यदि चाहे तो निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता जब उनको इस बात का आश्वासन हो कि आवेदक भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच की अवधि में भारत में प्रव्रजन कर आया है या वह बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है, जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन कर आया है या वह श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्तूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत में आया है या आने वाला है और निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

(2) थल सेना के जूनियर कमीशण्ड अफसरों, नान-कमीशण्ड अफसरों तथा अन्य रैंकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायु सेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों और थल सेना के भूतपूर्व जूनियर कमीशण्ड अफसरों, भूतपूर्व नान कमीशन अफसरों तथा भूतपूर्व अन्य रैंकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायुसेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों की उस स्थिति में निर्धारित शुल्क देने की जरूरत नहीं होगी जब वे निम्नलिखित शर्तें पूरी कर देते हैं; अर्थात्:—

- (i) वे मिलिट्री स्कूलों (पहले किंग जार्ज के स्कूलों के नाम से ज्ञात) सैनिक स्कूल सोसाइटी द्वारा चलाए जा रहे सैनिक स्कूलों में शिक्षा पा रहे हैं, और
- (ii) उनके आवेदन सम्बद्ध स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा इस अनुसंधान के साथ अत्रेपित कर दिए जाते हैं कि उनके लिखित प्रश्न पत्रों में कुल अंकों के कम से कम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करने की आशा है।

6. आवेदन कैसे किया जाए :—केवल राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा मई, 1979 के लिए निर्धारित प्रपत्र में छपे हुए आवेदन पत्र ही लिए जाएंगे जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ लगे हुए हैं। आवेदन-पत्र भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को

भेजे जाने चाहिए। आवेदन प्रपत्र और परीक्षा के पू विवरण निम्न स्थानों से प्राप्त किए जा सकते हैं :—

- (i) संघ लोक सेवा आयोग के सचिव को दो रुपए मनीआर्डर या नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेज कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली 110011 के यहां से डाक द्वारा;
- (ii) दो रुपए नकद देकर आयोग के कार्यालय के काउण्टर पर;
- (iii) निकटतम भर्ती कार्यालय, मिलिटरी एरिया/सब एरिया मुख्यालय, वायु सैनिक चयन केन्द्रों एन० सी० सी० एकक तथा नौसेना प्रतिष्ठानों के यहां से निःशुल्क।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, जिनमें सशस्त्र सेना में सेवारत कर्मचारी भी शामिल हैं या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उपक्रमों या इसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी संस्थानों में नियुक्त हों, आयोग को सीधे आवेदन-पत्र भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचे तो उस आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में, जिसमें सशस्त्र सेना भी शामिल है, स्थायी या अस्थायी हैमियत से काम कर रहे हों या किसी काम के लिए विनिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हों जिसमें आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं है, उनको इस परीक्षा में अंतिम रूप में प्रवेश पाने वाले के पहले अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष या कमांडिंग अफसर की अनुमति प्राप्त करनी चाहिए। उनको चाहिए कि वे अपने आवेदन पत्र को उसके अन्त में संलग्न प्रमाण पत्र की दो प्रतियां निकाल कर, आयोग में सीधे भेज दें और प्रमाण पत्र की उन प्रतियों को तत्काल अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष या कमांडिंग अफसर को इस अनुरोध के साथ प्रस्तुत करें कि उक्त प्रमाण-पत्र की एक प्रति विधिवत भर कर, सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली को जल्दी से जल्दी और किसी भी हालत में प्रमाण-पत्र को फार्म में निविष्ट तारीख से पहले भेज दी जाए।

नोट :—भारतीय नौसेना के नाविक (बाल तथा कारीगर प्रशिक्षु सहित) पहली तरजीह भारतीय नौसेना को दें। उनके आवेदनों पर तभी विचार होगा जब वे कमान अफसर द्वारा विधिवत अनुशानित कर दिए जाते हैं।

राष्ट्रीय इंडियन मिलिटरी कालिज (पहले सैनिक स्कूल के नाम से ज्ञात), देहरादून के कैंडेटों, मिलिटरी स्कूलों

(पहले किंग जार्ज के नके स्कूलों के नाम से ज्ञात) तथा सैनिक स्कूल सोसाइटी द्वारा चलाए जा रहे सैनिक स्कूलों के विद्यार्थियों को कालिज/स्कूल के प्रिंसिपल के माध्यम से अपने आवेदन-पत्र भेजने चाहिए।

7. आयोग के कार्यालय में आवेदन की प्राप्ति की अंतिम तारीख :-

- (i) भारत में रहने वाले उम्मीदवारों से 26 फरवरी, 1979,
- (ii) विदेश में या अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों से 12 मार्च, 1979।

8. प्रलेख जो आवेदन के साथ प्रस्तुत हों :-

(क) सभी उम्मीदवारों द्वारा :-

- (i) रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 7.00) का शुल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाक घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर के जरिए या सचिव, लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के जरिए।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहां के भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि, जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में निर्धारित शुल्क जमा करें, जिससे वह "051 लोक सेवा आयोग —परीक्षा शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए और उसकी रसीद आवेदन-पत्र के साथ भेज दें।

- (ii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियां जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत अंकित हों।

(ख) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा :- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन-जाति का होने के दावे के समर्थन में जहां उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर पर रहते हों, उसे जिले के किसी सक्षम प्राधिकारी (प्रमाण-पत्र के नीचे उल्लिखित) परिशिष्ट-IV में दिए गए प्रपत्र में लिए गए प्रमाण-पत्र भी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(ग) शुल्क से छूट चाहने वाले उम्मीदवारों के द्वारा :-

- (i) किसी जिला अधिकारी या राजपत्रित अधिकारी या संसद या राज्य विधान मंडल के सदस्य से लिए गए प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि

उम्मीदवार निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

- (ii) वस्तुतः विस्थापित/प्रत्यावर्तित व्यक्ति होने के दावे के समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(क) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति

- (i) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिस्ट्र केन्द्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों का शिविर कमांडेंट।

अथवा

- (ii) उस इलाके का जिला मैजिस्ट्रेट जहां पर वह, फिलहाल रह रहा हो।

अथवा

- (iii) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास का प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।

अथवा

- (iv) सब-डिविजनल अफसर अपने अधीनस्थ सब-डिविजन की सीमा तक।

अथवा

- (v) शरणार्थी पुनर्वासन उपायुक्त, पश्चिम, बंगाल/निदेशक (पुनर्वासन), कलकत्ता।

(ख) श्रीलंका से प्रत्यावर्तित :-

श्रीलंका में भारत का उच्चायोग

(ग) बर्मा से प्रत्यावर्तित :-

भारतीय राजदूतावास, रंगून या उस इलाके का जिला मैजिस्ट्रेट जहां पर वह रह रहा हो।

9. शुल्क की वापसी :- आवेदन के साथ आयोग को अदा किया गया शुल्क वापस करने के किसी अनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता और न वह किसी दूसरी परीक्षा या चयन के लिए सुरक्षित रखा जा सकता है :-

- (i) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क दे दिया है, पर जिसको आयोग ने परीक्षा में बैठने नहीं दिया, उसको रु० 15.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के मामले में रु० 4.00) वापस कर दिया जाएगा। परन्तु अगर कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार हायर सैकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ है या हायर सैकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उसके लिए शुल्क की वापसी मंजूर नहीं की जाएगी।

- (ii) जो उम्मीदवार दिसम्बर, 1978 की राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा में बैठा हो और उस परीक्षा

के परिणाम के आधार पर किसी पाठ्यक्रम के लिए उसका नाम अनुसूचित हुआ हो तो उनके मामले में रु० 15.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के मामले में रु० 4.00) का शुल्क वापस दिया जा सकता है, पर यह जरूरी है कि मई, 1979 की राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी रद्द करने और शुल्क वापस पाने के लिए उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 31 अगस्त, 1979 को या उससे पहले पहुंच जाए।

10. आवेदन प्राप्त की सूचना—इस परीक्षा के लिए निर्धारित फार्म में मिले सभी आवेदनों के पहुंचने की सूचना भेजी जाएगी। अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन पहुंचने की सूचना इस परीक्षा के आवेदन पहुंचने की अंतिम तारीख से एक महीने के अन्दर न मिले तो उसको प्राप्त सूचना पाने के लिए तत्काल आयोग से संपर्क करना चाहिए।

11. आवेदन का परिणाम:—अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए। अगर इस बात का पालन नहीं हुआ तो उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के अधिकार से वंचित हो जाएगा।

12. परीक्षा में प्रवेश:—किसी उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के संबंध में संघ लोक सेवा आयोग का निणय अन्तिम होगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश-प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

13. कदाचार के दोषी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन पत्र भरते समय कोई गलत विवरण न दें और न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उनकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में किसी भी हालत में वे किसी तरह का संशोधन या परिवर्तन या कोई फेर-बदल न करें और न फेर-बदल किए गये/गठे हुए प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। अगर इस प्रकार के दो या अधिक प्रलेखों में या उनकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई अशुद्धि या असंगति हो तो इस असंगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका:—

- (i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना ; या

- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना ; या
 (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना ; या
 (iv) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना ; या
 (v) अशुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपाकर रखना ; या
 (vi) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी अनियमित या अनुसूचित लाभ उठाने का प्रयास करना ; या
 (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाए हों ; या
 (viii) उत्तर पुस्तिका(ओं) पर असंगत बातें लिखी हो जो अश्लील भाषा या अभद्र आशय की हों ; या
 (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो ; या
 (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो ; या
 (xi) ऊपर के खण्डों में उल्लिखित सभी या किसी कदाचार की और प्रवृत्त होना या आयोग को उत्तेजित कराना।

वह अपने को दण्ड अभियोजन का शिकार बनाने के अतिरिक्त—

- (क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है, उसके लिए आयोग द्वारा आयोग्य ठहराया जा सकता है।

अथवा

- (ख) (i) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या चयन के लिए ;
 (ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के लिए स्थायी रूप से या कुछ निदिष्ट अवधि के लिए अपवर्जित किया जा सकता है ; और
 (ग) अगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो तो उचित नियमों के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पात्र होगा।

14. मूल प्रमाण-पत्र प्रस्तुतीकरण:—जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर साक्षात्कार के लिए योग्यता प्राप्त करते हैं, उनको, लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित होते ही अपनी आयु, शैक्षिक योग्यता आदि के समर्थन में आयोग को मूल प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने को

कहा जाएगा। लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः अगस्त, 1979 में घोषित किए जा सकते हैं।

15. आवेदन के संबंध में पत्र व्यवहार :—आवेदन के संबंध में सभी पत्र-व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए और उसमें निम्नांकित विवरण अवश्य होना चाहिए।

- (1) परीक्षा का नाम।
- (2) परीक्षा का वर्ष और महीना।
- (3) रोल नम्बर या जन्म की तारीख (अगर रोल नम्बर नहीं मिला हो)।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा और साफ लिखा हुआ)।
- (5) पत्र-व्यवहार का पता, जैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

ध्यान दें :—जिन पत्रों में ऊपर का ध्यौरा नहीं होगा, हो सकता है, उन पर कोई कार्रवाई न हो।

16. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उनके आवेदन-पत्र में दिए पते पर भेजे जाने वाले पत्र आदि आवश्यक होने पर उसके नीचे पते पर भिजवा दिए जाएं। पते में जो भी परिवर्तन हो उसे ऊपर के पैरा 15 में उल्लिखित विवरण के साथ आयोग को यथाशीघ्र सूचित कर देना चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए आयोग द्वारा अनुशंसित उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के लिए आवेदन करने के बाद अपना पता बदल लिया हो तो उनको चाहिए कि परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाने की अपेक्षा नया पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच रिफ्रूटिंग, 6 (एस० पी०) (ए०) वेस्ट ब्लॉक 3, विंग-1, रामाकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन अनुदेशों का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सम्मन पत्र न मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पूरा-पूरा ध्यान देने का प्रयत्न करते हैं, फिर भी इस संबंध में वे अपने ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं ले सकते।

17. लिखित परीक्षा में योग्य उम्मीदवारों के साक्षात्कार के संबंध में पूछताछ :—जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए अनुशंसित हैं, उनको अपने साक्षात्कार के संबंध में सभी पूछताछ और अनुरोध सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच, रिफ्रूटिंग, 6 (एस० पी०) (ए०) वेस्ट ब्लॉक 3, विंग-1, रामाकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए भेजे गए सम्मन-पत्र द्वारा सूचित की गई तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु रिपोर्ट करनी है। साक्षात्कार की स्थिति करने से संबंध अनुरोध पर केवल अपवादात्मक परिस्थितियों में और प्रणामनिक मुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिए निर्णायक प्राधिकरण सेना मुख्यालय होगा।

जिन उम्मीदवारों के नाम संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जारी की गई अंतिम योग्यता सूची में हैं यदि उनके पहले दिए गए पते में कोई परिवर्तन हुआ हो तो उनको अपने नवीनतम पते की सूचना मुख्यालय ए० जी० ब्रांच, रिफ्रूटिंग 6 (एस० पी०) (ए०) वेस्ट ब्लॉक 3, विंग 1, रामाकृष्णपुरम नई दिल्ली-110022 को दे देनी चाहिए ताकि सेना मुख्यालय द्वारा जारी किए गए कार्यभार संभालने के अनुदेश उन्हें समय पर मिल सकें। यदि ऐसा नहीं किया गया तो कार्यभार संभालने के अनुदेशों के न मिलने की जिम्मेवारी उम्मीदवारों की होगी।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा, योग्यता-प्राप्त उम्मीदवारों का साक्षात्कार, अंतिम परिणाम की घोषणा और अंतिम रूप से योग्य पाए गए उम्मीदवारों का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश :—संघ लोक सेवा आयोग, लिखित परीक्षा में आयोग के निर्णय पर निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा। ये उम्मीदवार बौद्धिक तथा व्यक्तित्व परीक्षणों के लिए सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे जहां थल सेना/नौसेना के उम्मीदवारों की अधिकारी क्षमता तथा वायुसेना के उम्मीदवारों का पाइलट एण्टीच्यूट परीक्षण तथा अधिकारी क्षमता का निर्धारण किया जाएगा। इस परीक्षण में अधिक से अधिक 900 अंक प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी ही जोखिम पर वहां के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा चयन बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उसके दौरान या उसके फलस्वरूप अगर उनको कोई चोट पहुंचती है तो उसके लिए सरकार की ओर से कोई क्षति पूर्ति या सहायता पाने के वे हकदार नहीं होंगे, चाहे वह किसी व्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों के माता-पिता या अभिभावकों को इस आशय के एक प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे।

स्वीकृति हेतु, थल सेना/नौ सेना के उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) अधिकारी क्षमता परीक्षणों में अलग-अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा, उनके निर्णय के अनुसार निश्चित किए जाएंगे और वायु सेना के उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा, (ii) अधिकारी क्षमता परीक्षण तथा (iii) पाइलट एण्टीच्यूट परीक्षण में अलग-अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा, उनके निर्णय के अनुसार, निश्चित

किए जाएंगे। इन शर्तों पर अर्हता प्राप्त उम्मीदवारों को उनके द्वारा लिखित परीक्षा तथा सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता के अंतिम क्रम में दो अलग-अलग सूचियों में—एक थल सेना तथा नौसेना के लिए और दूसरी वायुसेना के लिए—रखा जाएगा। जो उम्मीदवार सेना के सभी अंगों के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उनका नाम दोनों योग्यता-सूचियों में होगा। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थल सेना तथा नौसेना के अंगों में प्रवेश के लिए अंतिम चयन थल सेना तथा नौसेना की योग्यता सूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा और वायुसेना विंग में प्रवेश के लिए अंतिम चयन वायुसेना की योग्यता सूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा जो शारीरिक स्वस्थता और अन्य सभी बातों में उपयुक्तता के आधार पर होगा। जिन उम्मीदवारों के नाम दोनों योग्यता सूचियों में हैं उन पर दोनों सूचियों में चयन हेतु विचार उनके वरीयता क्रम को देखते हुए होगा और उनके एक सूची से अंतिम रूप से चुन लिए जाने पर दूसरी सूची से उनका नाम रद्द कर दिया जाएगा।

ध्यान दें:—वायु सेना के प्रत्येक उम्मीदवार का पाइलट एंटीच्यूट परीक्षण केवल एक बार किया जाता है। अतः उसके द्वारा प्रथम परीक्षण में प्राप्त ग्रेड वायुसेना चयन बोर्ड के सामने बाद में होने वाले प्रत्येक माक्षात्कार में स्वीकार किया जाएगा। जो उम्मीदवार पाइलट एंटीच्यूट के प्रथम परीक्षण में असफल हो जाता है वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा के वायुसेना विंग या जनरल ड्यूटीज (पाइलट) ब्रांच या नेवल एअर ए० आर० एम० में प्रवेश के लिए आवेदन नहीं कर सकता।

जिन उम्मीदवारों का किसी पिछले रा० र० अकादमी कोर्स में पाइलट एंटीच्यूट परीक्षण हो गया हो और उन्हें उसमें अर्हता प्राप्त कर लेने की सूचना मिल गई हो तो उन्हें इस परीक्षा के केवल वायुसेना विंग के लिए ही अपना आवेदन करना चाहिए।

अलग-अलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में और किस प्रकार सूचित किये जाएं, इस बात का निर्णय आयोग अपने आप करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में उम्मीदवारों से कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने मात्र से अकादमी में प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। उम्मीदवार को नियुक्ति प्राधिकारी को संतुष्ट करना होगा कि वह अकादमी में प्रवेश के लिए सभी तरह से उपयुक्त है।

19. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अनर्हताएं:— जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के किसी पहले कोर्स में प्रवेश पा चुके थे पर अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण या अनुशासनिक आधार पर वहां से निकाल दिए गए थे, उनको अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

किन्तु जिन उम्मीदवारों को अस्वस्थता के आधार पर पहले राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से वापस ले लिया गया हो या जिन्होंने अपनी इच्छा से उक्त अकादमी छोड़ दी हो उन्हें अकादमी में प्रवेश मिल सकता है बशर्ते कि वे स्वास्थ्य तथा अन्य निर्धारित शर्तें पूरी करते हों।

20. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या अफमर ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण के दौरान विवाह पर प्रतिबन्ध:— उम्मीदवारों को इस बात का वचन देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार अपने आवेदन की तारीख के बाद शादी कर लेता है उसको प्रशिक्षण के लिए चुना नहीं जाएगा, चाहे वह इस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण काल में शादी कर लेगा, उसे वापस भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया है, वह सब उससे वसूल किया जाएगा।

21. नियमावली और प्रश्न पत्रों से युक्त पुस्तिकाएं:— राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, दिसम्बर, 1977 से इस परीक्षा की योजना में सम्मिलित सभी प्रश्न पत्रों में “वस्तु परक” प्रकार के प्रश्नों का आरम्भ होने से इस परीक्षा की नियमावली और प्रश्न-पत्रों से युक्त पुस्तिकाओं का मुद्रण बन्द कर दिया गया है। किन्तु मई, 1977 में ली गई राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा सहित पिछली परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न-पत्रों से युक्त पुस्तिकाओं की प्रतियों की बिक्री प्रकाशन नियंत्रक, मिनिस्टर लाइन्स, दिल्ली-110054 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से भेल आर्डर द्वारा सीधे अथवा नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिक्वोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग “सी” ब्लॉक, बाबा खड्ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001; (ii) प्रकाशन शाखा, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 के बिक्री काउन्टर और (iii) गवर्नमेंट आफ इण्डिया बुक डिपो, 8 के० एम० राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी केवल नकद भुगतान करके खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफस्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से प्राप्त की जा सकती हैं।

22. बौद्धिक परीक्षण संबंधी सूचना:— रक्षा मंत्रालय (मनोवैज्ञानिक अनुसंधान निदेशालय) ने “सेवा चयन बोर्डों में उम्मीदवारों की बौद्धिक परीक्षण उपलब्धियों का अध्ययन” (ए स्टडी आफ इंटेलिजेंस टेस्ट कोर्स आफ कैडिडेट्स एट सर्विसेस सेलेक्शन बोर्ड्स) शीर्षक वाली पुस्तक प्रकाशित की है। इस पुस्तक को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के बौद्धिक परीक्षणों के स्वरूप और स्वभाव से परिचित हो जाएं।

यह पुस्तक समूह्य प्रकाशन है और उपर्युक्त पैरा 21 में बताए गए स्थानों में मिल सकती है।

आर० एस० अहसुवालिया, उप सचिव

परिशिष्ट 1

(परीक्षा की योजना और पाठ्य विवरण)

(क) परीक्षा योजना

1. लिखित परीक्षा के विषय, नियत समय तथा प्रत्येक विषय के अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे :—

विषय	समय	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घंटे	250
2. गणित-प्रश्न-पत्र I	2 घंटे	125
प्रश्न-पत्र II	2 घंटे	125
3. सामान्य ज्ञान—प्रश्न पत्र I (विज्ञान)	2 घंटे	200
प्रश्न-पत्र II (सामाजिक अध्ययन, भूगोल तथा सामयिक मामले)	2 घंटे	200
		900

2. सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न ही होंगे। नमूने के प्रश्नों सहित अन्य विवरण के लिये कृपया परिशिष्ट V में उम्मीदवारों की सूचनार्थ विवरणिका देख लें।

3. प्रश्न-पत्रों में जहाँ भी आवश्यक होगा, केवल तोल और माप की मीटरी पद्धति से संबंधित प्रश्नों को ही पूछा जाएगा।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहिए। किसी भी हालत में उन्हें प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखने के लिये लिखने वाले की सहायता मुलभ नहीं की जायेगी।

5. परीक्षा के एक या सभी विषयों के अर्हक अंकों का निर्धारण आयोग की विवक्षा पर है।

6. केवल सतही ज्ञान के लिये अंक नहीं दिये जाएंगे।

(ख) परीक्षा का पाठ्य-विवरण

अंग्रेजी

प्रश्न पत्र इस प्रकार से बनाया जायगा कि जिससे उम्मीदवार की अंग्रेजी भाषा को समझने तथा उसे सही और मुहावरेदार ढंग से लिखने की योग्यता की जांच की जा सके। इसमें उम्मीदवार के व्याकरण, मुहावरे तथा प्रयोगों संबंधी ज्ञान की जांच के लिये भी प्रश्न शामिल किए जाएंगे। प्रश्न-पत्र में सारांश या सार लेखन के लिए भी गद्यांश सामान्यतः रखा जाएगा।

गणित

प्रश्न-पत्र 1

अंक गणित

संख्या पद्धतियाँ—धनपूर्ण संख्याएँ, पूर्णांक, परिपेय और वास्तविक संख्याएँ मूल संक्रियाएँ—जोड़, घटाना, गुणन, और विभाजन, वर्ग मूल, दशमलव भिन्न।

ऐकिक विधि—समय तथा दूरी, समय तथा कार्य, प्रति-शतता साधारण तथा चक्रवृद्धि व्याज में अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात और समानुपात विवरण।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धान्त—विभाजन की कलन विधि, अभाज्य और भाज्य संख्याएँ 1, 2, 3, 4, 5, 9 और 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण अपवर्त्य और गुणन खण्ड। गुणन खंडन प्रमेय। महतम समापवर्तक तथा लघुतम समापवर्त्य, यूक्लिड की कलन विधि।

आधार 10 तक लघुगणक, लघुगणक के नियम, लघुगणकीय सारणियों का प्रयोग।

बीज गणित

आधार भूत संक्रियाएँ—साधारण गुणन खण्ड। शेष फल प्रमेय, बहुपदों का महतम समापवर्तक और लघुतम समापवर्त्य द्विघात समीकरणों का हल, इसके मूलों और गुणांकों के बीच सम्बन्ध। (केवल वास्तविक मूल पर विचार किया जाए)। दो अज्ञात राशियों में युगपत् रेखिक समीकरण-विश्लेषण और ग्राफ सम्बन्धी हल। प्रायोगिक प्रश्न जिनसे दो चरों में दो युगपत् रेखिक समीकरण बनते हैं या एक चर में द्विघात समीकरण तथा उनके हल, सपुञ्चय भाषा तथा समुच्चय, अंकन पद्धति, परिमेय व्यंजक तथा सप्रतिबन्ध सत्समक घातांक नियम।

त्रिकोणमिति :

ज्या X कोटिज्या X, स्पर्श रेखा X जब $0^\circ \leq X < 90^\circ$ ।

ज्या X कोटिज्या X, स्पर्श रेखा X का मान क्योंकि $X=0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$, और 90° सरल त्रिकोणमितीय तत्समक।

त्रिकोणमितीय सारणियों का प्रयोग।

ऊँचाइयों और दूरियों के सरल कोश।

प्रश्न-पत्र II

ज्यामिति

रेखा और कोण, समतल और समतल आकृति। निम्नलिखित पर प्रमेय :— (i) किसी बिन्दु पर कोणों के गुण धर्म, (ii) समांतर रेखाएँ, (iii) किसी त्रिभुज की भुजाएँ और कोण, (iv) त्रिभुजों की सर्वांगसमता (v) समरूप त्रिभुज, (vi) माध्यिकाओं और शीर्ष लम्बों का संगमन (vii) समांतर चतुर्भुजों, आयत और वर्ग के कोणों, भुजाओं के विकर्णों के गुण धर्म, (viii) वृत्त और उसके गुण धर्म जिसमें, स्पर्श रेखा तथा अभिलम्ब भी शामिल हैं। (ix) स्थानिक संघक।

विस्तार कलन

वर्गों, आयतों, समान्तर चतुर्भुजों, त्रिभुजों और वृत्तों के क्षेत्रफल। उन आकृतियों के क्षेत्रफल जो इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं। (क्षेत्रवही) घनामों का पृष्ठीय

क्षेत्रफल तथा आयतन/लम्ब वृत्तीय शंकुओं और बेलनों का पार्श्व-पृष्ठ तथा आयतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन।

सांख्यिकी

सांख्यिकीय तथ्यों का संग्रहण तथा सारणीयन। आलेखी निरूपण-बारम्बार्ता बहुभुज, आयत चित्र, शलाका चार्ट, पाई चार्ट आदि।

अपरिष्कृत और समूहित आंकड़ों का परिकलन माध्य।

सामान्य ज्ञान

दो प्रश्न पत्र होंगे।

प्रश्न-पत्र (i) :—इसमें भौतिकी, रसायन और सामान्य विज्ञान होगा; और

प्रश्न-पत्र (ii) :—इसमें सामाजिक अध्ययन, भूगोल और सामयिक मामले होंगे।

इन प्रश्न-पत्रों में शामिल किये गये विषयों का क्षेत्र निम्नलिखित पाठ्य विवरण पर आधारित होगा। उल्लिखित विषयांगों को, सर्वांग नहीं मान लेना चाहिए तथा इसी प्रकार के ऐसे विषयांगों पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं जिनका पाठ्य-विवरण में उल्लेख नहीं किया गया है। उम्मीदवारों के उत्तरों से प्रश्नों को बोधगम्य ढंग से समझने की मेधा और ज्ञान का पता चलना चाहिए।

प्रश्न-पत्र I

विज्ञान

सामान्य विज्ञान प्रश्न-पत्र I में निम्नलिखित पाठ्यविवरण शामिल होगा—(क) द्रव्य के भौतिक गुण-धर्म तथा स्थितियों, संहति, भार, आयतन, घनत्व तथा विशिष्ट गुरुत्वाकर्षण। आर्कमिडीज का नियम, दाब, बायदाब मापी।

बिंब की गति। वेग और त्वरण। न्यूटन के गति नियम। बल और संवेग। बल समान्तरचतुर्भुज। पिंड का स्थायित्व और संतुलन। गुरुत्वाकर्षण कार्य, शक्ति और ऊर्जा का प्रारम्भिक ज्ञान।

ऊष्मा का प्रभाव। तापमान का नाप और ऊष्मा स्थिति परिवर्तन और गुप्त ऊष्मा। ऊष्मा अभिगमन विधियां।

ध्वनि तरंगें और उनके गुणधर्म। सरल वाद्य यंत्र।

प्रकाश का श्रृजुरेखीयसंचरण। परावर्तन और अपवर्तन। गोलीय दर्पण और लन्सेज, मानव नेत्र।

प्राकृतिक तथा कृत्रिम चुम्बक। चुम्बक के गुणधर्म। पृथ्वी चुम्बक के रूप में।

स्थैतिक तथा धारा विद्युत्। चालक तथा अचालक। ओम निगम। साधारण विद्युत् परिपथ। धारा के तापन,

प्रकाश तथा चुम्बकीय प्रभाव। विद्युत् शक्ति का माप। प्राथमिक और गौण सेल। एकम रे के उपयोग।

निम्नलिखित के कार्य संचालन के सामान्य मिश्रान्तः

सरल लोलक, सरल घिरनी, माइफन, उत्तोलक, गुब्बारा, पम्प। हाइड्रोमीटर, प्रेशर कुकर, थर्मस फ्लास्क, ग्रामोफोन, टेनीग्राफ, टेनीफोन, पेरिस्कोप, टैलीस्कोप, माइक्रोस्कोप, नाविक दिक्सूचक, तड़ित चालक सुरक्षा पयूज।

(ख) भौतिक तथा रासायनिक परिवर्तन तत्व। मिश्रण तथा योगिक। प्रतीत सूत्र और सरल रासायनिक समीकरण। रासायनिक संयोग के नियम (समस्याओं को छोड़कर) वायु और जल के रासायनिक गुण धर्म।

हाइड्रोजन, आक्सीजन, नाइट्रोजन, कार्बन डाइआक्साइड की रचना और गुण धर्म। आक्सीकरण और अपचयन।

अम्ल, क्षारक और लवण।

कार्बन—भिन्न रूप।

उर्वरक—प्राकृतिक और कृत्रिम।

साबुन, कांच, स्याही, कागज, सीमेंट, पेंट, वियासलाई और गन पाऊंडर जैसे पदार्थों को तैयार करने के लिये प्रयुक्त सामग्री।

परमाणु की रचना, परमाणु तुल्यमान और अजुभार अनुभाग, संयोजकता का प्रारंभिक ज्ञान।

(ग) जड़ और चेतन में अन्तर।

जीव कोशिकाओं, जीव द्रव्य और ऊतकों का आधार।

वनस्पति और प्राणियों में वृद्धि और जनन।

मानव शरीर और इसके महत्वपूर्ण अंगों का प्रारंभिक ज्ञान।

सामान्य महामारियां, उनके कारण तथा रोकने के उपाय।

खाद्य—मनुष्य के लिये ऊर्जा का स्रोत। खाद्य का संघटन। संतुलित आहार।

सौर परिवार; उल्का और धूमकेतु। ग्रहण।

प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की उपलब्धियां।

टिप्पणी :—इस प्रश्न पत्र के अधिकतम अंकों से सामान्यतया भाग (क), (ख) और (घ) के लिये क्रमशः 50 प्रतिशत, 30 प्रतिशत और 20 प्रतिशत अंक होंगे।

प्रश्न-पत्र II

(सामाजिक अध्ययन, भूगोल और सामाजिक मामले)।

सामान्य ज्ञान प्रश्न पत्र में निम्नलिखित पाठ्य विवरण शामिल होगा :—

(क) भारतीय इतिहास का मोटे तौर पर सर्वेक्षण तथा संस्कृति और सभ्यता की विशेष जानकारी।

भारत का स्वतंत्रता आंदोलन।

भारतीय संविधान और प्रशासन का प्रारम्भिक अध्ययन।

भारत की पंचवर्षीय योजनाओं, पंचायती राज, सहकारी समितियों और सामुदायिक विकास की प्रारम्भिक जानकारी।

भूदान, सर्वोदय, राष्ट्रीय एकता और कल्याणकारी राज्य। महात्मा गांधी के मूल उपदेश।

आधुनिक विश्व को प्रभावित करने वाली शक्तियाँ, पुनर्जागरण। अन्वेषण और खोज। अमरीका का स्वाधीनता संग्राम। फ्रांसीसी क्रांति, औद्योगिक क्रांति, रूसी क्रांति, समाज पर विज्ञान और औद्योगिकी का प्रभाव।

एक विश्व की संकल्पना, संयुक्त राष्ट्र। पंचशील, लोकतंत्र, समाजवाद, साम्यवाद, वर्तमान विश्व में भारत का योगदान।

(ख) पृथ्वी, इसकी आकृति और आकार, अक्षांश और रेखांश। समय की संकल्पना। अंतर्राष्ट्रीय तारीख रेखा। पृथ्वी की गतियाँ और उनके प्रभाव। पृथ्वी का उद्भव, चट्टानें और उनका वर्गीकरण।

अपक्षय—रासायनिक और भौतिक। भूचाल तथा ज्वालामुखी।

महासागर धाराएँ और ज्वार भाटे।

वायु मण्डल और इसका संघटन। तापमान और वायु-मण्डलीय दाब, भूमण्डलीय पवन, चक्रवात और प्रतिचक्रवात आर्द्रता। द्रवण और वर्षण। जलवायु के प्रकार।

विश्व के प्रमुख प्राकृतिक क्षेत्र।

भारत का क्षेत्रीय भूगोल—जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, खनिज और शक्ति साधन, कृषि और औद्योगिक कार्यकलापों के स्थान और वितरण।

महत्वपूर्ण समुद्री पत्तन, भारत के मुख्य समुद्री, भू और वायु मार्ग। भारत के आयात और निर्यात की मुख्य मर्दे।

(ग) हाल ही के वर्षों में भारत में हुई महत्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी। सामयिक महत्वपूर्ण विश्व घटनाएँ।

महत्वपूर्ण व्यक्ति—भारतीय और अन्तर्राष्ट्रीय, इनमें सांस्कृतिक कार्यकलापों और खेल कूद से संबंधित महत्वपूर्ण व्यक्ति भी शामिल है।

टिप्पणी:—इस प्रश्न-पत्र के अधिकतम अंकों में से सामान्य-तया भाग (क), (ख) और (ग) के लिये क्रमशः 40 प्रतिशत, 40 प्रतिशत और 20 प्रतिशत अंक होंगे।

बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीदवारों की बुनियादी बुद्धि की जांच करने के लिये साक्षात्कार के अतिरिक्त मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा

ली जाएगी। उनके ग्रुप परीक्षण भी किये जाएंगे जैसे ग्रुप परिचर्चा, ग्रुप योजना बहिरंग, ग्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिये कहा जाएगा। ये सभी परीक्षण उम्मीदवारों की मेधाशक्ति की जांच के लिये हैं। मोटे तौर पर ये परीक्षण वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों की जांच के लिये हैं अपितु इनसे उसकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामयिक घटनाओं के प्रति दिलचस्पी का भी पता चलेगा।

परिशिष्ट II

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश के लिये शारीरिक मानक संबंधी मुख्य बातें।

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को निर्धारित स्वस्थता मानक के

अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए।

स्वस्थता संबंधी मानक नीचे बताए गए हैं।

बहुत से अर्हताप्राप्त उम्मीदवार बाद में अस्वस्थता के आधार पर अस्वीकृत कर दिये जाते हैं। अतः उम्मीदवारों के अपने हित के लिये सलाह दी जाती है कि अन्त में निराशा से बचने के लिये उन्हें अपना आवेदन-पत्र भेजने से पहले अपने स्वास्थ्य की जांच करा लेनी चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड द्वारा अनुशंसित बहुत से उपयुक्त उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा सेना के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा की जाएगी। जो उम्मीदवार मेडिकल बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जाएगा उसको अकादमी या स्कूल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सेना के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा कर लिये जाने का अर्थ यह नहीं होगा या नहीं निकाला जाएगा कि उम्मीदवार अंतिम रूप से चुन लिया गया है। मेडिकल बोर्ड की कार्यवाही गुप्त होती है जिसको किसी को नहीं बताया जा सकता। अनुपयुक्त/अस्थायी रूप से अनुपयुक्त घोषित उम्मीदवारों का परिणाम उन्हें स्वस्थता प्रमाण-पत्र तथा अपील प्रस्तुत करने की कार्यविधि के साथ सूचित कर दिया जाता है। मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा मेडिकल बोर्ड के परिणाम से सम्बद्ध कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

थल सेना के लिये उम्मीदवारों के अपने हित में परामर्श है कि यदि उनकी दृष्टि अपेक्षित स्तर की न हो तो सेवा चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार/स्वास्थ्य परीक्षा हेतु बुलाए जाने पर उन्हें अपने साथ संगोधन ऐनक लानी चाहिए।

1. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश के लिये उस उम्मीदवार को ही योग्य समझा जाएगा जिसका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक होगा और जिसमें कोई ऐसी अशक्तता नहीं होगी जिससे कुशलतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. किन्तु निम्नलिखित बातों के संबंध में तसल्ली कर ली जाएगी:—

(क) कमजोर शरीर गठन, अपूर्ण विकास, गम्भीर कुरचना या स्थलता तो नहीं है।

- (ख) हड्डियों और संंधियों का कुविकास तो नहीं हुआ है और उनमें किसी प्रकार की क्षीणता तो नहीं हो गई है।

टिप्पणी :—अल्पवर्धित ग्रैव पणुका वाले उम्मीदवार को भी स्वस्थ माना जा सकता है, यदि उसमें उक्त रोग के लक्षण न हों। तथापि चिकित्सा बोर्ड की कार्यवाही में इस दोष का उल्लेख छोटी-मोटी अशक्तता के रूप में कर दिया जाएगा।

- (ग) बोलने में तो बाधा नहीं पड़ती है।
 (घ) सिर की रचना में तो दोष नहीं है या खोपड़ी की हड्डी टूटने या दबने से विरूपता तो नहीं आ गई है।
 (ङ) कम सुनाई तो नहीं पड़ता है। कोई कान बह तो नहीं रहा है या रोग ग्रस्त तो नहीं है। टिम्पैनिक मम्ब्रेन में कच्चा जखम तो नहीं है या उग्र या पुराना मध्य कर्ण शोथ के चिह्न तो नहीं है या आमूल या संशोधित आमूल कर्ण मल आपरेशन तो नहीं हुआ है।

टिप्पणी :—यदि कान के पर्दे का छेद पूरी तरह से भर गया हो, इस को और क्षति न पहुंची हो तथा सुनाई ठीक पड़ता हो तो इस अवस्था को थल सेना के लिये उम्मीदवार को स्वीकार करने में बाधक नहीं समझना चाहिए।

- (च) नाक की हड्डी या उपास्थि का कोई रोग तो नहीं है या नोज पालिपस तो नहीं है अथवा नासाग्रमती या सहायक कोटरो का कोई रोग तो नहीं है।

टिप्पणी :—(i) नासा पट के छोटे अलक्षणी ऊवघातज छेद के कारण उम्मीदवार को एक दम अस्वीकृत नहीं किया जाएगा बल्कि ऐसे मामलों को कर्णविज्ञान सलाहकार के पास भेजा जाएगा।

टिप्पणी :—(ii) जंभिका विवरण संबंधी पुष्टि के लिये निदानार्थ गह्वर संवेधन केवल अपील किए गए मामलों में ही किया जाए न कि किसी प्रारंभिक परीक्षण के दौरान नेमी कार्य के रूप में। प्रारंभिक परीक्षण के दौरान तो विकिरण विज्ञान संबंधी परीक्षण यदि निर्दिष्ट किया गया हो, करना ही पर्याप्त होगा।

- (छ) तपेदिक या अन्य रोगों के कारण गर्दन या गरीर के अन्य भागों की ग्रंथियां बढ़ी हुई तो नहीं हैं और थाइराइड ग्रंथि सामान्य है।

टिप्पणी :—तपेदिक की ग्रंथियों को हटाने के लिये किये गये आपरेशन के निशान उम्मीदवार की अस्वीकृति का कारण नहीं बन सकते हैं

बशर्ते कि गत 5 वर्षों में सक्रिय रोग न हुआ हो तथा छाती लाक्षणिक जांच तथा एक्स-रे करने पर रोग मुक्त पाई जाए।

- (ज) गले, तालु, टोंसिल या मसूड़ों का कोई रोग नहीं है तथा किसी भी चिबकीय संंधियों की सामान्य क्रिया पर प्रभाव डालने वाली कोई बीमारी या चोट तो नहीं है।

टिप्पणी :—यदि बारबार टोंसिल शोथ होने का कोई वृत्त न हो तो टोंसिलों की अतिवृद्धि अस्वीकृति का कारण नहीं होती।

- (झ) हृदय तथा रक्त वाहिकाओं का क्रिया संबंधी या अंग रोग के लक्षण तो नहीं हैं।
 (ञ) फेफड़ों की तपेदिक या इस बीमारी का पूर्वावृत्त या फेफड़ों की कोई जीर्ण बीमारी का प्रमाण तो नहीं है।

- (ट) जिगर और तिल्ली की किसी विलक्षणत सहित पाचक तंत्र के किसी रोग का चिह्न तो नहीं है और स्पर्श परीक्षण में उदरीय कोमलता न हो।

- (ठ) वंक्षण हर्निया (जिसकी शल्य-चिकित्सा न की गई हो), या उसकी आशंका हो अस्वीकृति का कारण होगा।

टिप्पणी :—जिनका हर्निया का आपरेशन हो चुका है उन्हें शारीरिक रूप से स्वस्थ माना जाएगा बशर्ते कि :

- आपरेशन हुए एक वर्ष ध्यतीत हो गया हो। इसके लिए उम्मीदवार को लिखित प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।
- पेट की पेशीसमूह सामान्यतया ठीक है; और
- हर्निया की पुनरावृत्ति नहीं हुई है, या इसकी शल्य चिकित्सा से संबंधित कोई उल्लेख पैदा नहीं हुई।

- (ड) हाइड्रोसिल या निश्चित बैरिकोसिल या तो जननेन्द्रियों का अन्य कोई रोग या खराबी नहीं है।

टिप्पणी :—(i) यदि हाइड्रोसिल के आपरेशन के बाद कोई रज्जु और अण्डग्रंथियों की विलक्षणतायें न हों और फाइलें-रियासिस का प्रमाण न हो तो उम्मीदवार को स्वीकार कर लिया जाएगा।

- (ii) यदि एक ओर की अन्तःउदरीय अण्डग्रंथि आरोही हो तो इस आधार पर उम्मीदवार को अस्वीकार नहीं किया जाता बशर्ते कि दूसरी अण्डग्रंथि सामान्य हो तथा इस आरोही अण्डग्रंथि के कारण कोई शारीरिक या मनो-वैज्ञानिक कुप्रभाव न हो। यदि आरोही अण्डग्रंथि वंक्षण नलिका में अथवा उदरीय वलय में

रकी हो और आपरेशन से ठीक न हो सकती हो तो इस स्थिति में उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

- (द) फिस्टुला और या गुर्दा का विदर या बवासीर मस्से तो नहीं हैं।
- (ण) गुर्दों की कोई बीमारी तो नहीं। ग्लुकोजमेह या एल्ब्युमिन मेह के सभी रोगी अस्वीकृत कर दिए जाएंगे।
- (त) अस्थायी अथवा मामूली क्षत-चिह्नों को छोड़कर कोई ऐसा चर्म रोग तो नहीं है जिसके प्रसार अथवा स्थिति के कारण उम्मीदवार में अशक्तता या बहुत अधिक कुरूपता आ गई हो या आने की संभावना हो। उस उम्मीदवार को इसी आधार पर अस्वीकार कर दिया जाएगा।
- (ब) कोई सक्रिय गुप्त या जन्मजात रजित रोग तो नहीं है।
- (द) उम्मीदवार या उसके परिवार में मानसिक रोग का कोई पूर्व वृत्त का प्रमाण तो नहीं है। जिन उम्मीदवारों को मिर्गी आती हो, जिनका पेशाब बैसे ही या नींद में निकल जाता हो उन्हें स्वीकार नहीं किया जाएगा।
- (घ) भेंगापन या आंख या पलकों की कोई ऐसी विकृति तो नहीं जिसके बढ़ने या दुबारा होने का खतरा हो सकता है।
- (न) सक्रिय रोहे (ट्रैकोमा) या इसकी जटिलताएं तथा अनुप्रभाव तो नहीं है।

टिप्पणी:—इलाज के लिए आपरेशन प्रवेश से पूर्व करवाए जाएं। अन्तिम रूप से स्वीकार किए जाने की गारंटी नहीं दी जाती है तथा उम्मीदवारों को यह स्पष्टतया समझ लेना चाहिए कि क्या आपरेशन बांछनीय है या आवश्यक है, इस बात का निर्णय उनके निजी चिकित्सा सलाहकार को ही करना है। आपरेशन के परिणाम अथवा किसी और खर्च का दायित्व सरकार अपने ऊपर नहीं लेगी।

3. कद, वजन तथा छाती के मापों के लिए मानक:—

(क) कद:

- (i) उम्मीदवार के कद की माप उसे मापदण्ड के सामने दोनों पैर मिलाकर खड़ा करके ली जाएगी। उस समय वजन एडियों पर होना चाहिए पंजे पर या पांव के बाहरी पार्श्वों पर नहीं। वह बिना अकड़ें इस प्रकार सीधा खड़ा होगा कि उसकी एडियां, पिंडलियां, नितम्ब और कंधे मापदण्ड के साथ लगे होंगे, उसकी ठोड़ी नीचे की ओर रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर आड़ी छड़ के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा। 0.5 सेंटीमीटर की उपेक्षा

की जाएगी, 0.5 सेंटीमीटर को इसी रूप में रिकार्ड किया जाएगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या इससे अधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

- (ii) उम्मीदवार के लिये न्यूनतम रजि. कार्य 157.5 सेंटीमीटर (नौ-सेना के लिये 157 सेंटीमीटर) है किन्तु गोरखा, नेपाली, आसामी, गढ़वाली उम्मीदवारों के लिये 5.0 सेंटीमीटर कम किया जा सकता है। मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और मिजोरम और त्रिपुरा के नौसेना के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद 5 सेंटीमीटर और लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामले में कद 2 सेंटीमीटर कम कर दिया जाएगा।

टिप्पणी:—कद में 2.5 सेंटीमीटर (नौसेना के लिये 5 सेंटीमीटर) तक की छूट उन मामलों में दी जा सकती है जहां चिकित्सा बोर्ड इस बात का प्रमाणपत्र दे कि उम्मीदवार के बढ़ने की संभावना है तथा प्रशिक्षण पूरा होने तक अपेक्षित मानक तक पहुंच जाएगा। इसके अलावा भारतीय नौसेना के कैडिटों के लिये जिनकी आयु 18 वर्ष से कम न हो आनुपातिक छूट दी जा सकती है।

- (iii) केवल वायु सेना: पाइलट के रूप में प्रशिक्षण हेतु विशेष अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए न्यूनतम कद 162.5 सेंटीमीटर होगा। टांग की लम्बाई, जांघ की लम्बाई और बैठने पर कद का माप निम्न प्रकार होगा।

टांग की लम्बाई	न्यूनतम	99.0 सेंटीमीटर
	अधिकतम	120.0 सेंटीमीटर
जांघ की लम्बाई	अधिकतम	64.0 सेंटीमीटर
	न्यूनतम	81.50 सेंटीमीटर
बैठने पर कद	न्यूनतम	81.50 सेंटीमीटर
	अधिकतम	96.90 सेंटीमीटर

टिप्पणी:—किसी उम्मीदवार की कम आयु के कारण कद में 5 सेंटीमीटर तक, टांग की लम्बाई में 2.5 सेंटीमीटर (न्यूनतम) तह तक और बैठने पर कद में 1 सेंटीमीटर (न्यूनतम) तक की छूट दी जा सकती है बशर्ते कि चिकित्सा बोर्ड इस बात का प्रमाणपत्र दे कि उम्मीदवार की बढ़ने की संभावना है तथा राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षण पूरा होने तक अपेक्षित मानक तक पहुंच जाएगा।

- (ख) वजन:—(i) उम्मीदवार का वजन पूरी तरह से कपड़े उतार कर या केवल जांघिए के साथ लिया जाएगा। वजन करते समय 1/2 किलोग्राम के भिन्न को रिकार्ड नहीं किया जाएगा। आयु कद और औसत

वजन विषयक परस्पर संबंधित सारणी में निर्देश के लिये दी जा रही है :—

आयु अवधि	15-16	16-17	17-18
कद (सेंटीमीटर)	वजन किलोग्राम	वजन किलोग्राम	वजन किलोग्राम
157.00	43.5	45.0	47.0
160.00	45.0	46.5	48.0
162.00	46.5	48.0	50.0
165.00	48.0	50.0	52.0
167.50	49.0	51.0	53.0
170.00	51.0	52.5	55.0
173.00	52.5	54.5	57.0
175.00	54.0	56.0	59.0
178.00	56.0	58.0	61.0
180.00	58.5	60.0	63.0
183.00	61.0	62.5	65.0

(ख) कद तथा आयु के संबंध में ठीक वजन का ठीक-ठीक मानक निश्चय करना संभव नहीं है। अतः परस्पर संबंधी सारणी केवल निर्देशिका मात्र है तथा सभी मामलों में इसे लागू नहीं किया जा सकता है। सारणी में दिये गये औसत वजन से 10 प्रतिशत (नौसेना के लिये 6 किलोग्राम कम-अध्यादा) होने पर उसे वजन को सामान्य सीमा के अन्तर्गत माना जाता है। ऐसा भी हो सकता है कि कुछ व्यक्तियों का वजन उपयुक्त मानक से अधिक हो किन्तु शरीर के सामान्य गठन की दृष्टि से वे हर प्रकार से योग्य हों। ऐसे व्यक्तियों के अधिक वजन का कारण भारी हड्डियों और पेशियों का विकास हो सकता है न कि मोटापा। इसी प्रकार जिनका वजन मानक से कम हो उनके बारे में भी उपर्युक्त सारणी के मानकों का पूरी तरह से पालन की अपेक्षा उनका सामान्य शरीर गठन और आनुपातिक विकास ही कसौटी होना चाहिए।

(ग) छाती :—छाती पूरी तरह आनुपातिक तथा भली प्रकार विकसित होनी चाहिए और फैलाने पर न्यूनतम फैलाव 5.0 सेंटीमीटर होनी चाहिए। उम्मीदवार की छाती का माप लेते समय उसे इस प्रकार सीधा खड़ा किया जाए कि उसके पांच जुड़े हों और उसकी बांहें सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्व इस प्रकार लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका उपरी किनारा असफलकों (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्फ्रिगियर एंगिल्स) के साथ लगा रहे और इसका निचला किनारा सामने चूचकों के ऊपरी भाग से लगा रहे। फिर बांहों को नीचे किया जाएगा और इन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रख जाएगा कि कंधे उठे या पीछे की ओर झुके न हों ताकि फीता अपने स्थान से हटने न पाए। अब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिये कहा जाएगा। और छाती का अधिकतम और न्यूनतम फैलाव सावधानी से लिख लिया जाएगा। अधिकतम तथा

न्यूनतम फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा। नाप को रिकार्ड करने समय 0.5 सें० मीटर से कम के दशमलव भिन्न को छोड़ दिया जाएगा। लेकिन 0.5 सेंटीमीटर को 0.5 सेंटीमीटर रिकार्ड किया जाएगा और 0.6 सेंटीमीटर से अधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

वायु सेना हेतु—किसी तरह का स्कोलियोसिस तो नहीं है यह पता लगाने के लिये रीढ़ की हड्डी का एक्स-रे भी किया जाएगा। 7 से अधिक स्कोलियोसिस (कांख विधि) उड़ान कार्य के लिये अस्वीकृति का कारण होगा वायु सेना के सभी उम्मीदवारों का ई० सी० बी० लिया जाएगा। जिनका ई० सी० बी० विशेष रूप से असामान्य होगा वे उम्मीदवार अस्वीकृत कर दिये जायेंगे।

नोट :—वायुसेना तथा नौसेना के लिये छाती का एक्स-रे अनिवार्य है।

4. दांतों की हालत

इस बात को सुनिश्चित कर लेना चाहिये कि चबाने का काम अच्छी तरह करने के लिये प्राकृतिक तथा मजबूत दांत काफी संख्या में हैं।

(क) स्वीकृत होने के लिए यह आवश्यक है कि उम्मीदवार ने दांतों के लिए कम से कम 14 प्वाइंट प्राप्त किए हों। किसी व्यक्ति के दांतों की हालत का पता लगाने के लिए परस्पर अच्छी तरह सटे और दूसरे जबड़े के अनुरूप दांतों के लिये निम्न प्रकार प्वाइंट दिए जायेंगे :—

(i) बीच के काटने वाले दांत बगल के काटने वाले दांत रदनक प्रथम तथा द्वितीय छोटी दाड़ तथा कम विकसित तृतीय बड़ी दाड़ प्रत्येक के लिये एक-एक प्वाइंट।

(ii) प्रथम तथा द्वितीय बड़ी दाड़ तथा पूर्णतया विकसित तृतीय बड़ी दाड़ के लिये दो प्वाइंट।

पूरे 32 दांत होने पर कुल 22 प्वाइंट दिये जायेंगे।

(ख) प्रत्येक जबड़े के निम्नलिखित दांत एक दूसरे से इस प्रकार सटे हुए हों कि उनसे अच्छी तरह काम लिया जा सके :

(i) आगे के 6 में से कोई 4 दांत।

(ii) पीछे के 10 में से कोई 6 दांत।

(ग) नीच पायरिया वाले उम्मीदवारों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिस उम्मीदवार का पायरिया दांत अधिकारी की राय में बिना दांत निकाले अच्छा किया जा सकता हो उसे स्वीकार किया जा सकता है।

5. दृष्टिमानक	मानक-I	
दृष्टि-तीक्ष्णता	अच्छी आंख	खराब आंख
दूर दृष्टि	बी०-6/6	बी-6/9
	चश्मा लगाकर	6/6 तक
	मानक-II	
	अच्छी आंख	खराब आंख
दूर दृष्टिता (चश्मा लगाकर)	6/6	6/9

निकट दृष्टि (मायोपिया) जिसमें व्यक्त अविन्दुकता (एस्टिग-मेटिज्म) सम्मिलित है—2.5 डी० से अधिक नहीं। (नौ सेना के मामले में .5 डी०)।

दीर्घ दृष्टि (हाइपर मेट्रोपिया) जिसमें अविन्दुकता (एस्टिग-मेटिज्म) मैनी फैस्ट) सम्मिलित है—3.5 डी० से अधिक नहीं।

टिप्पणी:—1. फंडस तथा मीडिया स्वस्थ तथा सामान्य सीमा में होने चाहिए।

2. वर्धमान मायो रेटिना के सूचक विट्रियम या कोरिया-रेटिना के अनावश्यक व्यपजनन चिह्न न हों।

3. द्विनेत्री (वाइनोकुलर) दृष्टि अच्छी होनी चाहिये (दोनों आंखों में संयोजन शक्ति और पूर्ण दृष्टि क्षेत्र)।

4. ऐसा कोई आंगिक रोग नहीं होना चाहिये जिसके प्रकोपन तथा खराब होने की संभावना है।

(ख) रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान :

जो उम्मीदवार अधोपरिभाषित न्यूनतम वर्ण अवगम मानक सी०पी०-3 (सदोष सुरक्षा) न रखते हों उन्हें आयांम्य माना जाएगा :

सी० पी०-3 (सदोष सुरक्षा)—उम्मीदवार इस योग्य हों कि वे 1.5 मीटर की दूरी से सफेद, लाल संकेत और हरे संकेत रंगों को ठीक प्रकार से पहचान सकें जैसा कि मार्टिन लैटर्न में दिखाया गया है या इशियारा बुकटोकियो मैडिकल कालिज बुक की अपेक्षित प्लेटों को पढ़ सकें।

(ग) सेनाओं के लिए अपेक्षाएं

थल सेना दृष्टि मानक (न्यूनतम मानक)

नौसेना (1) दृष्टि मानक 1—कार्यपालक शाखा के उम्मीदवार चश्मा नहीं पहन सकते हैं परन्तु यदि नौसेना मुख्यालय अनुमति दे तो कुछ सीमित संख्या तक अन्यथा उम्मीदवारों के संबंध में इन मानकों में छूट दी जा सकती है। इंजीनियरी विद्युत और पूर्ति तथा सचिवालय शाखाओं के लिए दृष्टि मानक 6/18, 6/36 चश्मा लगाकर दोनों आंखों के लिए 6/6 है।

(ii) विशेष अपेक्षाएं:

सामान्यतया नौ सेना की सभी शाखाओं कैडेटें/डायरेक्ट एन्ट्री अफसरों की रात्रि दृष्टि दीक्षणता के वास्ते नैमी तौर पर डेला कासा की जांच नहीं की जाएगी और स्वास्थ्य परीक्षा के समय उनसे निम्नलिखित प्रमाण पत्र देने के लिये कहा जाएगा जो मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के साथ नत्थी कर दिया जाएगा :—

“मैं प्रमाणित करता हूँ कि मुझे रतौधी नहीं है और जहाँ तक मेरी जानकारी है मेरे परिवार के किसी सदस्य को भी जन्म रतौधी नहीं है”

ह० उम्मीदवार

चिकित्सा अधिकारी के प्रति

हस्ताक्षर

किन्तु जिन उम्मीदवारों में शुष्काक्षिपाक (वीरीप्लेस्मिया) पिगमेंट्री अपविकास/कोरियारेटिना में विचलन अपसामान्य परितारिका और उसके लक्षण होने का संदेह होगा लेकिन वो अन्यथा हर प्रकार से स्वस्थ होंगे उनकी विस्तृत रात्रि दृष्टि तीक्ष्णता जांच सामान्य तौर पर की जायेगी।

रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान

मानक-I—एम०एल० टी०

नेत्र विचलन प्रवृत्ति

(मार्टिन लालटन परीक्षण)

नेत्र विचलन प्रवृत्ति मेडडोक्षम राउ विगटेस्ट के साथ (बशर्ते कि अभिसरण दोष तथा अन्य रोग लक्षण न हों) निम्नलिखित से अधिक नहीं होनी चाहिए:—

(क) 6 मीटर की दूरी से

एक्सोफोरिया	8 प्रिज्म	डायोप्टर
इंसोफोरिया	8 प्रिज्म	डायोप्टर
हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म	डायोप्टर

(ख) 30 सें० मी० की दूरी से

इंसोफोरिया	6 प्रिज्म	डायोप्टर
एक्सोफोरिया	16 प्रिज्म	डायोप्टर
हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म	डायोप्टर

दूर दृष्टिता की सीमा

(होमाट्रोपिना के अन्तर्गत)

सही आंख

दूर दृष्टिता

1.5 डायोप्टर

साधारण दीर्घ दृष्टिता वैषम्य

0.75

संयुक्त दीर्घ दृष्टिता

दीर्घ दृष्टिता मरेडियन का दोष 1.5 डायोप्टर से अधिक नहीं होना चाहिए। इसमें से 0.75 डायोप्टर से अधिक दृष्टि वैषम्य के कारण नहीं होनी चाहिए।

वैषम्य।

दूर दृष्टिता

सबसे खराब आंख 2.5 डायोप्टर

साधारण दूर दृष्टिता वैषम्य

1.5 डायोप्टर

संयुक्त दूर दृष्टिता वैषम्य

दूर दृष्टिता वैषम्य दोष 2.5 डायोप्टर से अधिक नहीं होना चाहिए इसमें से 1.00 डायोप्टर से अधिक दृष्टि वैषम्य के कारण नहीं होनी चाहिए।

निकट दृष्टि (मायोपिया)—किसी भी एक मरेडियम में 0.5 डायोप्टर अधिक नहीं होना चाहिए।

द्विनेत्री दृष्टि:—उम्मीदवार की द्विनेत्री दृष्टि ठीक होनी चाहिए। (दोनों आंखों में पर्यजन फैकल्टी और पूर्ण दृष्टि क्षेत्र होना चाहिए)।

वायु सेना (i) दृष्टिमानक 1 चयन नहीं लगाना है।

(ii) विशेष अपेक्षाएं व्यक्त दूर दृष्टिता 2.25 डी० से अधिक नहीं होनी चाहिए।

नेत्र पेशी संतुलन

मडास्क राड परीक्षण से नेत्र विचलन प्रवृत्ति निम्नलिखित से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(क) 6 मीटर की दूरी से

एक्सफोरिया	6 प्रिज्म	डायोप्टर
इंसोफोरिया	6 प्रिज्म	डायोप्टर
हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म	डायोप्टर

(ख) 33 सें० मी० की दूरी से

एक्सफोरिया	16 प्रिज्म	डायोप्टर
इंसोफोरिया	6 प्रिज्म	डायोप्टर
हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म	डायोप्टर
निकट दृष्टि	शून्य	
अभिव्यक्तता	+0.75	दिन

द्विनेत्री दृष्टि:—द्विनेत्री दृष्टि ठीक होनी चाहिए। (आयाम और गहराई के साथ संयोजन और स्टैरियोपमिस)।

रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान-मानक I एम० एल० वी०

6. श्रवण मानक

श्रवण परीक्षा वाक् परीक्षण द्वारा की जाएगी। जहां आवश्यक होगा श्रव्यता मापी (आडियोमेट्रिक) रिकार्ड भी ले लिए जायेंगे।

(क) वाक् परीक्षा:—उम्मीदवार को जो एक उचित ढंग से शांत कमरे में परीक्षक की ओर पीठ करके 610 सेंटीमीटर की दूरी पर खड़ा हो प्रत्येक कान से फुसफुसाहट की आवाज सुनाई पड़नी चाहिए। परीक्षक को अवशिष्ट वायु से फुसफुसाना चाहिए: अर्थात् वह साधारण निश्वास अन्त में लेगा।

(ख) श्रव्यता मितिक परीक्षण—250 एच जैड और 4000 एच जैड के बीच आवृत्तियों में श्रव्यतामतिक कमी +10 डेसिबल से अधिक नहीं होनी चाहिये। श्रव्यता से आलेख का मूल्यांकन करते समय श्रव्यता मापी की आधार रेखा के शून्य को और जिन वातावरणीय रव अवस्थाओं से में श्रव्यता आलेख प्राप्त किया गया है उनको ध्यान में रखा जाना चाहिए और किसी वायुसेना कर्ण-नामिका-कट विशेषज्ञ की अनुशंसाओं पर विनिर्दिष्ट मानक से थोड़ा-बहुत विचलन नजर अन्दाज किया जा सकता है।

7. नेमी आधारित ई० ई० जी०—वायुसेना हेतु सभी उम्मीदवारों को ई० ई० जी० परीक्षा की जाएगी। विशिष्ट अपसामान्यतया रखने वालों को अस्वीकृत कर दिया जायेगा।

परिशिष्ट-III

(सेवा आदि का संक्षिप्त विवरण)

1. अकादमी में भर्ती होने से पूर्व माता-पिता संरक्षक को निम्नलिखित प्रमाण पत्रों पर हस्ताक्षर करने होंगे:

(क) इस आशय का प्रमाण पत्र कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणामस्वरूप यदि उसे कोई चोट लग जाए या ऊपर निर्दिष्ट किसी कारण से या अन्यथा आवश्यक किसी सजिकल आपरेशन या संवेदनाहरक दवा के परिणामस्वरूप उसमें कोई शारीरिक अशक्तता आ जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके वैध उत्तराधिकारी को सरकार के विरुद्ध किसी मुआवजे या अन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।

(ख) इस आशय का बंध पत्र कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियंत्रण में भ्रमशे जाते हैं, उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले वापस आना चाहता है या कमीशन अस्वीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा शुल्क, भोजन, वस्त्र पर किये गये व्यय तथा दिए गए वेतन और भत्ते की कुल राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करे, उसे वापस करनी होगी।

2. आवास, पुस्तकें, वर्दी, बोर्डिंग और चिकित्सा सहित, प्रशिक्षण के खर्च को सरकार वहन करेगी। उम्मीदवार के माता पिता या संरक्षक से यह आशा की जाती है कि उम्मीदवार का जब खर्च वे खुद बर्दाश्त करेंगे। सामान्यतया इन खर्चों के 40.00 रु० से अधिक होने की संभावना नहीं है। यदि किसी कैडेट के माता पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या आंशिक रूप से बर्दाश्त करने में असमर्थ हों तो पहले और दूसरे वर्ष के लिए रु० 40.00 तक और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में तीसरे वर्ष के प्रशिक्षण के लिये रु० 45.00 और थल सेना/नौसेना वायुसेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में आगे विशिष्ट प्रशिक्षण के लिये रु० 55.00 तक सरकार द्वारा वित्तीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवार को माता पिता या संरक्षक की मासिक आय रु० 450.00 या इससे अधिक हो, वे इस वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होंगे। वित्तीय सहायता की पात्रता निर्धारित करने के लिये अचल सम्पत्तियों और सभी साधनों से होने वाली आय का भी ध्यान रखा जायेगा।

यदि उम्मीदवार के माता पिता/संरक्षक सरकार से किसी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें अपने पुत्र/संरक्षक के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अंतिम रूप से चुने जाने के तुरन्त बाद अपने जिले के जिला मैजिस्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन पत्र देना चाहिए जिसे जिला मैजिस्ट्रेट अपनी अनुशंसा सहित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला पुणे (411023) के कमांडेंट को अग्रेषित कर देगा।

3. अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अंतिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को आने पर, कमांडेंट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पास निम्नलिखित राशि जमा करनी होगी:—

(क) प्रति मास 40.00 रु० के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च	रु० 200.00
(ख) वस्त्र तथा उपस्कर की मदों के लिए	650.00
जोड़	850.00

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि में से नीचे लिखी राशि वापस कर दी जाएगी :—

(क) 40.00 रु० प्रति माह के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च	रु० 200.00
(ख) वस्त्र तथा उपस्करों की मदों के लिए लगभग	475.00

4. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में निम्नलिखित छात्र वृत्तियां उपलब्ध हैं :—

(1) परणु राम भाउ पटवर्धन छात्रवृत्ति :—

यह छात्र वृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैंडेटों को दी जाती है जिसके माता पिता की आय सभी साधनों से रु० 350.00 तथा रु० 500.00 के बीच हो। छात्र वृत्ति की राशि सरकारी वित्तीय सहायता के बराबर होगी। जब तक कैंडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या अन्य कमीशन पूर्व प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में रहेगा तब तक के लिए वह प्राप्य होगी किन्तु शर्त यह है कि कैंडेट का व्यवहार अच्छा रहे और वह सन्तोषजनक प्रगति करता रहे और उसके माता पिता की आय निर्धारित सीमा से कम रहे। जिन कैंडेटों को यह छात्रवृत्ति दी जाएगी उन्हें सरकार से अन्य वित्तीय सहायता नहीं दी जाएगी :—

(2) कर्नेल कंडिलफैंक मेमोरियल छात्रवृत्ति :—

यह छात्रवृत्ति 360.00 रु० प्रति वर्ष की है और उन मराठा कैंडेट को दी जाती है जो भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त वित्तीय सहायता के अतिरिक्त होगी।

(3) कुंअर सिंह मेमोरियल छात्रवृत्ति :—

दो छात्रवृत्तियां उन दो कैंडेटों को प्रदान की जाती हैं जिन्हें बिहार के उम्मीदवारों में उच्चतम स्थान प्राप्त हो। प्रत्येक छात्रवृत्ति 37.00 रु० प्रति मास की है तथा अधिकतम चार वर्ष के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़क-बासला में प्रशिक्षण के दौरान तथा उसके बाद भारतीय सेना अकादमी देहरादून तथा वायु सेना फ्लाइट कालिज तथा नौ-सेना अकादमी कोचीन में जहां कैंडेट को प्रशिक्षण के लिये राष्ट्रीय रक्षा अकादमी प्रशिक्षण पूर्ण करने पर भेजा जायेगा, दी जाती रहेगी। छात्रवृत्ति तभी मिलती रहेगी जबकि कैंडेट उपर्युक्त संस्थाओं में अच्छी प्रगति करता रहे।

(4) असम सरकार छात्रवृत्तियां :—दो छात्रवृत्तियां असम के कैंडेटों को प्रदान की जाएंगी। प्रत्येक छात्रवृत्ति

30.00 रु० प्रति मास की होगी तथा जब तक छात्र राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में रहेगा उसे मिलती रहेगी। छात्रवृत्ति असम के दो सर्वोत्तम कैंडेटों को उनके माता-पिता की आय पर ध्यान दिये बिना प्रदान की जाएगी। जिन कैंडेटों को यह छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी उन्हें सरकार की ओर से अन्य वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की जाएगी।

(5) उत्तर प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियां :—दो छात्रवृत्तियां 30.00 रु० प्रतिमास की तथा 400.00 रुपये की परिधान वृत्ति उत्तर प्रदेश सरकार के दो कैंडेटों की योग्यता तथा आय के आधार पर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में सन्तोषजनक प्रगति करने पर तीन वर्ष के लिये दी जाएगी। जिन कैंडेटों को यह छात्रवृत्तियां मिलेंगी उन्हें अन्य प्रकार की वित्तीय सहायता सरकार से नहीं मिलेगी।

(6) केरल सरकार छात्रवृत्ति :—पूरे वर्ष के लिए रु० 480/- की एक योग्यता छात्रवृत्ति रा० र० अकादमी में प्रशिक्षण की पूरी अवधि के लिये केरल राज्य सरकार द्वारा उन कैंडेट को दी जाती है जो केरल राज्य का अधिवासी निवासी हो और जो रा० र० अकादमी हेतु अखिल भारतीय सं० लो० से० आ० प्रवेश परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर लेना है, भले ही उसने यह परीक्षा राष्ट्रीय भारतीय सेना कालिज से या भारत भर में किसी सैनिक स्कूल से उत्तीर्ण की हो। ऐसा करते समय कैंडेट के पिता/संरक्षक की आर्थिक स्थिति पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है।

(7) बिहारी लाल मंडाकिनी पुरस्कार :—यह 500.00 रुपये का नकद पुरस्कार सर्वोत्तम बंगाली लड़के को अकादमी से प्रत्येक कोर्स के लिए मिलता है। आवेदन-प्रपत्र कमांडेंट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से मिलते हैं।

(8) उड़ीसा सरकार छात्रवृत्तियां :—तीन छात्रवृत्तियां—एक थल सेना, एक नौसेना तथा एक वायु सेना के कैंडेट के लिए प्रत्येक 80.00 रु० प्रति मास के हिसाब से उड़ीसा सरकार द्वारा उन कैंडेटों को दी जाएगी जो उड़ीसा राज्य के स्थायी निवासी हों। इनमें से दो छात्रवृत्तियां कैंडेटों की योग्यता तथा आय साधन के आधार पर दी जाएगी जिनके माता-पिता या अभिभावक की आय रु० 5,000/- प्रतिवर्ष से अधिक न हो तथा तीसरी छात्रवृत्ति बिना उसके माता-पिता या अभिभावकों की आय को ध्यान में रखते हुए सर्वोत्तम कैंडेट को दी जाएगी।

(9) पश्चिमी बंगाल सरकार छात्रवृत्तियां :—निम्न-लिखित वर्गों की छात्रवृत्तियां पश्चिमी बंगाल सरकार द्वारा उन कैंडेटों को दी जाएगी जो पश्चिमी बंगाल के स्थायी निवासी हों :—

(क) वर्ग 1 :—तीन छात्रवृत्तियां—(थल सेना, नौसेना तथा वायु सेना के लिये एक-एक) 360.00 रुपये प्रतिवर्ष पहले और दूसरे वर्ष के लिए और अकादमी में तीसरे वर्ष के लिये तथा विशेष प्रशिक्षण संस्था में चौथे वर्ष के लिये 480.00 रुपये तथा इसके अतिरिक्त 400.00 रुपये परि-

शान वृत्ति। यह उन कैडेटों को दी जाएगी जो अकादमी में कोई अन्य छात्रवृत्ति पाने के पात्र नहीं हैं।

(ख) वर्ग 2—तीन छात्रवृत्तियाँ 100 रुपये प्रतिवर्ष एक मुश्त सरकारी वित्तीय सहायता के अतिरिक्त दी जाएगी।

(10) पायलट अफसर गुरमीत सिंह बदी मैमोरियल छात्रवृत्ति:—रु० 420/- प्रतिमास की एक छात्रवृत्ति ऐसे कैडेट को दी जाती है जो वायु सेना कैडेटों के चौथे सत्र के अन्त में योग्यता में सर्वोत्तम होगा। यह एक वर्ष की अवधि के लिये होगी। पाँचवें और छठे सत्र के दौरान यह छात्रवृत्ति बंद कर दी जाएगी यदि प्राप्तकर्ता रेलीगेंट कर दिया गया हो या इसके प्राप्त करने की अवधि में छोड़ कर चला गया हो। जो कैडेट इस प्रकार की पहले से ही कोई योग्यता छात्रवृत्ति या वित्तीय सहायता ले रहा है, उसे यह छात्रवृत्ति नहीं दी जाएगी।

(11) हिमाचल प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियाँ—हिमाचल प्रदेश के कैडेटों को चार छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाएगी। प्रशिक्षण के प्रथम दो वर्षों के लिये छात्रवृत्तियाँ 30.00 रुपये प्रतिमास तथा प्रशिक्षण के तीसरे वर्ष के लिए 40.00 रुपये प्रतिमास मिलेंगी। यह छात्रवृत्ति उन कैडेटों को मिलेंगी जिनके माता-पिता की मासिक आय 500.00 रुपये प्रतिमास से कम होगी। जो कैडेट सरकार से वित्तीय सहायता ले रहा हो उसे छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी।

(12) तमिलनाडु सरकार की छात्रवृत्ति—तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रति कोर्स 30/- रु० प्र० मा० की एक छात्रवृत्ति तथा साथ में 400/- रु० सज्जा भत्ता (कैडेट के प्रशिक्षण की पूरी अवधि के दौरान केवल एक बार) देना शुरू किया है जो उस कैडेट को दिया जाएगा जो तमिलनाडु राज्य का हो तथा जिसके अभिभावक/संरक्षक की मासिक आय 500/- रु० से अधिक न हो। पात्र कैडेट अपना आवेदन, कमांडेंट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी को वहाँ पहुँचने पर प्रस्तुत कर सकते हैं।

(13) राजस्थान सरकार छात्रवृत्ति—राजस्थान सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रति कोर्स 50/- रु० प्र० मा० की तीन छात्रवृत्तियाँ (थल सेना, नौसेना और वायु सेना प्रत्येक को एक-एक) तथा साथ में 400/- रु० सज्जा भत्ता (कैडेट के प्रशिक्षण की पूरी अवधि के दौरान केवल एक बार) देना शुरू किया है जो उस कैडेट को दिया जाएगा जो राजस्थान राज्य के भूतपूर्व जे० सी० ओ०/अन्य रैंक या नौसेना तथा वायुसेना के समकक्ष ग्राहदाधारियों के पुत्र/आश्रित हों। पात्र कैडेट अपना आवेदन कमांडेंट, नेशनल डिफेंस एकेडेमी को वहाँ पहुँचने पर प्रस्तुत कर सकते हैं।

इन छात्रवृत्तियों की शर्तें राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़क-बासला, पुणे (411023) से प्राप्त की जा सकती हैं।

5. चुने हुए उम्मीदवारों के अकादमी में आने के बाद तत्काल उनके लिए निम्नलिखित विषयों में एक प्रारम्भिक परीक्षा होगी।

(क) अंग्रेजी

(ख) गणित

(ग) विज्ञान

(घ) हिन्दी

(क), (ख) तथा (ग) के लिये परीक्षा का स्तर भारतीय विश्वविद्यालय या हायर सेकेंडरी शिक्षा बोर्ड की हायर सेकेंडरी परीक्षा के स्तर से ऊँचा नहीं होगा। (घ) पर लिखित विषय की परीक्षा में यह जाँचा जाएगा कि उम्मीदवार को अकादमी में भर्ती होने के समय हिन्दी का कितना ज्ञान है।

अनः उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि प्रतियोगिता परीक्षा के उपरान्त अध्ययन के प्रति उदासीन न हो जाएं। प्रशिक्षण

6. तीनों सेनाओं अर्थात् थल सेना, नौसेना और वायु सेना के लिये चुने गए उम्मीदवारों को तीन वर्ष के लिये शैक्षिक तथा शारीरिक दोनों प्रकार का प्रारम्भिक प्रशिक्षण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में दिया जाता है। जो एक सर्व-सेना संस्था है। पहले ढाई वर्ष का प्रशिक्षण तीनों सेनाओं के लिये समान है। दिया गया शैक्षिक प्रशिक्षण यथास्थिति विज्ञान या मानविकी के स्नातक स्तर का होगा।

7. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने के बाद थल सेना कैडेट भारतीय सेना अकादमी, देहरादून में, नौसेना कैडेट, कैडेटों के प्रशिक्षण पोत में और वायु सेना कैडेट ई० एफ० एस० विदार जाएंगे।

8. भारतीय सेना अकादमी में सेना कैडेटों को 'जेन्टलमैन कैडेट' कहा जाता है और उन्हें एक वर्ष तक कड़ा प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इन्फैन्ट्री के उप-यूनिटों का नेतृत्व करने योग्य अफसर बन सकें। प्रशिक्षण सफलता से से पूरा करने के बाद जेन्टलमैन कैडेटों को उन के शेप (Shape) शारीरिक दृष्टि में योग्य होने पर सेकेंड लेफ्टिनेन्ट के पद पर स्थायी कमीशन दिया जाता है।

9. नौसेना कैडेटों के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने पर उन्हें नौसेना की कार्यपालक इंजीनियरी, बिजली और पूर्ति और सचिवालय शाखाओं के लिये चुना जाता है। उन्हें छह महीने के लिये कैडेट प्रशिक्षण पोत पर समुद्री प्रशिक्षण दिया जाता है जिसे सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें मिडशिपमैन रैंक में पदोन्नत किया जाता है। सम्बद्ध शाखा में 6 महीने तक आगे प्रशिक्षण पाने के बाद उन्हें कार्यकारी सब-लेफ्टिनेन्ट के रैंक में पदोन्नत किया जाता है।

10. वायु सेना कैडेटों को हवाई उड़ान का डेढ़ वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है। सभी कैडेटों को लड़ाकू पायलटों का प्रशिक्षण देने का प्रस्ताव है। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा हो जाने पर उन्हें पायलट अफसरों के रूप में कमीशन तथा उड़ान बिल्ले दिये जाते हैं। यदि किसी कैडेट का उड़ान की ओर पर्याप्त रुझान नहीं होता तो उसे भारतीय

सेना अकादमी, देहरादून में सेना कैंडेट के रूप में/नौसेना अकादमी, कोचीन में नौसेना कैंडेट के रूप में, जैसी भी स्थिति हो, और ई० एफ० एस० बिदार में उसके द्वारा पसन्द की गई सेवा में वापस जाने की अनुमति दी जा सकती है।

सेवा की शर्तें

11. थल सेना अधिकारी

(i) वेतन

रैंक	वेतनमान
	रुपये
सैफिण्ड लेफ्टिनेन्ट	750-790
लेफ्टिनेन्ट	830-950
कैप्टन	1100-1550
मेजर	1450-1800
लेफ्टिनेन्ट कर्नल (चयन द्वारा)	1750-1950
लेफ्टिनेन्ट कर्नल (समय वेतनमान)	1800 नियत
कर्नल	1950-2175
ब्रिगेडियर	2200-2400
मेजर-जनरल	2500-125/2-2750
लेफ्टिनेन्ट जनरल	3000 प्रतिवर्ष

(ii) योग्यता वेतन और अनुदान

लेफ्टिनेन्ट कर्नल और उससे नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले अधिकारी अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600/- रु०, 2400/- रु०, 4500/- रु० अथवा 6000/- रु० के एकमुश्त अनुदान के हकदार हैं। उड़ान प्रशिक्षक (वर्ग 'ख') 70/- रु० की दर पर योग्यता वेतन के अधिकारी होंगे।

(iii) भत्ते

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को इस समय निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं:—

- (क) सिविलियन राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर लागू दरों और शर्तों के अनुसार ही इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा मंहगाई भत्ते दिये जाते हैं।
- (ख) रु० 50/- प्रतिमास की दर से फिट अनुरक्षण भत्ता।
- (ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रवास भत्ता मिलेगा। यह विदेश भत्ते की तदनुसूची एकल दर का 25% से 40% तक होगा।
- (घ) विधुक्ति भत्ता: जब विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहां परिवार सहित नहीं रहा जा सकता है तब वे

अफसर 70/- रु० प्रतिमास की दर से विधुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।

(iv) तैनाती

थल सेना अफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किये जा सकते हैं।

(v) पदोन्नतियां

(क) स्थाई पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर स्थाई पदोन्नति के लिये निम्नलिखित सेवा सीमाएं हैं:—

समय वेतनमान से

लेफ्टिनेन्ट	2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कैप्टन	6 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर	13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर से लेफ्टिनेन्ट कर्नल यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
चयन द्वारा	
लेफ्टिनेन्ट कर्नल	16 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कर्नल	20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
ब्रिगेडियर	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जनरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लेफ्टिनेन्ट जनरल	28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
जनरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं।

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएं पूरी करने पर, अफसर उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिये पात्र होंगे बशर्त कि रिक्तियां उपलब्ध हों:—

कैप्टन	3 वर्ष
मेजर	6 वर्ष
लेफ्टिनेन्ट कर्नल	6½ वर्ष
कर्नल	8½ वर्ष
ब्रिगेडियर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
लेफ्टिनेन्ट जनरल	25 वर्ष

12. नौसेना अफसर

(i) वेतन

रैंक	वेतनमान		
	सामान्य सेवा	नौ सेना विमान और पन-डब्बी	
(1)	(2)	(3)	
	मासिक रु०	मासिक रु०	
मिडशिपमैन	560	560	
कार्यकारी सब-लेफ्टिनेन्ट	750	825	

(1)	(2)	(3)
सब-लेफ्टिनेंट	830-870	910-950
लेफ्टिनेंट	1100-1450	1200-1550
लेफ्टिनेंट कमांडर	1550-1800	1650-1800
कमांडर	1800-1950	1800-1950
कैप्टन	1950-2400	1950-2400
	कोमोडोर को वही वेतन मिलता है जिसके लिये वह कैप्टन के रूप में अपनी वरिष्ठता के अनुसार हकदार है।	
रियर एडमिरल	2500-125/2-2750	
वाइस एडमिरल	3000/- प्रतिमास	

कुछ निर्धारित योग्यताएं रखने वाले कमांडर और उसके नीचे के रैंक के अफसर को अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600/- रु०, 2400/- रु०, 4500/- रु० या 6000/- रु० के एकमुश्त अनुदान के हकदार हैं।

(ii) भत्ते

नौसेना विमानन अफसर उड़ान भत्ता के लिये उन्हीं दरों तथा शर्तों के अधीन होंगे जो वायु सेना के अफसरों के अनुरूपी रैंकों के लिये लागू हैं।

नौ सेना अफसर समकक्ष रैंक में थल सेना अफसरों को मिलने वाले भत्ते के लिये भी हकदार हैं। इनके अतिरिक्त उन्हें हार्ड लाइंग मनी, पनडुब्बी भत्ता, पनडुब्बी वेतन और गोता वेतन जैसी विशेष ग्यायतें भी दी जाती हैं।

(iii) पदोन्नतियां

(क) मूल पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नतियां देने के लिये सेवा सीमाएं हैं:

समय वेतनमान द्वारा

सब लेफ्टिनेंट	1 वर्ष
लेफ्टिनेंट	3 वर्ष (वरिष्ठता लाभ/जबूती के अधीन)
लेफ्टिनेंट कमांडर	लेफ्टिनेंट के रूप में 8 वर्ष की वरिष्ठता
कमांडर	24 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा (यदि चयन द्वारा पदोन्नति नहीं हुई है)।

चयन द्वारा

कमांडर कार्यपालक शाखा	लेफ्टिनेंट कमांडर के रूप में 2-8 वर्ष की वरिष्ठता।
कमांडर इंजीनियरी शाखा	लेफ्टिनेंट कमांडर के रूप में 2-10 वर्ष की वरिष्ठता।

कमांडर विद्युत् शाखा	लेफ्टिनेंट कमांडर के रूप में 2-10 वर्ष की वरिष्ठता।
कमांडर पूर्ति और सचिवालय शाखा	लेफ्टिनेंट कमांडर के रूप में 4-10 वर्ष की वरिष्ठता।
कैप्टन	कमांडर के रूप में 4 वर्ष की वरिष्ठता।
रियर एडमिरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं।
वाइस एडमिरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं।
(ख) कार्यकारी पदोन्नति	

लेफ्टिनेंट कमांडर के रैंक को छोड़कर जिसके लिए किसी अफसर की लेफ्टिनेंट के रूप में 6 वर्ष की वरिष्ठता होनी चाहिए, नौ सेना की कार्यकारी पदोन्नति के लिये कोई सेवा सीमा नहीं है।

13. वायु सेना अफसर

(i) वेतन

रैंक	वेतनमान रुपये
पाइलट अफसर	825-865
फ्लाईंग अफसर	910-1030
फ्लाईंग लेफ्टिनेंट	1300-1550
स्कवाड्रन लीडर	1650-1800
विंग कमांडर (चयन)	1750-1950
विंग कमांडर (समय वेतनमान)	1800 नियत
ग्रुप कैप्टन	1950-2175
एयर कमांडर	2200-2400
एयर वाइस मार्शल	3000
एयर चीफ मार्शल (सी० ए० एस०)	4000

(ii) भत्ते

उड़ान भत्ता—उड़ान शाखा (पायलट और नैवीगेटर) शाखाओं के अफसर निम्नलिखित दर पर उड़ान भत्ता लेने के पात्र हैं:—

	प्रतिमास रु०
पायलट अफसर से लेकर विंग कमांडर तक	375
ग्रुप कैप्टन और एयर कमांडर	333.33
एयर वाइस मार्शल और उससे ऊपर :	300

(iii) योग्यता वेतन/अनुदान—निम्नलिखित दरों पर उन उड़ान शाखा अफसरों को प्राप्य जिनके पास निर्धारित योग्यताएं हैं:—

योग्यता वेतन	रु० 100/- प्र० मा० या रु० 70/- प्र० मा०
--------------	---

योग्यता अनुदान	6000	4500
	2400	या 1600

(iv) पदोन्नतियां

(क) मूल पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर मूल पदोन्नति के लिये निम्नलिखित सेवा सीमाएँ हैं—

समय वेतन मान द्वारा

फ्लाइटिंग अफसर	1 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
फ्लाइटिंग लेफ्टिनेंट	5 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
स्क्वाड्रन लीडर	11 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
विंग कमांडर	यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो तो 24 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा पूरी कर ली हो।

चयन द्वारा

विंग कमांडर	—	स्थायी स्क्वाड्रन लीडर के रूप में 3 वर्ष की सेवा
ग्रुप कैप्टन		स्थायी विंग कमांडर के रूप में 4 वर्ष की सेवा
एयर कमांडोर		स्थायी ग्रुप कैप्टन के रूप में 3 वर्ष की सेवा।
एयर वाइस मार्शल		स्थायी एयर कमांडोर के रूप में 3 वर्ष की सेवा।
एयर मार्शल		स्थायी एयर वाइस मार्शल के रूप में 2 वर्ष की सेवा।

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

अफसरों की कार्यकारी पदोन्नति के लिए अपेक्षित न्यूनतम सेवा सीमा इस प्रकार है :—

फ्लाइटिंग लेफ्टिनेंट	2 वर्ष
स्क्वाड्रन लीडर	5 वर्ष
विंग कमांडर	6 वर्ष (स्क्वाड्रन लीडर के रैंक में एक वर्ष की सेवा के बाद)।
एयर कमांडोर	11½ वर्ष (विंग कमांडर और ग्रुप कैप्टन के रूप में 3 वर्ष की सेवा के बाद)
एयर वाइस मार्शल	15 वर्ष (विंग कमांडर, ग्रुप कैप्टन और एयर कमांडोर के रैंकों में 5* वर्ष की सेवा के बाद)।
एयर मार्शल	23 वर्ष

*खंडित अवधियों को शामिल करके।

14. सेवा निवृत्ति लाभ

पेंशन, उपदान और कैजुएल्टी पेंशनी अवार्ड समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार स्वीकार्य होंगे।

15. छुट्टी

समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार छुट्टी स्वीकार्य होगी।

परिशिष्ट IV

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री
सुपुत्र श्री जो गांव/कस्बा
..... जिला/मंडल*
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के
निवासी हैं जाति/जन* जाति के हैं
जिसे निम्नलिखित अधीन अनुसूचित जाति अनुसूचित जन जाति
के रूप में मान्यता दी गई है :—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश 1950*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

[अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूचियां (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम 1971 और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियां* आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा तथा संशोधित]।

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956 संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959 अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा तथा संशोधित*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां
आदेश, 1962*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश 1967

संविधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित जातियां आदेश,
1968

संविधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित जन जातियां
आदेश, 1968*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970

2. श्री..... और/या* उनका
परिवार आमतौर से गांव/कस्बा.....
जिला/मंडल*..... राज्य/संघ* क्षेत्र
..... में रहता है।
राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र

हस्ताक्षर.....

**पदनाम.....

(कार्यालय की मोहर के साथ)

स्थान.....

तारीख.....

*जो शब्द लागू न हों उन्हें काट दें।

नोट:—यहां "आम तौर से रहता है" का अर्थ वही होगा
जो "रिप्रेजेंटेशन आफ दि पीपुल ऐक्ट,
1950" की धारा 20 में है।

जाति/जन जाति का प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम
अधिकारी **

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर/
डिप्टी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/ डिप्टी
कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टार्पेडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी
मैजिस्ट्रेट/† सब डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक
मैजिस्ट्रेट/एकजीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट
कमिशनर।

† (प्रथम श्रेणी के स्टार्पेडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का
नहीं)।

(ii) चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसिडेन्सी
मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिनका ओहदा तहसीलदार से कम
न हो।

(iv) उम इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां
उम्मीदवार और/या उसका परिवार आम तौर से
रहता हो।

(v) गेडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट
अफसर (लक्षणीय)।

परिशिष्ट

संघ लोक सेवा आयोग

उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

क वस्तु पूरक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं, उसको 'वस्तुपूरक
परीक्षण' कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में आपको उत्तर
फैलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश
कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें
से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा
आपको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में
कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित
न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

ख परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पत्र "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका
में क्रम संख्या 1, 2, 3, के क्रम से प्रश्नांश होंगे।
हर प्रश्नांश के नीचे a, b, c, ... क्रम में संभावित प्रत्युत्तर
लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या
यदि एक से अधिक प्रत्युत्तर सही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम
प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। (अंत में दिए गए नमूने के
प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए
आपको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक
से अधिक चुन लेते हैं तो आप का उत्तर गलत माना जाएगा।

ग उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिए आपको अलग से एक उत्तर पत्रक
परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर
पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को
छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जांचे नहीं
जायेंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 200 तक चार
खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, e, ...
के क्रम से प्रत्युत्तर छपे होंगे। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश
को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा
प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर
को दर्शाने वाले आयत को पेन्सिल से काला बनाकर उसे
अंकित कर देना है, जैसा कि संलग्न उत्तर पत्रक के नमूने पर
दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के आयत को काला बनाने के
लिये स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिये।

1. [a] [b] [c] [d] [e]

2. [a] [b] [c] [d] [e]

3. [a] [b] [c] [d] [e]

आपके उत्तर पत्रक में दिये गए उत्तरों का मूल्यांकन एक मूल्यांकन मशीन से किया जाएगा, जो गलत उत्तर, एच० बी० पेंसिल के अतिरिक्त दूसरी पेंसिल के प्रयोग और विकृत उत्तर पत्रक को पहचानने में बड़ी सुग्राही है। इसलिये यह जरूरी है कि प्रश्नांशों के उत्तरों के लिये केवल अच्छी किस्म की एच० बी० पेंसिल (पेंसिलों) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें। दूसरी पेंसिलें या पेन के द्वारा बनाए गए निशान, संभव है, मशीन से ठीक ठीक न पढ़े जाएं।

2. अगर आपने गलत निशाना लगाया है, तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें। इसके लिये आप अपने साथ एक रबर भी लायें।

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाये या उसमें मोड़ व सखट आदि पड़ जाएं और वह टेढ़ा हो जाए।

घ. कुछ महत्वपूर्ण नियम :

1. आपको परीक्षा आरंभ करने के लिये निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।

2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर बड़ा दंड दिया जाएगा।

5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा /परीक्षण का नाम, अपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या स्याही से साफ साफ लिखें। उत्तर पत्रक पर आप कहीं भी अपना नाम न लिखें।

6. परीक्षण पुस्तिका में दिये गये सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। चूंकि मूल्यांकन मशीन द्वारा होता है इसलिये संभव है कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नंबर कम हो जायें। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांक के लिये आपको कोई नंबर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिये गये अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरंभ या समाप्त करने का कह दें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण पत्र साथ लायें। आपको अपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबर, एक पेंसिल शार्पेनर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा, पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिये आपको एक

अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक के पास भेज दें।

ड. विशेष अनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। प्रत्येक परीक्षण-पुस्तिका पर हाशियें में सील लगी होगी जिससे कि परीक्षण शुरू हो जाने के पहले उसे कोई खोल नहीं पाए। जैसे ही आपको परीक्षण पुस्तिका मिल जाए, तुरंत आप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है और सील लगी हुई है। अन्यथा, उसे बदलवा लें। जब यह हो जाये तो आपको उत्तर पत्रक से सम्बद्ध खाने में अपनी परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या लिखनी होगी। जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका की सील तोड़ने को न कहें तब तक आप उसे न तोड़ें।

च. कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का, दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं, बढ़ें, पर लापरवाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिन्ता न करें। आपको जो प्रश्न अत्यंत कठिन मालूम पड़ें, उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर आपको अंक दिये जायेंगे।

प्रश्न इस तरह बनाए जाते हैं कि उनसे आपकी स्मरण शक्ति की अपेक्षा, जानकारी, सूझ बूझ और विश्लेषण क्षमता की परीक्षा हो। आपके लिये यह लाभदायक होगा कि आप संगत विषयों को एक बार सरसरी निगाह से देख लें और इस बात से आश्वस्त हो जाएं कि आप अपने विषय को अच्छी तरह से समझते हैं।

छ. परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बंद करने को कहें, आप लिखना बंद कर दें। जो उम्मीदवार इस तरह बंद नहीं करते हैं, वे दंड के भागी होंगे।

जब आपका उत्तर लिखना समाप्त हो जाए तब आप अपने स्थान पर तब तक बैठें रहें जब तक कि निरीक्षक आपके यहां आकर आपकी परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक न ले जावें और आपको 'हाल' छोड़ने की अनुमति न दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक

परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस निर्देश का उल्लंघन करने वाले दंड के भागी होंगे।

नमूने के प्रश्न

1. मौर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरदायी नहीं है ?

- (a) अशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर थे।
- (b) अशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।
- (c) उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।
- (d) अशोकोत्तर युग में आर्थिक रिक्तता थी।

उत्तर (d)

2. संसदीय स्वरूप की सरकार में

- (a) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (d) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (e) कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

उत्तर (e)

3. पाठशाला के छात्र के लिए पाठ्येतर कार्य कलाप का मुख्य प्रयोजन

- (a) विकास की सुविधा प्रदान करना है।

(b) अनुशासन की समस्याओं की रोकथाम है।

(c) नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है।

(d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है।

उत्तर (a)

4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह है :

- (a) शुक्र
- (b) मंगल
- (c) बृहस्पति
- (d) बुध

उत्तर (d)

5. वन और बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्नलिखित में से कौन-सा विवरण स्पष्ट करता है ?

- (a) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, मिट्टी का क्षरण, उतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
- (b) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, नदियां उतनी ही गाढ़ से भरी होती हैं जिससे बाढ़ होती है।
- (c) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, नदियां उतनी ही कम गाढ़ से भरी होती हैं जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
- (d) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं उतनी ही धीमी गति से बर्फ पिघल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

उत्तर (c)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 30th November 1978

No. A. 12019/1/75-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints the following Superintendents (Holl.) in the office of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis as Assistant Controller (D.P.) in the Commission's office for the period from 2-12-1978 to 28-2-1979, or until further orders, whichever is earlier:—

1. Shri J. L. Kapur,
2. Kumari Santosh Handa.

The 6th December 1978

No. A.32014/1/78-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri M. L. Dhawan, a permanent Superintendent (Holl.) to officiate on an *ad hoc* basis as Deputy Controller (D.P.) in the office of Union Public Service Commission for the period from 2-12-1978 to 28-2-1979, or until further orders, whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN,
Under Secy.
for Chairman

New Delhi, the 30th November 1978

No. A.12019/1/75-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints the following Assistant Superintendents (Holl.) in the office of Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis as Section Officer (D.P.) in the Commission's office for the period from 2-12-1978 to 28-2-1979, or until further orders, whichever is earlier:—

1. Shri B. R. Gupta,
2. Shri M. M. Sharma,
3. Shri Jagdish Lal.

S. BALACHANDRAN, Under Secy.
for Secy.

New Delhi-110011, the 7th December 1978

No. A.32014/1/78-Admn.I.—On his revision from the post of First P.A. to the former Minister of State for Information and Broadcasting in the Ministry of Information and Broadcasting, New Delhi the President is pleased to appoint Shri P. P. Sikka, permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) and officiating in the Selection Grade for Grade C Stenographer in the cadre of Union Public Service Commission, to officiate as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the same cadre on purely temporary and *ad hoc* basis for a period from 30-11-78 to 28-2-79 or until further orders, whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN,
Under Secy (Admn.)
Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS,
DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION.

New Delhi, the 8th December 1978

No. A-20023/5/75-Ad.V.—Shri S. V. Palnitkar, a Police Prosecutor of Maharashtra State Police, working as Public Prosecutor on deputation in C.B.I. is repatriated to his parent State with effect from 10-11-78

RIPDAMAN SINGH,
Administrative Officer (A).
C. B. I.

DIRECTORATE GENERAL, CRPF.

New Delhi-110001, the 13th December 1978

No. O.II-1383/77-Estt.—The President is pleased to allow Shri K. N. Lohani, Dy. S. P. in the CRPF, to retire voluntarily from service under the Scheme of Voluntary Retirement for Central Government Employees contained in the MHA (DP&AR) O.M. No. 25013/7/77-Estt (A) dated 26-8-77.

2. Shri Lohani relinquished charge of the post of Dy. S.P. 23rd Bn. CRPF on 26-10-78(FN).

No. P.VII-2/78-Estt.—Shri M. R. Lakhera, Office Supdt. of the CRPF is promoted to the grade of Section Officer on purely *ad hoc* basis in the Directorate General, CRPF, New Delhi w.e.f. 27-11-78 (FN.)

The 15th December 1978

No. O.II-626/70-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion on *ad hoc* basis Shri Divakar Misra as Asstt. Commandant in the CRPF in a temporary capacity until further orders.

2. Shri Divakar Misra handed over charge of the post of Dy. S.P./Coy. Commander 15th Bn. CRPF on the afternoon of 4-11-78 and took over charge of the post of Asstt. Commandant 45th Bn. CRPF, on the forenoon of 12-11-78.

No. O.II-64/73-Estt.—The Government of India regret to notify that Shri K. H. Karamchandani, a senior Public Prosecutor of Government of U.P., on deputation as Assistant Director (Legal) in the Directorate General, CRPF, New Delhi expired on the afternoon of 4th December, 1978.

No. F.8/17/78-Estt(CRPF).—The President is pleased to accept the resignation of Lt. Col. V. K. Sahni, a retired Army Officer, re-employed as Principal CTC-I, CRPF, Neemuch with effect from 26-10-78 (FN).

The 19th December 1978

No. O.II-1104/73-Estt.—On the expiry of 43 days L.P.R. wef. 19-9-78 to 31-10-78 granted to him, Shri S. B. Gurang, Dy. S.P., 1st Bn., CRPF retired from service in this Force wef. afternoon of 31-10-78.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 14th December 1978

No. E-32015(2)/2/76-Pers.—On attaining the age of superannuation Col. B.C. Paul relinquished the charge of the post of Principal, CISF Trg. College, Hyderabad with effect from the afternoon of 30th Sept., 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Guhati Sh. S. K. Tah assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, Farraka Barrage Project with effect from the afternoon of 12th Oct. 1978.

Sd. ILLEGIBLE
INSPECTOR-GENERAL/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 13th December 1978

No. 25/39/73-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification of even number dated 8-2-1978, the President is pleased to extend the appointment of Shri N. G. Nag, Officer on Special Duty (Scheduled Castes and Scheduled Tribes) in the office of the Registrar General, India, as Assistant Registrar General (Social Studies), in the same office, on a purely temporary and *ad hoc* basis, upto 30th September 1979, or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier. The *ad hoc* appointment to the post of Assistant Registrar General (S.S.) will not bestow on Shri Nag a claim for regular appointment to that post. The service rendered by him on *ad hoc* basis in the post of Assistant Registrar General (Social Studies) will not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion to the next higher grade.

2. The headquarters of Shri Nag will continue to be at New Delhi.

No. 25/39/73-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification of even number dated 15-3-1978, the President is pleased to extend the appointment of Shri C. G. Jadhav, Research Officer (Social Studies) in the Office of the Registrar General, India, as Officer on Special Duty (Scheduled

Castes and Scheduled Tribes), in the same office, on a purely temporary and *ad hoc* basis, upto 30th September, 1979, or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier. The *ad hoc* appointment to the post of Officer on Special Duty (Scheduled Castes & Scheduled Tribes) will not bestow on Shri Jadhav a claim for regular appointment to that post. The service rendered by him on *ad hoc* basis in the post of Officer on Special Duty (Scheduled Castes & Scheduled Tribes) will not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion to the next higher grade.

2. The headquarters of Shri Jadhav will continue to be at New Delhi.

No. 25/39/73-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification No. 10/9/78Ad.I dated 24-5-1978, the President is pleased to extend the appointment of Shri E. Ramaswamy, Investigator (Social Studies) in the office of the Registrar General, India, as Research Officer (Social Studies) in the same office, on a purely temporary and *ad hoc* basis, upto 30th September, 1979 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier. The *ad hoc* appointment to the post of Research Officer (Social Studies) will not bestow on Shri Ramaswamy a claim for regular appointment to that post. The service rendered by him on *ad hoc* basis in the post of Research Officer (Social Studies) will not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion to next higher grade.

2. The headquarters of Shri Ramaswamy will continue to be at New Delhi.

P. PADMANABHA,
Registrar General, India.

MINISTRY OF DEFENCE
DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS.
BANK NOTE PRESS, DEWAS.

Dewas, the 10th December, 1978

No. BNP/C/5/78:—In continuation to this Department's Notifications of even number dated 24-9-78, the following *ad hoc* appointments have been continued for a further period of three months with effect from 1-12-78 or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier on the same terms and conditions:—

Sr. No.	Name	Post to which appointed on <i>ad hoc</i> basis.
S/Shri		
1.	A. S. Vhatkar	Technical Officer (Printing & Platemaking)
2.	M. Ponnuthurai	Do.
3.	D. R. Kondawar	Do.
4.	Y. Janardan Rao	Do.
5.	Rampalsingh	Do.
6.	N. R. Jayraman	Do.
7.	Samarendra Dass	Do.
8.	M. Dutta	Technical Officer (Designing & Engraving)
9.	Arun Kumar Ingle	Technical Officer (Ink Factory Research & Laboratory)
10.	J. N. Gupta	Technical Officer (Ink Factory Production)

P. S. SHIVARAM,
General Manager.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR
GENERAL OF INDIA

New Delhi-2, the 16th December 1978

No. 1665-CA.I/38-74.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has permitted Shri N. T.

Nair, Audit Officer (Commercial) to retire Voluntarily from Government service under provision of Government of India, Ministry of Home Affairs O.M. No. 25013/7/77-Estt (A) dated 26-8-77 with effect from 30-11-78 (F.N.).

M. S. GROVER,
Deputy Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

Hyderabad, the 21st November 1978

No. EB.I/8-312/685.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I has been pleased to promote Sri B. Venkata Raman Reddy, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 24-10-78 AN/ until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. EB.I/8-312/687.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I has been pleased to promote Sri M. Satyanarayana a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 26-10-78 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

Sd./- ILLEGIBLE
Senior Deputy Accountant General (Admn.)

Gwalior the 13th December 1978

No. OE-I/356.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to promote the following permanent Section Officers as Accounts Officers in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-E B-40-1200 with from the dates noted against each.

Sarvashri

1. K. M. Shukla (02/0244) :-22-11-78 Forenoon.
2. P. S. Bhatawekar (02/0245):-22-11-78 Forenoon.

KRISHNA GOPAL
Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
DEFENCE SERVICES.

New Delhi, the 18th December 1978

No. 4557/A-Admn/130/75-78.—On his superannuation, Shri S. V. Subramaniam, Substantive Audit Officer of the Audit Department, Defence Service, retired from service with effect from 31-10-78 (AN).

K. B. DAS BHOWMIK,
Sr. Dy. Director of Audit
Defence Services.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 5th December 1978

No. 18339/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri A. V. Rajamani, Assistant Controller of Defence Accounts will be transferred to the Pension Establishment and accordingly struck off strength of the Defence Accounts Department with effect from 30-4-79 (afternoon)

The 15th December 1978

No. 86016(15)/77-AN-II:—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs.

1500-60-1800-100-2000) of that Service with effect from the dates shown against them, until further orders:—

Sl. No.	Name of Officer	Date from which appointed.
S/Shri		
1.	J. Subramanian	23-10-1978 (Forenoon)
2.	S. S. Savadi	15-11-1978 (Do.)
3.	G. S. Rajamani	30-10-1978 (Do.)
4.	B. D. Singh	30-10-1978 (Do.)
5.	M. Kumaraswami	8-11-1978 (Do.)
6.	Amar Chand	17-10-1978 (Do.)

The 16th December, 1978

No. 23011-A(2)/78-AN-II:—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service in Level I of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service in a substantive capacity with effect from the dates shown against them:—

Sl. No.	Name of the Officer	Date from which appointed.
1.	Shri B. M. Prabhu	1-1-1977
2.	Shri N. V. C. Sekarajah	2-2-1977
3.	Shri R. Venkataraman	1-12-1977
4.	Shri V. S. Bhiri	1-5-1978
5.	Shri C. L. Chaudhry	1-11-1978
6.	Shri N. Rajan	1-11-1978

R. L. BAKHSI,
Addl. Controller General of Defence Accounts
(AN)

New Delhi-110022, the 15th December 1978

No. 86016(15)/77-AN-II:—The President is pleased to appoint Shri R. L. Bakshi an officer of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the Senior Administrative Grade Level-I (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service with effect from 12-12-1978 (forenoon) until further orders.

B. SWAMINATHAN,
Deputy Controller General of Defence Accounts (P&W).

MINISTRY OF DEFENCE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
Calcutta the 8th December 1978

No. 84/G/78.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officer as Offg. Addl. DGOF with effect from the date shown against him, until further orders:—

Shri I. K. Nayak, Offg. DDGOF (Level-I).—27th Oct., 1978 (A/N).

No. 85/G/78.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officer as Offg. GM(SG)-Level-I with effect from the date shown against him, until further orders:—

Shri P. L. Jalota, Offg. GM(SG)-Level-II 30th Sept., 1978.

No. 86/G/78.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. GM (SG)-Level-II/DDGOF-Level-II with effect from the date shown against them until further orders:—

- (1) Shri C. S. Gourishankaran, Offg. ADOF/Gr.I.—20th July, 1978.
- (2) Dr. V. M. I. Nambissan, Pt. GM/Gr.I.—20th July, 1978.

No. 87/G/78.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. GM/Gr. I and ADOF/Gr.I. with effect from the date shown against them, until further orders:—

- (1) Shri K. D. Kalia, Pt. Dy. GM.—20th August, 1978.

- (2) Shri R. M. Apte, Pt. Principal.—20th August, 1978.
- (3) Shri R. K. Mitra, Pt. ADOF/Gr.II.—25th August, 1978.

No. 88/G/78.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. Manager/Sr. DADO with effect from the date shown against them until further orders:—

- (1) Shri S. Krishnamoorthy, Pt. D. M.—2nd Sept., 1978.
- (2) Shri A. W. Lalwaney, Pt. D. M.—2nd Sept., 1978.
- (3) Shri N. S. Sharma, Pt. D. M.—2nd Sept., 1978.

No. 89/G/78.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. DM/DADO with effect from the date shown against them, until further orders:—

- (1) Shri S. H. Taonu, Offg. A. M.—2nd Sept., 1978.
- (2) Shri S. C. Talukdar, AM (Prob).—2nd Sept., 1978.
- (3) Shri M. G. Pathak, Offg. A.M.—2nd Sept., 1978.
- (4) Shri V. K. Jain, AM(Prob).—2nd Sept., 1978.
- (5) Shri A. N. Prasad, AM(Prob).—2nd Sept., 1978.
- (6) Shri S. K. Ghosh, Offg. TSO.—2nd Sept., 1978.
- (7) Shri Harjit Singh, AM (Prob).—2nd Sept., 1978.
- (8) Shri P. C. Mitra, AM(Prob).—2nd Sept., 1978.
- (9) Shri B. P. Mahapatra, AM(Prob).—2nd Sept., 1978.
- (10) Shri A. K. Basu, Offg. TSO.—2nd Sept., 1978.
- (11) Shri R.M. Bhise, Offg. A.M.—2nd Sept., 1978.
- (12) Shri M. S. Chakrabarty, Offg. A.M.—2nd Sept., 1978.

The 14th December 1978

No. 90/78/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri N. B. Basu, Offg. I.S.O. (Subst. & Permt. Staff Asst.) retired from service with effect from 31st August, 1978 (A/N).

V. K. MEHTA,
Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION
(DEPARTMENT OF COMMERCE)
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 16th December 1978

No. 6/574/59-Admn(G)/8823.—The President is pleased to re-instate Shri D. S. Morkrima in the post of Deputy Chief superannuation Shri R. S. Agrawal, an officer of the Section

IMPORTS AND EXPORTS TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/574/59-Admn(G)/8823.—The President is pleased to re-instate Shri D. S. Morkrima in the post of Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this office with effect from 17-11-1978(FN).

2. This office Notification No. 6/574/59-Admn(G) dated 15-7-1976 stands cancelled.

No. 6/877/69-Admn(G)/8837.—On attaining the age of superannuation, Shri N. S. S. Iyengar, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay relinquished charge of the post on the afternoon of the 31st October, 1978.

No. 6/931/71-Admn(G)/8844.—On attaining the age of superannuation Shri R. S. Agarwal, an officer of the Section Officer's Grade of the CSS, relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 30th November, 1978.

K. V. SESHADRI,
Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay, the 16th December 1978

No. CER/6/78.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment in the Textile Commissioner's Notification No. T.C.(4)/58 dated the 7th March, 1958, namely:—

In the Table appended to the said Notification against S. No. 17 for the existing entries in column 2, the following entries shall be substituted namely:—

- (i) All District Magistrates/Deputy Commissioners in West Bengal.
- (ii) Commissioner of Police, Calcutta.
- (iii) Director, Handloom & Textiles, West Bengal.
- (iv) Joint Director, Handloom & Textiles, West Bengal.
- (v) All Deputy Directors Handloom & Textiles, West Bengal.
- (vi) Deputy Director (Power looms) West Bengal.
- (vii) All Assistant Directors (Handloom & Textiles) West Bengal.
- (viii) Assistant Director (Textiles), West Bengal.
- (ix) All Handloom Development Officers, West Bengal.
- (x) Officers of the Police & Excise Deptt. West Bengal. (not below the rank of Sub-Inspector).
- (xi) All Assistant Registrar Co-operatives Societies, West Bengal.
- (xii) All Inspectors of Co-operative Societies in West Bengal.

G. S. BHARGAVA,
Joint Textile Commissioner.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 15th December 1978

No. A-1/1 (568).—Shri A. Rajaram Rao, Assistant Director (Admn.) (Gr. I) in the office of the Director of Supplies & Disposals Madras retired from Government service with effect from the afternoon of 30th November, 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

No. A-1/1 (1127)/78. The Director General (Supplies & Disposals) is pleased to appoint Shir B. Satyanarayana, Section Officer of the CSS in the D.G.S.&D., New Delhi to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Director (I.t.) (Gr. II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from 25-11-78 (FN) and until further orders.

No. A-1/1 (1128)/78. The Director General (Supplies & Disposals) is pleased to appoint Shir R. Doraiswami, Section Officer of the CSS in the D.G.S.&D., New Delhi to officiate on deputation basis as Assistant Director (Lit.) (Gr. II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from 30-11-78 (FN) and until further orders.

No. A-1/1(1129)/78.—The Director General (S&D) is pleased to appoint Shri Prakash Khare Section Officer of the CSS in the D.G.S.&D., New Delhi to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Director (I.t.) (Gr. II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from 29-11-78 (FN) and until further orders.

SURYA PRAKASH,
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 16th December 1978

No. A.6/247(283)/60-II.—Shri A.K. Mandal, permanent Asstt. Inspecting Officer (Tex.) and officiating Inspecting officer [Tex.] (Grade III of IIS Group A) Textile Branch) in the office of the Director of Inspection Bombay under Dte. General of Supplies and Disposals expired on 10-11-78.

SURYA PRAKASH,
Dy. Director (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALYA (KHAN VIBHAG)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 12th December 1978

No. 8876.B.2222(AM)/19A.—Shri Asok Mukhopadhyay is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 28th October, 1978, until further orders.

No. 8905B.2251(J)/19B.—Shri Jayanand, Driller has been released from the Geological Survey of India with effect from the afternoon of 25th October, 1978 on his appointment to the post of Deputy Drilling Engineer in Mineral Exploration Corporation Limited.

No. 8946.B.2222(RG)/19A.—Shri R. Gopalakrishnan is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 11th September, 1978, until further orders.

No. 8958.B.2222(MSJ)/19A.—Shri M. S. Jaham is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 18th September, 1978, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY,
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 2nd December 1978

No. A.19011(24)/78-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri Y. P. Dubey to the post of Assistant Controller of Mines in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 7th November, 78, until further orders.

The 14th December 1978

No. A.19011(224)/78-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri S. B. Chauhan to the post of Senior Mining Geologist in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600/- in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 10th November, 1978, until further orders.

S. BALAGOPAL,
Head of Office

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA
INDIAN MUSEUM

Calcutta-16, the 14th December 1978

No. 4-156/78/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Smt. Rajalakshmi Misra to

a post of Assistant Anthropologist (Cultural) in this Survey at the Southern Region, Mysore, on a temporary basis, with effect from the forenoon of 24th November, 1978, until further orders.

C. T. THOMAS,
Senior Administrative Officer

SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 14th December 1978

No. E1-5442/913-H.—In continuation of this office Notification No. E1-35232/913-H dated the 10th July, 1978, the *ad hoc* appointment of Shri R. K. Chamoli Hindi Officer of the Surveyor General's Office is further extended upto 31st March, 1979 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

K. L. KHOSLA,
Major-General
Surveyor General of India.

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi, the December 1978

No. 1/6/78-SH.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri N. K. V. Pillai working as Head Clerk Accountant at Commercial Broadcasting Services, All India Radio, Trivandrum to officiate on *ad hoc* basis as Administrative Officer at All India Radio, Gauhati in the scale of Rs. 650-960 with effect from 12-9-78 (F.N.) until further orders.

S. V. SESHADRI,
Deputy Director of Administration
for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

FILMS DIVISION

Bombay-26, the 14th December 1978

No. A.31014/10/75-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints the undermentioned officiating Branch Managers, Films Division, to the posts of Branch Manager in substantive capacity with effect from the date shown against each:

S. No. Name Date

- (1) Shri A. K. Narang.—1-8-1977.
- (2) Shri S. Balasubramanian.—1-1-1978.

M. CHANDRAN NAIR,
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 12th December 1978

No. A.30015/2/78-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri D. P. Uniyal, in a quasi-permanent capacity in the post of Assistant Media Executive in this Directorate with effect from 18th September, 1974, until further orders.

R. DEVASAR,
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising &
Visual Publicity.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 18th December 1978

No. A.19020/4/78-Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri Khinparmal Bhimani, Assistant Administrative Officer, Safdarjang Hospital, New Delhi, retired from Government service on the afternoon of the 31st October, 1978.

S. L. KUTHIALA,
Deputy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 7th December 1978

No. A-31014/3/78-A. I.—The Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India, is pleased to appoint the following officers substantively to the permanent posts of Marketing Officer (Group I), Marketing Officer (Group II) and Marketing Officer (Group III) in the Directorate of Marketing & Inspection with effect from the dates indicated against each:—

I. Marketing Officer (Group I)

S/Shri		
1.	R. N. Mehrotra	11-5-1964
2.	T. M. Mustafi	11-5-1964
3.	G. R. R. Murthy	24-10-1965
4.	A. K. Bhattacharya	24-10-1965
5.	Dr. J. N. Chaturvedi	1-1-1967
6.	P. S. Jagannath Babu	15-2-1967
7.	S. R. Patel	15-2-1967
8.	R. Kannan	15-2-1967
9.	T. P. Jadhav	15-2-1967
10.	S. Ghosh	15-2-1967
11.	R. L. Dandwate	15-11-1970
12.	M. B. K. Rao	16-10-1977
13.	G. K. Pawar	16-10-1977
14.	K. Koteswara Rao	16-10-1977
15.	M. K. Biswas	16-10-1977
16.	V. P. Sharma	16-10-1977
17.	A. P. Tichkule	16-10-1977
18.	R. C. Banerjee	16-10-1977
19.	Ram Singh	16-10-1977
20.	N. Gopal	16-10-1977
21.	V. M. Shellar	16-10-1977

II. Marketing Officer (Group II)

S/Shri		
1.	G. D. Bhogale	5-11-1963
2.	M. N. Dhumc	30-7-1970
3.	N. R. Mukhopadhyaya	7-1-1973
4.	K. B. Melanta	31-3-1977

*This Directorate's Notification No. F. 1/170/71-AF. I date 16-4-73 and subsequent corrigendum dated 10-9-1973 appointing Shri G. D. Bhogale substantively to the post of Marketing Officer (Group II) with effect from 1-1-1967, may now be treated as cancelled.

III. Marketing Officer (Group III).

S/Shri		
1.	C. C. Ninan	7-7-1964
2.	B. A. Sarnobat	10-8-1966
3.	P. S. Krishnan	10-8-1966
4.	H. N. Bhatnagar	18-12-1973
5.	Chandra Mohan	18-12-1973
6.	K. Somasundaram	18-12-1973
7.	P. Ravindranathan	18-12-1973
8.	Laxmi Narain	15-12-1975

The lien of the above-mentioned officers in the lower posts, if any, shall stand terminated with effect from the date of confirmation in the post of Marketing Officer.

B. L. MANIHAR,
Director of Administration.

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION**

Bombay-85, the 29th November 1978

No. PA/73(13)/78-R-IV.—In continuation of Notification of even number dated September 22, 1978, the Director, BARC appoints Dr. (Smt.) Chandraprabha Satyaprakash Mittal as Resident Medical Officer in the Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity for a further period from the forenoon of November 11, 1978 to the afternoon of December 2, 1978 *vice* Dr. (Smt.) P. K. Ajbani granted leave.

The 30th November 1978

No. PA/34(2)/78-R-IV.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Krishan Singh Rawat, Assistant Security Officer, Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Security Officer in the same Research Centre, as under :—

- (i) On an *ad hoc* basis from December 1, 1977 (FN) to October 16, 1978 (FN).
- (ii) On a regular basis from October 16, 1978 (FN) until further orders.

S. RANGANATHAN,
Dy. Establishment Officer (R)

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
(ATOMIC MINERALS DIVISION)**

Hyderabad-500016, the 13th December 1978

No. AMD/1/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri Adarsh Kumar as a Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division with effect from 6th December, 1978 forenoon until further orders.

S. Y. GOKHALE,
Sr. Administrative & Accounts Officer.

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP, the 2nd December 1978

No. TAPS/1/19(3)/77-R.—On transfer from Department of Atomic Energy, the Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri D. G. Kataria, officiating Assistant Accounts Officer on de-basis in DAE, as Assistant Accounts Officer on deputation, basis in DAE, as Assistant Accounts Officer on de-40-960/- in the Tarapur Atomic Power Station with effect from the forenoon of October 3, 1978, until further orders.

A. D. DESAI,
Chief Administrative Officer.

**OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL
AVIATION**

New Delhi, the 18th December 1978

No. A.32014/2/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri O. P. B. Minocha, Communication Assistant, Aeronautical Communication Station, Bombay to the grade of Assistant Communication Officer on regular basis w.e.f. 3-11-78(FN) and to post him in the same station.

S. D. SHARMA,
Deputy Director of Administration.

New Delhi, the 12th December 1978

No. A.39013/7/78.EA.—The Director General of Civil Aviation has been pleased to accept the resignation from Government service of Shri M. A. Bhat, Assistant Aerodrome Officer, Safdarjung Airport, New Delhi with effect from the 30th November, 1978 (AN).

15—406GI/78

The 13th December 1978

No. A.32016/6/76EA.—The Director General of Civil Aviation has been pleased to appoint Shri B. L. Chaddah, Aerodrome Assistant to the post of Assistant Aerodrome Officer, purely on *ad hoc* basis, with effect from the 27th November, 1978 and upto the 31-8-1979 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier. Shri Chaddah is posted at Safdarjung Airport, New Delhi.

The 14th December 1978

No. A.32013/18/78EA.—The President has been pleased to promote Shri Kripa Shanker, Aerodrome Officer, to the grade of Senior Aerodrome Officer, on purely *ad hoc* basis, with effect from the 29th November, 1978 for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

Shri Kripa Shanker is posted as Senior Air Safety Officer in the office of the Regional Director, Delhi Region, Safdarjung Airport, New Delhi.

V. V. JOHRI,
Assistant Director of Administration.

New Delhi, the 15th December 1978

No. A.31013/4/76-ES.—The President has been pleased to appoint the undermentioned Senior Aircraft Inspector in a substantive capacity with effect from 8th June, 1978 :—

1. Shri S. K. Behal.
2. Shri K. J. Menon
3. Shri C. V. Swaminathan
4. Shri A. N. Mukherjee
5. Shri S. G. Goswami
6. Shri P. G. Kurian
7. Shri A. N. Chakraborty
8. Shri S.R. Das
9. Shri L. P. Arora

S. L. KHANDPUR,
Assistant Director of Administration.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Kanpur, the 26th August 1978

No. 19/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. j/A/52/77 dated 11-3-77 issued under endt. C. No. II(3)99-Estt/77/6838 dated 11-3-77 in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, Shri R. L. Virmanl, Inspector (SG) took over the charge of Supdt. Central Excise, M.O.R. III Kaimganj in the forenoon of 4-4-77.

K. PRAKASH ANAND,
Collector

Indore, dated the 18th December 1978

No. 1/78.—Consequent upon their promotion as Superintendent of Central Excise, Group 'B' the following Inspectors of Central Excise (S.G.) have assumed their charges as Superintendents of Central Excise, Group 'B' as shown against their names :—

Sl. No.	Name of officer	Place of posting	Date of assumption of charge
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	V. K. Handa	Supdt. R.B.C. Assessment Range No. II, Hqrs. Indore.	16-1-78 (F.N.)
2.	M. B. Athale	Supdt. MOR IV, Indore	16-1-78 (F.N.)

(1)	(2)	(3)	(4)
3. G. N. Markandey	Supdt. (Stat.), M. P. Coll'te at Nagpur.	17-1-78 (F.N.)	
4. K. L. Shrivastava	Supdt., MOR I Gwalior	16-1-78 (F.N.)	
5. P. N. Dange	Supdt. (Audit), Hqrs. Indore.	16-1-78 (F.N.)	
6. S. C. Shrivastava	Supdt. Raipur Outer II	23-1-78 (F.N.)	
7. M. P. Mailar Pawar	Supdt. RBC	30-1-78	
	Assessment Range No. V Divn. Raipur	(F.N.)	
8. N. K. Diwan	Supdt. Isolated Range, Champa	16-1-78 (A.N.)	
9. R. D. Malhotra	Supdt. Isolated Range, Dhar	21-1-78 (F.N.)	
10. M. Rashid	Supdt. (II), Ranges Dn. Indore	16-1-78 (F.N.)	
11. G. B. S. Pawar	Supdt. Durg	24-1-78 (F.N.)	

Indore, the 17th March 1978

No. 2/1978.—Shri R. C. P. Verma, lately posted as Superintendent, Central Excise Group 'B' M. O. R. Katni in Madhya Pradesh, Central Excise Collectorate, Indore having been attained the age of Superannuation has retired from Government Service in the afternoon of 28th Feb. 1978.

No. 3/1978.—Consequent upon his promotion as Superintendent, Central Excise, Group 'B' Shri M. S. Choure, Inspector, of Central Excise (S.G.) has assumed charge as Superintendent I Central Excise Satna in the forenoon of 6th March, 1978.

No. 4/1978.—Shri G. L. Choukse, lately posted as Superintendent C. Ex. Group 'B' (Tech.), Division Indore in Madhya Pradesh, Central Excise Collectorate, Indore having been attained the age of superannuation has retired from Government service in the afternoon of 31st March 1978.

Shri S. A. Rashid, lately posted as Superintendent C. Ex. Group 'B' M.O.R.II Bhopal in Madhya Pradesh Central Excise-Collectorate, Indore, having been attained the age of superannuation has retired from Government service in the afternoon of 30th April, 1978.

No. 5/78.—Consequent upon their promotion as Superintendent of Central Excise, Group 'B' the following Inspectors of Central Excise (S.G.) have assumed their charges as Superintendents of Central Excise, Group 'B' as shown against their names :—

S. No.	Name of officer	Place of posting	Date of assumption of charge
1.	Shri W. W. Gurjar	Range II, Indore	15-6-78 (A.N.)
2.	Shri P. L. Bhagdikar	M.O.R. Katni	30-5-78 (F.N.)
3.	Shri L. P. Sharma	Division Indore	31-5-78 (F.N.)

No. 6/1978.—Shri B. P. Rekhde, lately posted as Superintendent, Central Excise Group 'B' Valuation, Hqrs. Office, Indore in Madhya Pradesh Central Excise Collectorate, Indore has voluntarily retired from Government service in the afternoon of 30th June, 1978.

No. 7/1978.—Shri M.N. Pathak, lately posted as Supdt. C. Ex. Group 'B' (Tech.), Divisional Office, Raipur in Madhya Pradesh, Central Excise Collectorate, Indore having been attained the age of superannuation has retired from Government service in the afternoon of 31st July, 1978.

No. 8/1978.—Consequent upon their promotion as Supdt. of C. Ex. Group 'B' the following Inspectors of C. Ex. (S.G.) have assumed their charges as Supdts. of C. Ex. Group 'B' as shown against their names :—

Sl. No.	Name of officer	Place of posting	Date of assumption of charge
1.	Shri R. L. Bavaria	M.O.R. Rajnandgaon	31-7-78 (F.N.)
2.	Shri V. G. Kale	M.O.R. II, Gwalior	24-8-78 (F.N.)

M. S. BINDRA
Collector

Indore, the 14th December 1978

No. 9/78.—Consequent upon his promotion as Examiner of Accounts, Central Excise Group 'B' Shri D. R. Dhandre has assumed charge as Examiner of Accounts, C. Ex. Hqrs. Office, Indore in the forenoon of 1-11-78.

No. 10/78.—Shri K. V. Thatte, lately, posted as Administrative Officer, Central Excise, Group 'B' Divisional Office, Raipur in Madhya Pradesh, Central Excise Collectorate, Indore has voluntarily retired from Government service in the afternoon of 31st October, 1978.

M. R. PAROOLEKAR
Collector

OFFICE OF THE COLLECTOR, CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Faridabad, the 15th December 1978

No. II (7) 2-E.T./78/12420.—In pursuance of Ministry's order No. 139/78 dated 29-8-78, the following officers have assumed charge as Assistant Collector of Central Excise/Customs (Junior scale)/Superintendent, Central Excise, Group 'A' as indicated below :—

Sl. No.	Name of officer	Place of posting	Date of assumption of charge
1.	Shri S. K. Mishra	Assistant Collector C. Ex., Patna	26-9-78 (A.N.)
2.	Shri R. K. Prakash	Assistant Collector C. Ex., Patna	9-10-78 (F.N.)
3.	Shri U. C. Chatterjee	Superintendent Group "A" Customs, Airport, Patna.	4-9-78 (F.N.)
4.	Shri M. I. Haque	Superintendent Group "A", C. Ex., Biharsharif.	5-10-78 (F.N.)
5.	Shri N. K. Bose	Superintendent Group "A" C. Ex., Laheriasarai	7-10-78 (F.N.)

D. K. SARKAR
Collector
Central Excise Patna

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 20th October 1978

No. 11-TR(6)/76.—The President is pleased to appoint Shri Prabir Ghosh, as Engineer Officer in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta in a temporary capacity with effect from 9th May 1978 (F.N.) until further orders.

K. S. SIDHU,
Dy. Director General of Shipping

CENTRAL GROUND WATER BOARD,

Faridabad, Dated the 15 December 1978

No. 3-328/73-Estt. (M).—Sh. L. N. Utreja is appointed as Administrative Officer GCS Group 'B' (Gazetted) in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 on *Ad-hoc* and Temporary basis w.e.f. 2-12-78 (A.N.) in the Central Ground Water Board with his Head quarter at Faridabad until further orders.

B. K. BAWEJA,
Chief Hydrogeologist & Member.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 13 December, 1978

No. A-12017/5/76-Adm.V.—In continuation of notification No. A-12017/5/76-Adm. V dated the 20th October, 1978 Chairman, Central Water Commission, hereby extends the *ad-hoc* appointment of Shri B. K. Goswami to the grade of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Gauhati Division Gauhati, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary basis for a further period upto 31-1-1979 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. A-12017/5/76-Adm. V.—In continuation of notification No. A-12017/5/76-Adm. V dated the 20th October, 1978, Chairman, Central Water Commission, hereby extends the *ad-hoc* appointment of Shri S. A. Shah to the grade of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Coimbatore Gauging Division, Coimbatore, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary basis for a further period upto 31-1-1979 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. A-19012/747/78-Adm. V.—The Chairman, Central Water Commission hereby appoints on promotion Shri P. T. Sivdas, Supervisor to the grade of Assistant Engineer in the Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 2nd November 1978 upto the 31st December, 1978 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

The 16th December 1978

No. A-12017/6/76-Adm. V.—In continuation of Notification No. A-32012/2/70-Adm. V dated the 26th October, 1978, Chairman, Central Water Commission, hereby extends the *ad-hoc* appointment of Shri D. S. Kaloti to the grade of Assistant Research Officer (Physics) in the Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary basis for a further period upto 30-6-79 or till a regular officer in the grade becomes available, whichever is earlier.

J. K. SAHA
Under Secy.
Central Water Commission

SOUTH EASTERN RAILWAY

GENERAL MANAGER'S OFFICE

Calcutta-43, the 8th December 1978

No. DCPO(G)CCH/Cl. II-I/8.—The following Asstt. Divisional Medical Officers/Officiating Divisional Medical Officers of this railway are permanently promoted from Class I (Junior Scale) to Divisional Medical Officer Class-I (Senior Scale) w.e.f. 25-4-78 :—

- (1) Dr. S. S. Chowdhury
- (2) Dr. S. K. Dutta
- (3) Dr. F. Tirkey
- (4) Dr. S. Saha
- (5) Dr. P. Dayal
- (6) Dr. M. N. Parbat
- (7) Dr. D. K. Mitra.

(Authority :—Railway Board's Confidential letter No. E(GP)77/I/59 dated 10-5-78).

N. DUTT
Chief Personnel Officer
for General Manager (P)

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION

(DEPARTMENT OF SUPPLY)

NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta-27, the 13th December 1978

No. G-65/B(CON).—The Director, National Test House, Alipore, Calcutta is pleased to appoint on the recommendation of the Union Public Service Commission Shri Niranjan Saha as Scientific Officer (Non-Destructive) in the National Test House, Calcutta w.e.f. the fore-noon of 9-11-78 until further orders.

K. M. BANERJEE
Deputy Director (Chem.)
for Director, National Test House

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(DEPTT. OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANY AFFAIRS

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
Delux Roadways Private Limited*

Jaipur, the 8th December 1978

No. STAT/1051.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Delux Roadways Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
Bharat Wealth Circulating Company Private Limited*

Jaipur, the 14th December 1978

No. STAT/867.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Bharat Wealth Circulating Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Abu Road Railway Co-operative Association Limited
(In Liquidation)*

Jaipur, the 14th December 1978

No. STAT/22.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that

at the expiration of three months from the date hereof the name of the Abu Road Railway Co-operative Association Limited (In Liquidation), unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

R. D. KUREEL
Registrar of Companies
Rajasthan, Jaipur

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Kwality Ice Creams Jamshedpur Private Limited*

Patna, the 14th December 1978

No. (1311)78-79/5345.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of sec. 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kwality Ice Creams (Jamshedpur) Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. BANERJEE
Registrar of Companies
Bihar, Patna

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Ludhiana Highways Private Limited*

Jullundur, the 18th December 1978

No. G/Stat/560/3110/9353.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Ludhiana Highways Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies
Punjab H.P. & Chandigarh

*In the matter of Companies Act, 1956
and*

*In the matter of Omega Locks and Typewriters Limited,
Bhopal*

Gwalior-474 001, the 14th December 1978

No. 1134/Liqn/CP/78/6348.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that Omega Locks and Typewriters Limited, Bhopal has been ordered to be wound up by an order dated 16th October, 1978 passed by the High Court of Madhya Pradesh, Jabalpur and the Official Liquidator, Indore has been appointed as the Liquidator of the Company.

S. K. SAXENA
Registrar of Companies
Madhya Pradesh, Gwalior

OFFICE OF THE COMMISSIONER INCOME-TAX

Kanpur, the 28th October 1978

ORDER

No. 33.—The following Inspectors of Income-tax are appointed to officiate as Income-tax Officers (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200 with immediate effect and until further orders. They will be liable to reversion in case it is subsequently found that their appointments have been made in excess of the vacancies available. Their services, on promotion are placed at the disposal of the Commissioners of Income-tax indicated against each :—

Sl. No.	Name of the official	Services placed at the disposal of
	S/Shri	
1.	R. D. Agarwal Int. Audit Party, Meerut.	Kanpur
2.	R. D. Lal Int. Audit Party, Agra.	Agra
3.	Ayodhya Prasad (S.C.) Companies Circle, Kanpur.	Kanpur
4.	K. K. Agarwal, Int. Audit Party, Meerut.	Meerut.

The officials promoted at Sl. Nos. 3 and 4 above will take over charge on or after the 1st November, 1978 in the vacancies on account of retirement of S/Sbri G. B. Mahendra and Mehnga Ram, I.T.Os. on the 31st October, 1978 afternoon.

P. K. MITRA
Commissioner of Income Tax
Kanpur

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR.

The 4th December 1978

CORRIGENDUM

Notice No. 237/78.79/Acq.—1. The notice U/s. 269D (1) of the Incometax Act, 1961, dated 29-9-1978, was published in Part-III Sec. I of the Gazette of India at page No. 6684 (English) dated 4-11-1978, the Notice No. may kindly be read as "Notice No. 237/78.79/Acq." instead of "File No. 362/8/78/78.79/Acq."

2. In the first para of the same notice referred above, the designation of the Competent Authority may kindly be read as "Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Dharwar" instead of "Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore".

P. RANGANATHAN,
Inspecting Asst. Commissioner
of Income-tax, Acq. Range, Dharwar

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
DHARWAR-4

Dharwar-54, the 4th November 1978

Notice No. 242/78-79/Acqn.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Coffee registration certificate No. 172/72-73 and comprising of survey Nos. 15, 16, 17, 18, 59, 60, 61, 62/2, 64/1, 64/3, 68/5, 63, 64/2, 62/3, 62/1, 51, 71/3, 195, 14, 297, 69 and 64/2, situated at Kolagave Village, Jaagra Hobli, Chickmagalur Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chickmagalur, under document No. 478/78-79, on 23-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, -922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) A. Abdul Wahab, S/o. A. Abdul Ali, "Samer Khchez Earm", Payagondanahalli, Lakya Hobli, Chickmagalur Taluk.

(Transferor)

(2) Shri I. M. Nirvan Gowda, S/o. I. S. Mallegowda, Coffee planter, resident of 'Shashirashmi', Indira Gandhi Road, Chickmagalur-577 101.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 478/78-79 dated 23-6-1978]

The property is an agricultural land of coffee estate known as "Sitara Estate" alongwith buildings and structures situated at Kolagave Village, Chickmagalur Taluk. The total coffee land is 140 acres and wet land is 2 acres and 4 guntas.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date : 4-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 27th November 1978

Ref. No. A.P.436/MGA/78-79.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule

situated at village Fatehgarh Sabhra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira on April, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Inder Singh & Shmt. Harnam Kaur w/o Sh. Jagat Singh, s/o Sh. Mian Singh, R/o Sabra, Teh. Patti (Amritsar).

(Transferors)

- (2) S/Sh. Jaswant Singh, Sardul Singh, Amrik Singh & Kulwant Singh ss/o Sh. Bhagwan Singh, Vill. Chaba, Teh. Zira.

(Transferees)

- (3) As per S. No. 2 above.

[person in occupation of the property]

- (4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 111 Kanals and 1 marla in village Fatehgarh Sabra as mentioned in sale deed No. 248 of April, 1978 registered with the S. R. Zira.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 27-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 27th November 1978

Ref. No. A.P. 437/GRH/78-79.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule

situated at Garhshanker (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Garhshanker on April 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Darshana Kalia w/o Ram Murti Kalia s/o Harkishan Lal Kalia, Rly. Road, Garhshanker.
(Transferor)

(2) S/Sh. Baldev Singh, Ranjit Singh, Tarlochan Singh, Avtar Singh s/o Chanan Singh s/o Mehar Singh, V. Aiman Muglan.
(Transferees)

(3) As per S. No. 2 above.
[person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop No. 33 in Dana Mandi, Garhshanker as per sale deed No. 98 of April, 78 registered with the S. R. Garhshanker.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 27-11-1978

Seal :

FORM ITNS- _____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 27th November 1978

Ref. No. A.P. 438/NWS/78-79.—Whereas J. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule
situated at Village Rahon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar on April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or only moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Sh. Narjib Kumar, Davinder Mohan s/o Sh. Ram Parkash, Village Rahon, Teh Nawan Shehar.
(Transferors)

(2) Sh. Harmohan Kumar s/o Sh. Sat Pal, Village Rahon, Teh. Nawan Shehar.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 208 Kanals and 4 Marlas in village Rahon as mentioned in sale deed No. 55 of April, 1978 registered with the S. R. Nawan Shehar.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 27-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 27th November 1978

Ref. No. A.P. 439/NKD/78-79.—Whereas I, P. N. MALIK, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Village Dhada Dikhapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nakodar on April, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—406GI/78

(1) Sh. Joginder Singh, Sh. Jagir Singh ss/o Sh. Santa Singh, R/o Village Dhada Haripur (Nakodar).

(Transferors)

(2) S/Sh. Darshan Singh, Gurdip Singh, Udham Singh ss/o Shri Kishan Singh, R/o Dhada Dikhapur (Nakodar).

(Transferees)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used here, in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 58 Kanals and 7 marlas in village Dhada Dikhapur as mentioned in sale deed No. 87 of April, 1978 registered with the S. R. Nakodar.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 27-11-1978

Seal ;

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 27th November 1978

Ref. No. A.P. 440/HSR/78-70.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at Village Dadupur Gorya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on April, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shmt. Harjeet Kaur d/o Sh. Gurbachan Singh s/o Sh. Sampuran Singh, village Dadupur Gorya, Distt. Hoshiarpur now w/o Sh. Gurjit Singh, R/o Kot Kapura, Teh. Faridkot. (Transferor)
- (2) Shri Kapil Dev s/o Sh. Rulia Ram s/o Sh. Takhat Mal, R/o village Phambian, Distt. Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 40 Kanals and 19 marlas in village Dadupur Gorya as mentioned in sale deed No. 193 of April, 1978 registered with the S. R. Hoshiarpur.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 27-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 27th November 1978

Ref. No. A.P. 441/FZK/78-79.—Whereas I. P. N. Malik being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Jhumanwali (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on April, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rakam Devi urf Rukmani Devi w/o Ganga Ram s/o Bakhta Ram r/o Ganganagar. (Raj.)
(Transferor)
- (2) Sh. Dharampal s/o Ganesh Das s/o Krishan Das r/o Jhumanwali, Ten. Fazilka.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
[person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the under-signed knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 55 kanals in village Jhumanwali as per sale deed No. 125 of April 78 registered with the S. R. Fazilka.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 27-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 27th November 1978

Ref. No. A.P. 442/NKD/78-79.—Whereas I, P. N. Malik, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Sangowal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar on April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Natha Singh s/o Lachman Singh, village Sangowal Teh. Nakodar.

(Transferor)

- (2) Sh. Kartar Singh s/o Basava Singh, V. Sangowal Teh. Nakodar.

(Transferee)

- (3) As per S.No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

- (4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 80 kanals in village Sangowal as per sale deed No. 153 of April, 1978 registered with the S. R. Nakodar

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 27-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 27th November 1978

Ref. No. A.P. 443/MPH/78-79.—Whereas I, P. N. Malik being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

As per schedule situated at Kalyan Sukha (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nathana on April, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Jagir Singh, Jayon Singh ss/o Smt. Biro r/o Khaid Mahgad.

(Transferor)

(2) Smt. Pritam Kaur w/o Bhag Singh r/o Kalyan Malka Distt. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the under-signed knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 77 kanals 11 marlas in village Kalyan Sukha as per sale deed No. 77 of April 1978 registered with the S. R. Nathana.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 27-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 27th November 1978

Ref. No. A.P. 444/BT1/78-79.—Whereas I, P N. MALIK being the Competent Authority Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule

situated at Gobindpura

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nathana on April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Rulia Ram s/o Heera R/o Gobindpura.
(Transferor)
- (2) Sh. Nachhtar Singh, Harinder Singh ss/o Zora Singh s/o Partap Singh, r/o Gobindpura.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
[person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the under-signed knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 56 kanals 6 marlas in village, Gobindpura as per sale deed No. 118 of April 1978 registered with the S. R. Nathana.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 27-11-1978
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
BHATINDA**

Bhatinda, the 27th November 1978

Ref. No. A.P. 445/BTf/78-79.—Whereas I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at Gobindpura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nathana on April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Birbal Dass s/o Saroop Chand R/o Bhuchoo Mandi.

(Transferor)

- (2) Sh. Jaswinder Singh, Jasbir Kaur, Balbir Kaur, Dalvinder Kaur, Balvinder Kaur, Surjeet Singh ss/o Harchand Singh R/o Govindpura.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

[person in occupation of the property]

- (4) Any other person interested in the property.

[Person whom the under-signed knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 46 kanals & 12 marlas in village Gobindpura as per sale deed No. 31 of April, 1978 registered with the S. R. Nathana.

P. N. MALIK

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhatinda

Date : 27-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 27th November 1978

Ref. No. A.P. 446/FZK/78-79.—Whereas I, P. N. Malik being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at Jhumanwali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on April, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Manna Ram s/o Kheta Ram s/o Jodha Ram
r/o Sri Ganganagar. (Rajasthan)
(Transferor)

(2) Sh. Ganga Lal s/o Ganesh Das s/o Krishan Das
r/o village Jhumanwali, Teh. Fazilka.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the under-signed knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 55 kanals in village Jhumanwali as per sale deed No. 1236 of April, 1978 registered with the S. R. Fazilka.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 27-11-1978
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 27th November 1978

Ref. No. A.P. 447/NWS/78-79.—Whereas I, P. N. Malik being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule
situated at Rahon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nawanshehar on April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

17—406GI/78

(1) Sh. Dhamesh Kumar, Davinder Mohan, Navjeet Kumar village Rahon Teh. Nawanshehar.

(Transferor)

(2) Sh. Jatinder Kumar s/o Sat Pal, village Rahon Teh. Nawanshehar.

(Transferee)

(3) As per S.No. 2 above.

[person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the under-signed knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 52 kanals 1 marla in village Rahon as per sale deed No. 54 of April, 1978 registered with the S. R. Nawanshehar.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 27-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 27th November 1978

Ref. No. A.P. 448/FZR/78-79.—Whereas I, P. N. Malik being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule
situated at Ferozepur City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Free Flow Financing Chit Fund Co. Pvt. Ltd.,
Ferozepur City.

(Transferor)

(2) Sh. Kharaiti Lal s/o Sh. Bholu Ram, R/o Ferozepur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above,

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the under-signed knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop and $\frac{1}{2}$ part of upper story in Ferozepur City as per sale deed No. 133 of April, 1978 registered with the S. R. Ferozepur.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 27-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 27th November 1978

Ref. No. A.P. 449/Ml T/78-79.—Whereas I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at village Channu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Malout on April, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shmt. Nikki, Sita, Bhapo ds/o Sh. Gurnam Singh s/o Shri Prem Singh, R/o village Channu, Teh. Muktsar.

(Transferor)

(2) Sh. Buta Singh s/o Sh. Gurnam Singh s/o Sh. Prem Singh, R/o village Channu, Teh. Muktsar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the under-signed knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 36 Kanals and 6 marlas in village Channu as mentioned in sale deed No. 166 of April 1978 registered with the S. R. Malout.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 27-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 27th November 1978

Ref. No. A.P. 450/FZR/78-79.—Whereas I, P. N. Malik being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Ferozepur City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on April, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The Free Flow Finance Chit Fund Co. Pvt. Ltd., Ferozepur City.
(Transferor)
- (2) Sh. Bishamber Das s/o Bhola Ram, village Sothi Nagar, Distt. Ferozepur.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the under-signed knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop in Ferozepur City as per sale deed No. 195 of April 1978 registered with the S. R. Ferozepur.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 27-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 27th November 1978

Ref. No. A.P. 451/FZR/78-79.—Whereas I, P. N. Malik being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Ferozepur City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on April 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The Free Flow Finance Chit Fund Co. Pvt. Ltd., Ferozepur Cantt.
(Transferor)
- (2) Sh. Banarsi Dass s/o Bhola Ram r/o Sothi Nagar, Distt. Ferozepur.
(Transferee)
- (3) As per S.No. 2 above.
[person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the under-signed knows to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop in Ferozepur City as per sale ded No. 262 of April 78¹ registered with the S. R. Ferozepur.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 27-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th November 1978

Ref. No. AP 452/MGA/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Moga in April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following namely:—

- (1) Sh. Harcharan Singh s/o Sh. Santa Singh s/o Sunder Singh G.T. Road, Moga.
(Transferor)
- (2) Smt. Bimla Devi Chaudhary w/o Brij Lal s/o Hirdai Narian r/o Dat Road, Moga.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house in Dutt Road, Moga as per sale deed No. 109 of April, 78' registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Dated : 28-11-78
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th November 1978

Ref. No. AP.453/PHG/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sukhjiner Kaur d/o Ishar r/o Patiala.
(Transferor)
- (2) Sh. Mohanlal, Prem Kumar, Sukhdev Raj ss/o Kirpa Ram c/o Mohan Engineering Works, Ramgarhiya Gurdwara Road, Phagwara.
(Transferees)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot on Hoshiarpur Phagwara Road as per sale deed No. 126 of April 78' registered with the S.R. Phagwara.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated : 28-11-78
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th December 1978

Ref. No. 145-R/M.Nagar/78-79/4566.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jansath on 27-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) S/Shri SATYAVEER SINGH S/O JHANDU SINGH, SATENDRA KUMAR SON OF SATYAVEER SINGH, R/O JATWADA, PARG. JALI, JANSATH DISTT. MUZAFFARNAGAR.

(Transferor)

(2) S/Shri SURESHPAL SINGH AND SURENDRA PAL SINGH SONS OF PITAM SINGH AND SMT. SATYAWATI W/O PHETAM SINGH, R/O BHARSI, PRESENT JATWADA, PARG. JALI, TEH. JANSATH DISTT. MUZAFFARNAGAR.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

AGRL. LAND SITUATED AT VILL. JATWADA, PARG. JALI SANSATH DISTT. MUZAFFARNAGAR, TRANSFERRED FOR AN APP. CONSIDERATION OF RS. 60,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 20-12-78
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th December 1978

Ref. No. 208-A/M.NAGAR/78-79/4568.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jansath in 20-5-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—406GI/78

(1) Shri Tej Pratap Singh son of Pitamber Singh R/o Talda Present near Head Post Office Bikaner, Rajasthan.

(Transferor)

(2) Smt. Beermati S/o Shyam Singh, R/o Goojar House, Pakka Bagh, Khatauli Teh. Jansath, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agril. Land situated at Vill. Talda, Parg. Jalce, Teh. Jansath Distt. Muzaffarnagar, Transferred for an App. consideration of Rs. 1,21,650/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 20-12-78

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jitender Alias Kalu Adopted son of Ghissa R O Dudhaheri, Parg. Khatauli, Teh. Jansath Distt. Muzaffarnagar.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chohal Singh son of Chota Singh and Knwar-pal, Rishipal sons of Ilam Singh, Pushpendra Kumar S/o Ajit Singh R/o Dudhaheri, Parg. Khatauli, Teh. Jansath Distt. Muzaffarnagar.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 20th December 1978

Ref. No. 129-A/M. Nagar/78-79/4569.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jansath on 24-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. Land situated at Vill. Dudhaheri, parg. Khatauli, Distt. Muzaffarnagar, Transferred for an App. Consideration of Rs. 75000/-.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 20-12-78
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th December 1978

Ref. No. 115-A/DDN/78-79/4570.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dehradun on 27-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Swaminathan Shanker Ayyar son of Late Shri V. S. Ayyar R/O K-45, Jangpura Extension, New Delhi and Smt. Bhagyalaxmi Shanker Ayyar, Manishanker Ayyar, Dr. Mukanand Shanker Ayyar, Smt. Tara Ram Kumar.

(Transferor)

(2) Shri Swaraj Krishan Sudan and Krishnan Kumar Sudan R/o 4-B, Kalidas Road, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double Stories Building No. 2/1, Kalidas Road, Dehradun
Transferred for an App. Consideration of Rs. 75,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 20-12-78
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 20th December 1978

Ref. No. 244-A/M. Nagar/78-79/4571.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhana on 12-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) Shri Om Prakash son of Baljit R/O Dabal, Parg. Shikarpur, Teh. Budhana, Distt. Muzaffarnagar.
(Transferor)

(2) Shri Babu Ram and Ilam Chand son of Balwan R/o Shankoorpur Gada, Parg. Sarsawa Teh. Nakur Distt. Saharanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. Land situated at Vill. Dabal, Parg. Shikarpur Distt. Muzaffarnagar, Transferred for an Apparent consideration of Rs. 25,500/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 20-12-78
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Anoop Singh son of Amar Singh R/o Datyana,
Parg. & Teh. & Distt. Muzaffarnagar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahipal Singh and Jaipal Singh and Rajpal
Singh and Kanwarpal Singh sons of Harbhajan
Singh, R/o Badhedi, Muzaffarnagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th December 1978

Ref. No. 72-A/M. NAGAR/78-79/4572.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Muzaffarnagar on 15-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. Land situated at Vill. Datyana, Distt. Muzaffarnagar
Transferred for an App. Consideration of Rs. 54,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 20-12-78
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th December 1978

Ref. No. 245-A/M. Nagar/78-79/4567.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhana on 28-4-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Janeshwar Son of Hariram Tyagi, R/o Dhanayan, Parg. Shikarpur, Teh. Budhana Distt. Muzaffnagar.

(Transferor)

(2) Shri Bikram Singh, Arbind Kumar Sons of Shiv Sharma Ved Prakash Son of Sher Singh and Mangal Sen Sons of Pyare Lal Tyagi, R/o Ghanayan, Parg. Shikarpur, Teh. Budhana Dist. Muzaffnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable Property Consisting of Agrl. Land situated at Vill. Dhanayan, Parg. Shikarpur, Distt. Muzaffnagar Transferred for an App. Consideration of Rs. 47,700/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 20-12-78
Seal :

FORM IT.N.S.— —

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 14th December 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/Acrl-89/3783, 78-79, 4486.—Whereas, I. R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

39/71 situated at Punjabi Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on 28-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Sh. Ram Sarup Tondon, s/o Sh. Hukam Chand Tondon, r/o 1/6, Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi through G.A. Sh. Ravi Kant Tondon, 1/6, Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shiv Kumar, s/o Sh. Hira Lal Khanna, r/o. C-2/32, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of plot No. 39 on Road No. 71 Class-B, measuring 1088.89 sq. yds. situated in residential colony known as Punjabi Bagh, Village Bassai Darapur, Delhi and bounded as Under:—

East: Plot No. 37.
West: Plot No. 41.
North: Road No. 71.
South: Service Lane.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated : 14-12-78
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 14th December 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/May-100/3862/78-79/4486.—
 Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

39/71 situated at Punjabi Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 3-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Sh. Ram Sarup Tondon, s/o Sh. Hukum Chand Tondon, r/o, 1/6, Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi, through G.A. Sh. Ravi Kant Tondon, 1/6, Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Hira Lal Khanna, s/o L. Amar Nath Khanna & Smt. Krishna Rani, w/o Sh. H. L. Khanna, r/o C-2/32, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 share of Plot No. 39 on Road No. 71, Class-B, measuring 1088.89 sq. yds. situated in residential colony known as Punjabi Bagh, area of Village Bassai Darapur, Delhi and bounded as under :—

East: Plot No. 37.
 West: Plot No. 41.
 North: Road No. 71.
 South: Service Lane.

R. B. L. AGGARWAL,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated : 14-12-78
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 14th December 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/May-109/3866/78-79/4486.—
Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
39/71 situated at Punjabi Bagh, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on 1-5-1978
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty, and I have reasons to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—
19—406GI/78

(1) Sh. Ram Saran Tondon, s/o Sh. Hukum Chand
Tondon, r/o 1/6, Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi
through G.A. Sh. Ravi Kant Tondon.

(Transferor)

(2) Sh. Vinod Kumar Khanna, s/o Sh. H. L. Khanna,
r/o C-2/32, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of Plot No. 39 on Road No. 71, Class-B mea-
suring 1088.89 sq. yds. situated at Punjabi Bagh, Village
Bassai Darapur, Delhi and bounded as under:—

East: Plot No. 37.
West: Plot No. 41.
North: Road No. 71.
South: Service Lane.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi-New Delhi.

Dated : 14-12-78
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 14th December 1978

Ref. No. IAC/Acq.-II/April-66/3768/78-79/4486.—
Whereas J. R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
3/12 situated at Shakti Nagar Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on 24-4-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in res-
pect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

(1) Sh. Jogi Ram Jain, Shri Pal Jain both sons of Sh.
Ram Nath & Smt. Santosh Kumari w/o Sh. R. S.
Jain all resident of 1354, Vaidwara, Maliwara,
Delhi-6.

(Transferor)

(2) Sh. Satya Narain Mittal, Jai Bhagwan Mittal, Subhash
Chand Mittal, Suresh Kumar Mittal all sons of Sh.
Om Prakash Mittal & Krishan Kumar Mittal S/o
Om Prakash Mittal R/o 26/18, Shakti Nagar Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold plot of land No. 3 Block No 12 measuring 241.11
sq. yds. situated in Roshanara Extension Scheme now known
as Shakti Nagar, Delhi (within fourwalls) and free from
all encumbrances and bounded as under:—

North: Plot No. 4 Block No. 12.
South: Plot No. 2 Block No. 12 built up house of Amar-
nath.
East: Service Lane.
West: Road.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated : 14-12-78

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 14th December 1978

Ref. No. IAC/Acq-II/April-80/3778/78-79/4486.—

Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D-2/12 situated at Model Town Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 27-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Chander Prakash & Sh. Vir Sain sons of late Sh. Lal Chand R/o D-3/16, Model Town Delhi.
(Transferor)

- (2) Smt. Prem Lata w/o late Sh. J. C. Malik (2) Smt. Parvesh Rani w/o Brij Mohan (3) Smt. Ganga Devi wd/o Shambhu Nath all r/o C-1/10, Model Town Delhi.
(Transferee)

- (3) Sh. Balbir Singh, Ram Babu, Vijender Goyal (Ground Floor), Sh. K. L. Bhasin (1st Floor) Sh. K. L. Dhawan (Barsati).
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 2½ storeyed building constructed on a plot No. 12 in Block No. D-2, situated in the colony known as Model Town Delhi and measuring 242 sq. yds. (202.343 sq. meters) in area and the said property is bounded on its four sides as under:—

East: Service Lane.
West: Road.
North: Building on plot No. D-2/13.
South: Building on Plot No. D-2/11.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated : 14-12-78
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 14th December 1978

Ref. No. IAC/Acq-II/April-87/78-79/4486.—

Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30A/78 situated at Punjabi Bagh New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 28-4-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Madan Mohan Anand s/o Late Sh. Bhagat Ram Anand R/o 30A/78, Punjabi Bagh Delhi.
(Transferor)
- (2) Sh. Yog Niketan Trust, Delhi 5/41, Punjabi Bagh, Delhi, through Vico President Sh. R. P. Rahija.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 30-A on Road No. 78 measuring 2255.55 sq. yds. situated in the colony known as Punjabi Bagh area of Village Bassai Darapur Delhi State, Delhi in Class A within the limits of Delhi Municipal Corporation. The boundary of the said plot is as under :—

North: Road No. 78.
South: Service Lane.
East: Plot No. 30 (Built up property).
West: Plot No. 30-B (Built up property).

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated : 14-12-78
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 14th December 1978

Ref. No. IAC/Acq-II/April-23/3739/78-79/4486----

Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 46/72 situated at Punjabi Bagh New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 7-4-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Prem Kumar & Satish Kumar both sons of Sh. Shanti Prakash R/o A-65, Phase I, Ashok Vihar, Wazirpur Residential Scheme, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Subhash Chand & Harish Chander both sons of Sh. Ram Saran Dass R/o House No. 46, Road No. 72, Punjabi Bagh New Delhi and Smt. Sumitra Devi w/o Sh. Ram Saran Dass R/o H. No. 46/72, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 46, on Road No. 72 bearing Class 'B' situated in Punjabi Bagh Residential approved Colony, Delhi area of village Basai Darapur, Delhi with the land measuring 1073.35 sq. yds. under the said house, bounded as under:—
North: Service Lane.
South: Road No. 72.
East: Property No. 44.
West: Property No 48.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated : 14-12-78
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 14th December 1978

Ref. No. IAC/Acq-II/April-39/3751/78-79/4486.—

Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No E-82/83 situated at Kirti Nagar New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 12-4-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration, the consideration for such transfer as stated in the instrument of partition has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Krishan Piyari Wd/o Sh. Kahan Chand Anand R/o Flat No. 4, Ashoka Police Line New Delhi through attorney Sh. S. K. Anand R/o B-1/44, Safdarjang Enclave New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Chander Prakash Anand s/o Sh. Jiwan Mal Anand, Smt. Chander Prabha Anand W/o C. P. Anand R/o F-79, Kirti Nagar New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storeyed house constructed on Plot No. E/82-83 measuring 300 sq. yds. situated in the area of village Bassai Darapur in Kirti Nagar on Najafgarh Road, New Delhi, and bounded as under:—

North East: Property No. E-81.
North West: Road Facing Park.
South West: Property No. E/84.
South East: Road.

R. B. L. AGGARWAL.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated : 14-12-78

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II, 4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 14th December 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/April-15/3736/78-79/—
Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-F situated at 3-Shankaracharya Marg, Civil Lines, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 5-4-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Vishva Estate Pvt. Ltd. B-6, Asaf Ali Road, New Delhi.
(Transferor)

(2) Sh. Kanwal Kumar Khanna, s/o Sh. P. C. Khanna & Smt. Sanyukta Khanna, w/o Sh. K. K. Khanna, 3-F, Vishwa Apartments, 3-Shankaracharya Marg, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of Block No. 3 at Plot No. 3-Metcalf Road, now known as Shankaracharya Marg, Civil Lines, and a measuring 1900 sq. ft. and bounded as under:—
East: Block No. 2.
West: 30' wide Road.
North: 3-Metcalf Road.
South: 30' wide Road.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated : 14-12-78
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 18th December 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/May-106/3863/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. C-1/10 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 2-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Raj Rani Vohra, W/o
Shri Sardar Sujan Singh, R/o
A-2/36A, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S. Bhupinder Singh,
S/o S. Dhanna Singh,
R/o B-9, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land measuring 450 sq. yds caring No. C-1/10, situated at Rajouri Garden, at Ring Road, area of Village Basaidarapur, Delhi and bounded as under :—
East : Plot No. C-1/7
West : Plot No. S-1/-C11
North : Plot No. C-2/23-24 & 26
South : Road.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 18-12-1978
Seal ;

FORM ITNS

(1) Shri Krishan Lal Ahuja S/o
Shri Narayan Dass Ahuja R/o
E-1/9, Model Town, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kewal Singh S/o
Shri Puran Singh R/o
B-257, Narain Industrial Area,
Phase-I, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 18th December 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/May-66/3827/78-79/4548.—

Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-38 situated at Mansrover Garden, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 10-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

20—406GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold of plot of land measuring 410 sq. yds. bearing No. 38 in Block-D, situated at Mansrover Garden, area of Bassai Darapur, Delhi and bounded as under:—

East : Plot No. D-37
West : Plot No. D-39
North : Lane
South : Road

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 18-12-1978

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 18th December 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/May-64/3826/78-79/4548.—

Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 25/74 situated at Shakti Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 11-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Prithvi Singh S/o
Shri Gubudu Singh R/o
715/10, Chandni Mahal, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri P. K. Dham S/o
Shri R. L. Dham R/o
C-2/28, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land measuring 200 sq. yds. bearing No. 74, Block No. 25(25/74) situated at Shakti Nagar, Delhi and bounded as under :—

East : Service Lane
West : Plot No. 25/75
North : Main Road
South : Service Lane.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 18-12-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 18th December 1978

Ref. No. 1AC/Acq II/May-49/3818/78-79/4548.—

Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

No. D-74 situated at Mansrover Garden, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Delhi on 16-5-1978

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I
have reasons to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Hemant Kumar S/o
Shri Sohan Lal
Shri Rajiv Kumar S/o
Shri Yog Raj R/o
7-A/9, WEA, Karol Bagh,

(Transferor)

- (2) Smt. Satya Wanti, W/o
Shri Tirath Dass R/o
E-38, Canal Area, Neelokheri,
Distt. Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 74 in Block No. 'D' measuring 300 sq. yds. situ-
ated in the colony known as Mansrover Garden, area of Vil-
lage Bassai Darapur, Delhi and bounded as under :—

East : Plot No. D-75
West : Plot No. D-73
North : Lane
South : Road

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 18-12-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 18th December 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/May-19/3799/78-79/4548.—

Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/— and bearing No.

No. 3/27A situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sahdev Singh,
S/o Shri Dayal Singh,
R/o 27-A, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Nirmala Devi,
W/o Shri Ram Lal Jain,
R/o F-10, Bhagwan Dass Nagar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

24 storied building constructed on a plot of land measuring 280 sq. yds. bearing No. 3, Road No. 27A(3/27A) situated at Punjabi Bagh, New Delhi and bounded as under :—

East : Road No. 27A
West : Service Lane
North : Plot No. 1
South : Plot No. 5

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 18-12-1978
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 18th December 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/May-17/3798/78-79/4548.—

Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-1/7 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Rajinder Pal Chopra,
S/o Shri Ram Lal Chopra,
R/o D-17, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri S. Surjit Singh,
S/o S. Dhanna Singh,
R/o B-9, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land measuring 450 sq. yds. bearing No. 7, Block No. C-1, situated at Rajouri Garden, at Ring Road, area of Village Bassai Darapur Delhi and bounded as under :—

East : Plot No. C-1/6
West : Plot No. C-1/6
North : C2/20-21-22
South : Ring Road,

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 18-12-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1978

Ref. No. AR.II/2545-2/April-78.—Whereas, I, S. G. BORGHARKAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No.	S. No.	H. No.	C. S. No.
69/6 (pd)	33	2(pt)	31
C.S. No. 35	33	3	32
Vile Parle Village	33	10	27
		1	262
	32	8	361
	32	2	360

situated at Vile Parle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 24-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. A. R. Sharma, 2. C. M. Shah, 3. C. P. Choksi, 4. D. C. Choksi, 5. Harshada C. Lakhani, 6. Champaklal H. Lakhani, 7. Mts. Rashmi V. Desai & 8. Mansukhlal M. Desai Partner of M/s. Navbharat Builders.

(Transferor)

- (2) Kiron Builders Pvt. Ltd.

(Transferee)

- (3) All the Occupants of Building in the Kalpita Enclave.

(Person in occupation of the property)

- (4) 1. Abdul Sattar Haji Usman

2. Abdul Gani Hani Usman

3. Abdul Gaffar Haji Usman

4. Smt. Hajrabai Haji Usman

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one half interior or vendor in All those pieces or parcel of Agriculture Land lying being and situate at Vile Parle, Taluka Andheri in Greater Bombay and bearing the following particulars, Plot No. 69/6 (Part) and City Survey No. 35 of Vile Parle Village.

Survey No.	Hissa No.	City Survey No.
33	2(Part)	31
33	3	32
33	10	27
32	1	262
32	8	361
32	2	360

and measuring in the aggregate 26,000 Square Yards equivalent to 21,736 metres or thereabouts, all which pieces or parcels of land are situate within the Registration Sub-District, and District of Bombay City & Bombay Suburban.

S. G. GORGHARKAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 7-12-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th December 1978

Ref. No. AR.III/AP281/78-79.—Whereas, I, R. M. PANJWANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 423 and part of old Hissa Nos. 10, 11, 22, 23 and 26 and New Hissa No. 7(pt), 8(pt) and 21(pt) and City Survey No. 644 and 645 situated at Kule Kalyan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 23-6-78 (Doc. No. S-1480/77) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Surji Kunverji Gala
(Transferee)
- (2) Shri Vakola Spurti Co-op. Housing Society Ltd.
(Transferee)
- (3) 1. Mr. Shankernarayan S. Shirali
2. Miss Swarup R. Sen
3. Mr. P. K. Chandrasbaker Pillai
4. Mr. Sivramkrishnan
5. Mrs. Indira K. Nair
6. Mr. G. B. Shanker Shiroor
7. Mrs. N. H. Raiker
8. Mr. K. S. Kulkarni
9. Mr. R. K. Bapat
10. Mr. S. P. Buthello
11. Mrs. M. F. Fatherpekar
12. Mr. H. C. Fenezes
13. Mr. P. K. Gopinath
14. India Evangelical Mission
15. Mr. Keshav K. Upadhyaya
16. Mr. Elevumathayil A. Yohannan
(Persons in occupation of the property)
- (4) Shri G. V. Mathai,
Flat No. 2, The Vakola Spurti Co-op. Housing
Society Ltd., Vakola, Bombay-55.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground situated at Kule Kalyan, within the District and Registration Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban admeasuring 1121/9 square yards equal to 937.89 sq. metres or thereabouts and bearing Survey No. 423 and part of old Hissa Nos. 10, 11, 22, 23 and 26 and New Hissa No. 7(pt), 8(pt) and 21(pt) and City Survey No. 644 and 645 with building standing thereon and bounded as follows :—that is to say on or towards the South by land bearing City Survey No. 716 (partly) and City Survey No. 727 (partly), on or towards the North by land bearing City Survey No. 643, on or towards the East by land bearing City Survey No. 641 and on or towards the WEST by land bearing City Survey No. 650.

R. M. PANJWANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 18-12-1978,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1978

Ref. No. Ar.II/2551-3/May-78.—Whereas, I, S. G. BORGHARKAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 50 N.A. 109 situated at Pali Hill Danda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Chandrakant M. Khatau, Lalitkumar Khatau Kishore D. Khatau, Abhay L. Khatau.
(Transferor)
- (2) Shailaja Apartment Co-op. Housing Society Ltd.
(Transferee)
- (3) As per Annexure 'A'.
(Person in occupation of the property)
- (4) M/s Chand Narain.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Piece or parcel or vacant Land or ground of the freehold tenure of situate lying and being at Pali Hill Bandra in the City of Bombay in the Registration Sub-District of Bombay containing by admeasurement about 3250 (Three thousand two hundred and fifty) Square yards, that is to say 2718 (two thousand seven hundred and eighteen) Square metres bearing N.A. No. 109 of Danda Bandra Division also known as 50 Pali (Road) and bounded as follows :— That is to say on or towards the East by Pali Hill Road on or towards West by Cadestral Survey No. 1394, on or towards the North by Pali Hill, Bandra, on or towards South by 52 Pali Hill Road and which said premises are assessed by the Collector of Municipal Rates and Taxes under Ward No. ——— and Street No.

S. C. BORGHARKAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 7-12-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 1st December 1978

Ref. No. 6667.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 42 situated at Mount Road, Madras-2 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at North Madras, (Doc. No. 4178/78 on October 1978) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—406GI/78

(1) Meco-tronics Private Ltd.
'Meco House' No. 47, Mount Road, Madras-2.
(Transferor)

(2) Heeral Construction (P) Ltd.,
No. 3/186, Mount Road, Madras-2.
(Transferee)

(3) 1. Pals Restaurant
2. Kashmir Govt. Arts Emporium
3. Handicrafts Emporium
4. Cine Agency
5. Meco-tronics (P) Ltd.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 42, Mount Road, Madras-2,
(Doc. No. 4178/78)

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 1-12-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Durga Dogra Widow of H. R. Dogra
No. 1, Artillery Road, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Rukiammal, 2. J. Ramakrishnan, 3. J. Viveka-
nandan, Gandhikandi, Emerald (PO) Nilgiris.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 2nd December 1978

Ref. No. 4659.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. Nos. 831/1B2A1A1A, situated at 832/2 and 47-8/16 and 833/1 of Ootacamund

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ooty (Doc. No. 497/78) on April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building in S. No. 831/1B2A1A1A, 832/2 and 47-8/16 and 833/1 of Ootacamund.
(Doc. No. 497/78)

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 2-12-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd December 1978

Ref. No. 8147.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 199/1 situated at Ootacamund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor (Doc. No. 601/78) on April 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) H. N. Siddiah and others, Chitra, Mettupalayam. (Transferor)
(2) J. V. Chandrasekar S/o J. M. Vecrabadrappa Girija, Coonoor-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 199/1 of Ootacamund. (10.50 Acres) (Doc. No. 601/78)

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 2-12-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) P. Palaniswamy, and Mrs. P. Vitta Bai
(Alias) Babu,
W/o P. Palaniswamy,
No. 5, New Giri Road, Extension,
Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) International Packers and Movers,
3, East Coovum River Road,
Madras-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd December 1978

Ref. No. 6220.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 121/C situated at 'Hope Ville', Santhome High Road, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore, Madras on April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at 121/C, Santhome High Road
Madras (Doc. No. 396/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 2-12-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 2nd December 1978

Ref. No. 6184.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 24A, Giri Road, Madras-17, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras on April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. R. Krishnaraju,
2. B. Radhakrishnan
3. B. Prasad,
24D, Giri Road, Madras-17.

(Transferor)

- (2) R. Jayapalan,
80, Mint St., Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 24A, Giri Road, Madras-17.
(Doc. No. 356/78)

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 2-12-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd December 1978

Ref. No. 8194.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 47, Perumal Sannithi, situated at Nagapattinam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagapattinam (Doc. No. 380/78) on April 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Kullangi Gopalakrishnan Chettiar Sons
Perumal Norths St., Nagapattinam
(rep. by partners 1) M. G. Soundararaja Chettiar
and M. G. Jayarama Chettiar.

(Transferor)

(2) Smt. S. Jothimani, W/o G. S. Pillay,
47, Perumal Sannithi Nagapattinam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 14 and 14A, Big Bazar St. Nagapattinam.
(Doc. No. 380/78)

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 2-12-1978
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th December 1978

Ref. No. 4660.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 441 and 442 situated at Ootacamund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ooty (Doc. No. 525/78) in April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Richard Roland Braganza,
S/o Anthony Frederick Braganza.
2. Mae Clarice Braganza,
W/o Richard Roland Braganza,
Chesterford, Lovedale, Ootacamund.

(Transferor)

- (2) 1. Ratnam Boanerges 2. Mrs. Esther Boanerges,
W/o R. Boanerges, 3. Boanerges Jayascelan Samuel,
Grace Farm, Doddabetta Post, Ootacamund.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 441 and 442, Ootacamund.
(Doc. No. 525/78)

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 13-12-1978
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th July 1978

Ref. No. P.R. No. 595 Acq.23-1077/6-2/78-79.—
Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. 13-C Kunj Coop. Housing Society, admeasuring 3371.6 sq. ft. situated at Alkapuri, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Haribhai Pragjibhai Desai,
Ram Mahal, 4th Floor, Churchgate,
Bombay-1.

(Transferor)

(2) Smt. Naliniben Arunkumar Shah,
Dayal, 13, Kunj Coop. Hsg. Society,
Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property being land and building bearing No. 13-C, Kunj Coop. Hsg. Society, situated at Alkapuri Baroda, admeasuring 3371.6 sq. ft. as described in the sale deed registered under registration No. 1001 in the month of April, 1978 by registering Officer.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 28-7-1978

Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-280 009, the 28th July 1978

Ref. No. P.R. No. 596 Acq.23-1073/6-2/78-79.—

Whereas, I S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 13-B, Kunj Coop. Hsg. Society, admeasuring 2408. 2 sq ft. situated at Alkapuri, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—406GT/78

(1) Shri Haribhai Pragjibhai Desai,
Ram Mahal, 4th Floor, Churchgate,
Bombay-1.

(Transferor)

(2) Shri Satishchandra Girjashanker Joshi,
D-6, Petro Chemical Township,
Tal. Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property being land and building bearing No. 13-B, Kunj Coop. Housing Society situated at Alkapuri, Baroda, admeasuring 2408.2 sq. ft. as described in the sale-deed registered under registration No. 1002, in the month of April, 1978 by registering Officer.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 28-7-1978
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th July 1978

Ref. No. P.R. No. 597 Acq. 23-1079/6-2/78-79.—
Whereas, I, S. C. PARIKHbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearingNo. 13-A Kunj Coop. Housing Society, admeasuring 3853.2
sq. ft. situated at Alkapuri, Baroda(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Baroda in April, 1978

for an apparent consideration

~~which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reasons to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of:—~~

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer; and/
-
- or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for the
-
- purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
-
- 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
-
- (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely:—

- (1) Shri Haribhai Pragjibhai Desai,
-
- Ram Mahal, 4th Floor, Churchgate,
-
- Bombay-1.

(Transferor)

- (2) Shri Jugatram Vijayshankar, Joshi,
-
- D-32, Petro Chemical Town Ship,
-
- Tal. Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property, within 45 days from the date of the
-
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property being land and building bearing No.
13-A, Kunj Coop. Housing Society, situated at Alkapuri,
Baroda, admeasuring 3853.2 sq. ft. as described in the sale-
deed registered under registration No. 1003 in the month of
April, 1978 by registering Officer.S. C. PARIKH.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.Date : 28-7-1978
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th October 1978

Ref. No. Acq.23-I-1674(729)/1-1/77-78.—Whereas, I,
S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 295 Paiki 2-B situated at Godasar, City Taluka, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ahmedabad on 3-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri
1. Natverlal Gordhandas Modi,
2. Taraben Natverlal
3. Surendra Natverlal Modi
4. Nilesh Natverlal Modi,
Rasik Chowk, Dhal's Pole, Astodia,
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shivshakti Co-Op. H. Soc. Ltd.,
through :
Chairman : Shri Amritbhai Ranchhodhbhai Patel,
Abhijan Society, Maninagar, Ahmedabad.
Secretary : Shri Shankerbhai Dhulabhai Patel,
Bhiravnath Road, Maninagar, Ahmedabad-8.
Managing : Shri Naranbhai Gangaram Patel,
Committee Member 10, Pritikunj Society,
Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 3388 sq. yds. bearing S. No. 295, Paiki 2-B, situated at Ghodasar, City Taluka, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide R. No. 3540 dated 3-4-1978.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 4-10-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st October 1978

Ref. No. Acq.23-I-1765(738)/1-1/77-78.—Whereas, I,
S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

FP No. 755, Sub-Plot No. 8, T.P.S. 3 situated at
Chhadawad, Nr. Ambawadi, Ahmedabad,
(and more fully described in the Schedule annexed here to)
has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad in April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) 1. Shri Chandrakant Ratilal Shah,
2. Smt. Kumudben Chandrakant Shah
both at A/5, Janshanti Flat,
Pritamnagar, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri Jashbhai Parshottamdas Patel,
Ramanand Flats, Kankaria,
Nr. Balvatika, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open land bearing FP No. 755, Sub-Plot No. 8 of
T.P.S. 3 situated at Chhadawad, Nr. Ambawadi, Ahmedabad,
admeasuring 426 sq. yd. duly registered by Registering Officer
Ahmedabad vide Sale-deed No. 4141 April, 1978 and as
fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 21-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st October 1978

Ref. No. Acq.23-I-1775(739)/16-6/77-78.—Whereas, I,
S. C. PARIKHbeing the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-
inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.Open land adm. sq. m. 164.40 situated at
Dhebhar Road, Opp. Power House, Rajkot(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Rajkot in April, 1978for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument or
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C. of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Shri Bhanji Bhojabhai
2. Shri Lalji Bhanji,
3. Shri Nagji Bhojabhai,
4. Gangaben Premji
All at 2, Laxmiwadi, Rajkot.

(Transferors)

- (2) 1. Shri Kanaiyalal Luxmidas,
2. Shri Govindji Karsandas,
3. Smt. Radhaben Govindji
4. Smt. Bhanumati Kanaiyalal,
All c/o Angel Bazar,
Dhebhar Chawk, Rajkot.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 164.40 sq. metre situated at Dhe-
bhar Road, Opp : Power House, Rajkot, duly registered with
the Registering Officer, Rajkot, vide sale-deed No. 593/
15.2.78 received in the 1st fortnight of April, 1978/No.
953/78 and as fully described in the said sale deed.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 21-10-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Pushpaben N. Kadiwar,
Duffualla, Shahibaug, Ahmedabad-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Smt. Devkishani Ramparshottambhai,
2. Shri Trilokchand Govindram
both of 7, Navin, New Civil Road,
Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st October 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Acq.23-1-1679(743)/1-1/77-78.—Whereas, I,
S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 151 of Dariapur Kazipur, F.P. No. 1/P P.S. 3B,
TPS 8 situated at Shahibaug, Camp Road, Ahmedabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at
Ahmedabad in April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land bearing Survey No. 151, F.P. 1/P,
Sub-Plot No. 3-B of T.P.S. 8, situated at Duffualla, Shahibaug,
Ahmedabad, duly registered with the registering Officer at
Ahmedabad vide sale-deed No. 3360/78 in the month of
April, 1978 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 21-10-1978
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st October 1978

Ref. No. Acq.23-I-1702(745)/11-2/77-78.—Whereas, I, S.C. PARIKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building known as Mangaram Chambers, E.P. 135 situated at Verawal—Junagadh Road, Keshod, Dist. Junagadh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Keshod on 19-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sindhi Shankerdas Mangaram,
(2) Smt. Hemiben Mangaram of Mangrol Road, Keshod, Dist. Junagadh. (Transferee)
- (2) 1. Shri Manharlal Soni,
2. Shri Hasmukhlal Soni, (Transferor)
- (3) Shri Vinodrai Hashmukhrail Soni,
All at Juna Plot, Near Swami Temple, Keshod, through power of Attorney holder Shri Soni Ramniklal Jamnadas, Keshod.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building known as "Mangaram Chambers", situated at Verawal Junagadh Road, (E.P. 135) Keshod, duly registered by Registering Officer, Keshod, vide Sale-deed No. 409/19-4-78 and as fully described in the said sale deed.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 21-10-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th October 1978

Ref. No. Acq.23-I-1688(747)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 903 situated at Village Vatwa, Dist. Ahmedabad, Tal. Daskroi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Joravatkhan Pirkhan & Others,
Maholatwada, Vatwa, Tal. Daskroi,
Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Asudevnagar Co-op. H. Soc. Ltd.,
through Chairman : Shri Anilkumar Shivalal,
Patel of Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land adm. 10285 sq. yd. bearing S. No. 903, situated at Village Vatwa, Taluka Daskroi, Dist. Ahmedabad, duly registered by Sale-deed No. 4460/27-4-1978 & as fully described therein.

S. C. PARIKH.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 26-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th October 1978

Ref. No. Acq.23-I-1668(748)/1-1/77-78.—Whereas, I,
S. C. PARIKH,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafterreferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingS. No. 71-1, F.P. 763, Sub-Plot No. 4-4, T.P.S. 3 situated at
Madalpur Urf Chhadawad, Ahmedabad.(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 10-4-1978for an apparent consideration which is less than the fair
market value of theaforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per-
cent of such apparent consideration and that the consi-
deration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

23—406G1/78

- (1) 1. Dr. Ramanlal Ranchhodlal Trivedi
2. Savitriben Prnalal Trivedi,
3. Mrudulaben Prnalal Trivedi
- all of Motinagar Society,
Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri P. R. Trivedi,
Secretary of the Mangal Jeevan Co-op. Housing
Society Ltd., Mahalaxmi Society,
Srimali Brahman Chhatralaya, Ahmedabad-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice on
the respective persons, whichever period expired
later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA, of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 71-1, F.P. 763, Sub Plot No. 4-4
T.P.S. 3, adm. 800 sq. yd. situated at Madalpur alias Chhada-
wad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide
sale-deed No. 3726, 10-4-1978 and as fully described therein.S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 26-10-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th October 1978

Ref. No. Acq.23-I-1682(749)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F.P. No. 80 Paiki Private Sub-Plot No. 'B', F.L. No. 80-B, TPS No. 3 situated at Dariapur Kazipur section, Municipal Slum Quarters, Pumping Station, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Swami Ramdasji Guruharidasji,
Mehdi Kuva, Sarvanandji's Jagya,
Nr. Slum Quarters, Shahpur,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Ramanlal Laxmanji Chauhan,
2. Shri Babulal Laxmanji Chauhan,
3. Shri Chandulal Laxmanji Chauhan
4. Minor Natverlal Laxmanji Chauhan
guardian Shri Ravtaji Chauhan of all of outside
Shahpur Gate, Nr. Kirannagar, Kazimang land,
Luhar's Chali, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land adm. 668 sq. m. situated at Dariapur Kazipur Section in T.P.S. 3, near Municipal Slum Quarters, Pumping station, Ahmedabad duly registered by Registering Officer at Ahmedabad vide Sale-deed No. 4261/10-4-1978 and as fully described therein.

S. C. PARIKH.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 26-10-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th October 1978

Ref. No. Acq.23-I-1675(750)/1-1/77-78.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 40 to 43, 169, 172 Paiki Sub-Plot No. 88, 89 & 90 situated at Godasar, Dist. Ahmedabad, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in April, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sharadchandra Amulakhrai Desai,
Power of Attorney holder of
Shri Amulakhrai Bhanrai Desai,
Shantiniwas Society, Godhra,
Dist. Panchmahal.

(Transferor)

- (2) Ramyajivan Co-op. Hos. Soc. Ltd.,
through : Secretary : Shri Krishnakant
Someswar Vyas 4, Mangalpark Society,
Gitamandir Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land adm. 2972 sq. yard bearing S. No. 40 to 43, 169, 172 Paiki Sub-Plot No. 88, 89, 90 situated at Ghodasar, Dist. Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 3565/April, 1978 & as fully described therein.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 26-10-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th November 1978

Ref. No. Acq.23-I-1706(752)/11-7/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing City Survey Ward No. 3 (double storeyed bldg.) situated at Bhojeshwar Plot, Opp : to DSP's Office Porbandar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Porbandar on 29-4-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following namely :—

(1) Prabhavati Premji Parekh,
Rijomal Mansion, Peddar Road,
Bombay.

(Transferor)

(1) 1. Shri Jatashanker Mulji Thanki,
2. Shri Girjashanker Mulji Thanki,
Opp : Kamla Nehru Baug, Porbandar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building bearing City Survey Ward No. 3 standing on land 731-2-1 sq. yd. situated at Bhojeshwar Plot, Opp : D.S.P's Office, Porbandar, duly registered by registering Officer at Porbandar vide Sale-deed No. 1917/29-4-1978 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 6-11-1978

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1978

Ref. No. P.R. No. 632 Acq.23-1142/19-7/78-79.—
Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 9, Nondh No. 409 situated at Store Sheri, Wadi Falia, Surat and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 4-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ramchandra Chhotubhai Mehta;
Shri Devdatta Ramchandra Mehta;
Shri Unmesh Ramchandra;
Bombay.

(Transferor)

- (2) Shri Kashiram Bhanabhai;
Shri Jamnadas Bhanabhai;
Shri Dhansukhlal Bhanabhai;
Wadi Falia, Chakawalani Sheri,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 9, Nondh No. 409, situated at Wadi Falia, Store Sheri, Surat admeasuring 175-58-53 sq. mts. 1/3rd hissa, as described in the sale deed registered under registration No. 1992 in the month of April, 1978 by registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 9-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1978

Ref. No. P.R. No. 633 Acq.23-1142/19-7/78-79.—

Whereas, I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Ward No. 9, Nondh No. 409 paiki 1/3rd hissa situated at
Wadi Falia Store Sheri, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Surat on 4-4-1978

for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reasons to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

(1) Shri Laxmanbhai Chhotubhai Mehta;
Shri Divaker Laxmanbhai Mehta;
Shri Vrajesh Laxmanbhai Mehta;
Shri Vishvansh Laxmanbhai Mehta;
Wadi Falia, Store Sheri,
Surat.

(Transferors)

(2) Shri Kashiram Bhanabhai;
Shri Jamnadas Bhanabhai
Shri Dhansukhlal Bhanabhai;
Wadi Falia, Chakawala's Sheri,
Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 9, Nondh No. 409,
situated at Store Sheri, Wadi Falia, Surat admeasuring
175-58-53 sq. mts. paiki 1/3rd hissa, as described in the sale
deed registered under registration No. 1993 in the month of
April, 1978 by the registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 9-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1978

Ref. No. P.R. No. 634 Acq.23-1142/19-7/78-79.—

Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 9, Nondh No. 409 paiki 1/3rd hissa situated at Store Sheri, Wadi Falia, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 4-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Shri Madhusudan Chotubhai Mehta;
Wadi Falia, Store Sheri,
Surat.

(Transferors)

- (2) Shri Kashiram Bhanabhai;
Shri Jumnadas Bhanabhai
Shri Dhansukhlal Bhanabhai;
Wadi Falia, Chakawala's Sheri,
Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 9, Nondh No. 409, situated at Wadi Falia, Store Sheri, Surat admeasuring 175-58-53 sq. mts. paiki 1/3rd hissa, as described in the sale deed registered under registration No. 1994 in the month of April, 1978 by the registering Officer Surat.

S. C. PARIKH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 9-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1978

Ref. No. P.R. No. 635 Acq.23-1143/19-7/78-79.—
Whereas, I. S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B/Ind./178 in the new extension situated at Udhna, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 20-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) General Manager,
Udhna Udyognagar Sahakari Sangh Ltd.
Post Box 24, Udyognagar, Udhna,
Dist. Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Prakash Bakery,
Partner : Shri Kantilal Thakordas
Near Nanpur aMarket, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing No. B/Ind./178 in the new extension situated at Udhna, Dist. Surat, admeasuring 1181 sq. yds. as described in the sale deed registered under registration No. 2345 in the month of April, 1978 by the registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 9-11-1978
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1978

Ref. No. P.R. No. 636 Acq.23-1144/19-7/78-79.—
Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 7, Nondh No. 3955-A situated at Raghunathpura, Satimatani Sheri, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat in April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—406GI/78

- (1) 1. Shri Bhikhabhai Purshottamdas self and Manager of his HUF and guardian of minor son Shri Rajendra and Nitin, Saiyedpura, Bardi Sheri, Surat.
2. Smt. Laxmiben Bhikhabhai, Saiyedpura, Surat.
3. Shri Lallubhai Purshottamdas self and Manager of his HUF and guardian of minor son Shri Mangubhai.
4. Smt. Shantaben Lallubhai.
5. Shri Babubhai Purshottamdas self and manager of his HUF.
6. Smt. Pamilaben Babubhai.
7. Shri Ganpatbhai Purshottamdas self and Karta of his HUF.
8. Smt. Manjulaben Ganpatbhai.
9. Kankuben Wd/o Purshottamdas Prabhubhai Patel, 3 to 9 at Rampura Kharwasa, Tal. Choryasi, Dist. Surat.

(Transferor)

- (2) Smt. Labhuben Dharamshibhai; Rughnathpura, Satimatani Sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 7 Nondh No. 3955-A situated at Rughnathpura, Satimatani Sheri, Surat admeasuring 104-14-46 sq. mts. as described in the sale deed registered under registration No. 1916 in the month of April, 1978 by the registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 9-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th November 1978

Ref. No. Acq.23-I-1667(756)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 44/2 or 44-B and S. No. 51/3 together with farm house etc. situated at Village Honsol Dist. Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Firoze Faramroze Kekobad, "Bharat Niwas", Udayan Marg, Opp : Law College Garden, Ellisbridge, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Bishop Charles Gomes, On behalf of the trust of Diocese of Ahmedabad "Bishop House", Mirzapur Road, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that pieces or parcels of Agricultural land adm. 35304 sq. mtrs. bearing S. No. 44/2 or 44/B & 51/3 of the limits of Village Hansol, Taluka City, Registration District and Sub-District, Ahmedabad with farm house, pump room and block of rooms for farm, labour etc. and more particularly as described in sale-deed No. 3862 dt. 10-4-78 duly registered by Registering Officer, Ahmedabad.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 27-11-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th November 1978

Ref. No. P.R. No. 641 Acq.23-1106/19-8/78-79.—
Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 1, Nondh No. 3381/B & 3386 situated at Old Court, Gopipura, Surat

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 17-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Navinchandra Navalchand Zaveri self and P. A. Holder of;
Shri Ratanchand Navalchand Zaveri;
11-A, 2nd Agiari Lane,
Behind Bullian Exchange Bld.,
Bombay-2.

(Transferor)

- (2) Shri Anant Darshan Apartment;
Coop. Housing Society Ltd.,
Gopipura, Bavasidi, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Ward No. 1, Nondh No. 3381-b and 3386 situated at old Court, Gopipura, Surat admeasuring 47-73 sq. mts. and 158-03 sq. mts. as described in the sale-deed registered under registration No. 2284 in the month of April, 1978 by the registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 28-11-1978

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION
MAY, 1979

New Delhi, the 6th January 1979

No. F.7/4/78-EI(B).—An examination will be held by the Union Public Service Commission commencing from 22nd May, 1979 for admission to the Army, Navy and Air Force Wings of the NDA for the 63rd course commencing in January, 1980.

The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be 300.

Admission to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, and syllabus of the examination, (b) physical standards for admissions to the Academy and (c) brief particulars of the service etc. for candidates joining the National Defence Academy are given in Appendices I, II and III respectively.

Note :—THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

2. *Centres of Examination* :—Ahmedabad, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Jaipur, Jammu, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patiala, Patna, Port Blair, Shillong, Simla, Srinagar and Trivandrum.

3. *CONDITIONS OF ELIGIBILITY* :—

(a) *Nationality* :—A candidate must be either :—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or
- (iii) a subject of Nepal, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaïre and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be admitted to the Academy subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

(b) *Age Limits, sex and marital status* :—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July, 1961 and not later than 1st January, 1964 are only eligible.

Note :—Date of birth as recorded in Matriculation/Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

(c) *Educational Qualifications* :—Higher Secondary Examination of a State Education Board or of a recognised university or equivalent. Candidates who have passed the 11th class examination under the 10+2 Pattern of School Education are also eligible.

Candidates who have yet to pass the Higher Secondary or Equivalent Examination or the 11th class examination under the 10+2 Pattern of School education can also apply.

Candidates are required to submit Higher Secondary Examination or Equivalent certificates in original to reach the Commission's office by 15th December, 1979 failing which their candidature will stand cancelled. Certificates in original issued by the principals of the institutions are also acceptable in cases where Boards/Universities have not yet issued certificates. Certified true copies of such certificates will not be accepted.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

Note 1 :—Those candidates who have yet to qualify in the Higher Secondary or equivalent examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of Board/University Examination, delay in declaration of result or any other ground what-so-ever.

Note 2 :—Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted their candidature will be cancelled.

4. *FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION* :—Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates). Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

5. *REMISSION OF FEE* :—(1) The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1-1-1964 and 25-3-1971 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1-6-1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1-11-1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

(2) The children of Junior Commissioned Officers, Non-Commissioned Officers and other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and the Indian Air Force and children of Ex-Junior Commissioned Officers, Ex-Non-Commissioned Officers and Ex-other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and Indian Air Force are not required to pay the prescribed fee if they satisfy the following conditions viz.

- (i) they are studying in the Military School, (formerly known as King George's Schools)/Sainik Schools run by the Sainik Schools Society, and
- (ii) their applications are forwarded by the Principal of the concerned School with the recommendation that they are expected to secure at least 30 percent of the aggregate marks of the written papers.

6. *HOW TO APPLY* :—Only printed applications on the form prescribed for the National Defence Academy Examination, May, 1979 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources :—

- (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
- (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's Office.
- (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area/Sub-Area Headquarters, Airmen's

Selection Centres, N.C.C. Units, and Naval Establishments.

All candidates whether already in Government service including those serving in the Armed Forces or in Government-owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service including those serving in the Armed Forces, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily-rated employees are, however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department/Commanding Officer before they are finally admitted to the examination. They should send their applications direct to the Commission after detaching the 2 copies of the form of certificate attached at the end of the application form and submit the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department/Commanding Officer with the request that one copy of the form of certificate duly completed may be forwarded to the Secretary, Union Public Service Commission, New Delhi, as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

Note :—Sailors (including boys and artificer apprentices) of the Indian Navy must give Indian Navy as their first preference. Their applications will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

Cadets of the Rashtriya Indian Military College (previously known as Sainik School) Dehra Dun, students of Military Schools (formerly known as King George's Schools) and Sainik Schools run by the Sainik Schools Society should submit their applications through the Principal of the College/School concerned.

7. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS IN THE COMMISSIONS OFFICE :—

- (i) From candidates in India—26th February, 1979.
- (ii) From candidates abroad or in Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep—12th March, 1979.

8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION.**(A) By all candidates :—**

- (i) Fee of Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account Head "051 Public Service Commission—Examination fees" and the receipt attached with the application.

- (ii) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photographs of the candidate duly signed on the front side.

(B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates :—

Attested/certified copy of certificate in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.

(C) By candidates claiming remission of fee :—

- (i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- (ii) An attested/certified copy of certificate from the following authorities in support of his claim to be a bona fide displaced person/repatriate—

(a) Displaced person from erstwhile East Pakistan

- (i) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakanya Project or of Relief Camps in various States.

OR

- (ii) District Magistrate of the area in which he may, for the time being be a resident.

OR

- (iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

- (iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

OR

- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

(b) Repatriates from Sri Lanka :—

High Commission for India in Sri Lanka.

(c) Repatriates from Burma :—

Embassy of India, Rangoon, or District Magistrate of the area in which the candidate may be resident.

9. REFUND OF FEE :—No refund of fee paid to the Commission with the application will be entertained except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection :—

- (i) A refund of Rs. 15/- (Rs. 4/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be made to a candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the Higher Secondary or equivalent examination or will not be able to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.
- (ii) A refund of Rs. 15/- (Rs. 4/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be allowed in the case of a candidate who took the NDA Examination December, 1978 and is recommended for admission to any of the courses on the results of that Examination provided his request for cancellation of candidature for the NDA Examination May, 1979 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 31st August, 1979.

10 ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS :—All applications received in the prescribed form for this examination will be acknowledged. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. RESULT OF APPLICATION :—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. ADMISSION TO THE EXAMINATION :—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT :—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted

by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support of his candidature by any means or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination, or
- (xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing, clauses, may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
 - (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

14. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF.—Candidates who qualify for interview on the result of the written examination will be required to submit to the Commission original certificates in support of their age and educational qualifications etc. soon after the declaration of the results of the written examination. The results of the written examination are likely to be declared in the month of August 1979.

15. COMMUNICATION REGARDING APPLICATIONS.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS)
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

16. CHANGE OF ADDRESS.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are re-directed if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICE SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.s BRANCH RTG., 6(SP) (a) WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch RTG, 6 (SP) (a) West Block 3, Wing, 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call-up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in exceptional circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ will be sole deciding authority.

Candidates whose names appear in the final merit list issued by the UPSC must notify their latest address to Army HQAG's Branch, Rtg. 6 (SP) (a) (i), West Block 3, Wing I, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022, immediately after publication of the merit list in the newspapers, if there is any change in the address already given so that joining instructions issued by Army HQ reach them in time. In case this is not done, the responsibility of non-receipt of the joining instructions will rest with the candidates.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests, where candidates for the Army/Navy will be assessed in officer potentiality and those for the Air Force in Pilot Aptitude Test and officer potentiality. The maximum marks obtainable at these tests are 900.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief, from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Parents or guardians of the candidates will be required to sign a certificate of this effect.

To be acceptable candidates for the Army/Navy should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, and (ii) officer potentiality tests, as fixed by the Commission in their discretion, and candidates for the Air Force should secure the minimum qualifying marks separately

In (i) written examination, (ii) officer potentiality test, and (iii) Pilot Aptitude Test as fixed by the Commission in their discretion. Subject to these conditions, the qualified candidates will then be placed in the final order of merit on the basis of total marks secured by them in the written examination, and the Services Selection Board Tests in two separate lists—one for the Army and the Navy and the other for the Air Force. The names of candidates who qualify for all the Services will appear in both the Merit Lists. The final selection for admission to the Army and Naval Wings of the National Defence Academy will be made in order of merit up to the number of vacancies available from the order of merit list for the Army and the Navy and for the Air Force Wing from the order of merit list for the Air Force subject to medical fitness and suitability in all other respects. The candidates who are common to both the merit lists will be considered for selection from both the lists with reference to their order of preferences and in the event of their final selection from one list, their names will be cancelled from the other list.

N.B.—EVERY CANDIDATE FOR THE AIR FORCE IS GIVEN PILOT APTITUDE TEST ONLY ONCE THE GRADE SECURED BY HIM AT THE FIRST TEST WILL THEREFORE, HOLD GOOD FOR EVERY SUBSEQUENT INTERVIEW HE HAS WITH THE AIR FORCE SELECTION BOARD. A CANDIDATE WHO FAILS IN THE FIRST PILOT APTITUDE TEST CANNOT APPLY FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION FOR THE AIR FORCE WING OR GENERAL DUTIES (PILOT) BRANCH OR NAVAL AIR ARM.

Candidates who have been given the Pilot Aptitude Test for any previous N.D.A. course should submit their applications for this examination for the Air Force Wing only if they have been notified as having qualified in Pilot Aptitude Test.

The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success in the examination confers no right of admission to the Academy. A candidate must satisfy the appointing authority that he is suitable in all respects for admission to the Academy.

19. DISQUALIFICATION FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, but were removed therefrom for lack of officer like qualities or on disciplinary grounds will not be admitted to the Academy.

Candidates who were previously withdrawn from the National Defence Academy on medical grounds or left the above Academy voluntarily are, however, eligible for admission to the Academy provided they satisfy the medical and other prescribed conditions.

20. RESTRICTION ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY.—Candidates must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application, though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

21. PAMPHLETS CONTAINING RULES AND QUESTION PAPERS.—With the introduction of objective type questions for all the papers included in the scheme of this examination with effect from the National Defence Academy Examination, December 1977, the printing of pamphlets containing rules and question papers for this examination has been discontinued. However, copies of pamphlets containing rules and question papers of preceding examinations upto National Defence Academy Examination held in May, 1977 are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001

and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

22. INTELLIGENCE TESTS—INFORMATION ABOUT.—The Ministry of Defence (Directorate of Psychological Research) have published a book with the title "A Study of Intelligence Test Scores of candidates at Services Selection Board." The purpose of publishing this book is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Services Selection Boards.

The book is a priced publication and can be obtained from the sources mentioned in paragraph 21 above.

R. S. AHLUWALIA,
Deputy Secretary

APPENDIX I

(The Scheme and syllabus of the examination).

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

1. The subject of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows :—

Subject	Duration	Max. Marks
1. English	2 hours	250
2. Mathematics—Paper I	2 hours	125
Paper II	2 hours	125
General Knowledge—Paper I (Science)	2 hours	200
Paper II (Social Studies, Geography and Current Events)	2 hours	200
		<hr/> 900

2. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

3. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

B. SYLLABUS OF THE EXAMINATION

ENGLISH.—The question paper will be designed to test, the candidates understanding of and his power to write English correctly and idiomatically. It will also include questions to test the candidate's knowledge of grammar, idiom and usage.

MATHEMATICS

PAPER-I

Arithmetic

Number Systems—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers. Fundamental operations—addition, subtraction, multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work. Percentages applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory—Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9, and 11. Multiples and factors. Factorisation Theorem. H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

Algebra

Basic Operations; simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. of polynomials. Solutions of quadratic equations in two unknowns—analytical and graphical solutions (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns—analytical and graphical solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and conditional identities. Laws of indices.

Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when $0^\circ \leq x \leq 90^\circ$ value of $\sin x$, $\cos x$ and $\tan x$, for $x=0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$ and 90° .

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometrical tables.

Simple cases of heights and distances.

PAPER II

Geometry

Lines and angles, plane and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and its properties including tangents and normals, (ix) Loci.

Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circles. Areas of figures which can be split up into these figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular ones and cylinders. Surface areas and volume of spheres.

Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms, bar charts, pie charts etc.

Calculation of mean of raw and grouped data.

GENERAL KNOWLEDGE

There will be two papers :

Paper I—Comprising Physics, Chemistry and General Science; and

Paper II—Comprising Social Studies, Geography and Current Events.

The following syllabus is designed to indicate the scope of the subjects included in these papers. The topics mentioned are not to be regarded as exhaustive; and questions on topics of similar nature not specially mentioned in the syllabus may also be asked. Candidates' answers are expected to show their knowledge and intelligent understanding of the questions.

PAPER I

SCIENCE

General knowledge Paper I will comprise the following :—

(A) Physical Properties and States of Matter, Mass, Weight, Volume, Density and Specific Gravity. Principle of Archimedes, Pressure Barometer.

Motion of objects. Velocity and Acceleration. Newton's Laws of Motion. Force and Momentum. Parallelogram of

Forces. Stability and Equilibrium of bodies. Gravitation, elementary ideas of Work, Power and Energy.

Effects of Heat. Measurement of Temperature and Heat. Change of State and Latent Heat. Modes of transference of Heat.

Sound Waves and their properties. Simple musical instruments.

Rectilinear propagation of Light. Reflection and refraction. Spherical Mirrors and Lenses. Human Eye.

Natural and Artificial Magnets. Properties of a Magnet. Earth as a Magnet.

Static and Current Electricity. Conductors and Non-conductors. Ohm's Law. Simple Electrical Circuits. Heating, Lighting and Magnetic effects of Current. Measurement of Electrical Power. Primary and Secondary Cells. Uses of X-Rays.

General Principles in the working of the following :—

Simple Pendulum. Simple Pulleys, Siphon, Levers, Balloon, Pumps, Hydrometer. Pressure Cooker. Thermos Flask, Gramophone, Telegraph, Telephone, Periscope, Telescope, Microscope, Mariner's Compass, Lightning Conductors, Safety Fuses.

(B) Physical and Chemical changes, Elements, Mixtures and Compounds. Symbols. Formulae and simple Chemical Equations. Laws of Chemical Combination (excluding problems), Properties of Air and Water.

Preparation and Properties of Hydrogen, Oxygen, Nitrogen and Carbon dioxide. Oxidation and reduction.

Acids; Bases and Salts.

Carbon—Different forms.

Fertilizers—Natural and Artificial.

Materials used in the preparation of substances like Soap, Glass, Ink, Paper, Cement, Paints, Safety Matches and Gun Powder.

Elementary ideas about the Structure of Atom. Atomic equivalent and Molecular Weights, Valency.

(C) Difference between the living and non-living.

Basis of Life—Cells Protoplasm and Tissues.

Growth and Reproduction in Plants and Animals.

Elementary knowledge of Human Body and its important organs.

Common Epidemics, their causes and prevention.

Food—Source of Energy for Man. Constituent of food, Balanced Diet.

The Solar System. Meteors and Comets. Eclipses.

Achievements of Eminent Scientists.

NOTE : Out of maximum marks assigned to the paper, questions on Part (A), (B) and (C) will generally carry 50%, 30% and 20% marks respectively.

PAPER II

(SOCIAL STUDIES GEOGRAPHY AND CURRENT EVENTS)

General Knowledge Paper II will comprise the following :—

(A) A broad survey of Indian History with emphasis on Culture and Civilisation.

Freedom Movement in India.

Elementary study of Indian Constitution and Administration.

Elementary knowledge of Five Year Plans of India.

Panchayat Raj, Co-operatives and Community Development.

Bhoodan, Sarvodaya, National Integration and Welfare State. Basic teachings of Mahatma Gandhi.

Forces shaping the modern world; Renaissance, Exploration and Discovery; War of American Independence. French Revolution. Industrial Revolution, and Russian Revolution. Impact of Science and Technology on Society.

Concept of One World, United Nations, Panchsheel, Democracy, Socialism and Communism. Role of India in the present world.

(B) The Earth, its shape and size. Latitudes and Longitudes. Concept of Time. International Date Line. Movements of Earth and their effects.

Origin of Earth, Rocks and their classification: Weathering—Mechanical and Chemical; Earthquakes and Volcanoes.

Ocean Currents and Tides.

Atmosphere and its composition; Temperature and Atmospheric Pressure; Planetary Winds; Cyclones and Anti-cyclones; Humidity, Condensation and Precipitation; Types of Climate.

Major Natural regions of the World.

Regional Geography of India—Climate, Natural vegetation. Mineral and Power resources; location and distribution of Agricultural and Industrial activities.

Important Sea Ports and main sea, land and air routes of India. Main items of Imports and Exports of India.

(C) Knowledge of important events that have happened in India in the recent years.

Current important world events.

Prominent personalities—both Indian and International including those connected with cultural activities and sports.

NOTE: Out of the maximum marks assigned to the paper, question on parts (A), (B) and (C) will generally carry 40%, 40% and 20% marks respectively.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview, the candidates will be put to Intelligence Test both verbal and non-verbal designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests, such as group discussions, group planning, outdoor group tasks and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX II

GUIDELINES FOR PHYSICAL STANDARDS FOR ADMISSION TO THE NATION DEFENCE ACADEMY

NOTE.—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARDS. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE, ADVISED IN THEIR OWN INTERESTS TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A sufficient number of suitable candidates recommended by the Services Selection Board will be medically examined by a Board of Service Doctors. A candidate who is not declared fit by the Medical Board will not be admitted to the Academy. The very fact that the Medical Examination has been carried out by a Board of Service Doctors will not mean

or imply that the candidate has been finally selected. The proceedings of the Medical Board are confidential and cannot be divulged to any one. The results of candidates declared, unfit/temporarily unfit are intimated to them along with the procedure for submission of fitness certificate and appeal. No request for the results of Medical Board will be entertained by the President of the Medical Board.

Candidates for the Army are advised in their own interest, that if their vision does not come up to the standard they must bring with them their correcting glasses if and when called up for Services Selection Board Interview/Medical Examination.

1. To be declared fit for admission to the National Defence Academy a candidate must be in good physical and mental health and free from any disability likely to interfere with the efficient performance of duty.

2. It will however, be ensured that:—

(a) there is no evidence of weak constitution, imperfect development, serious malformation or obesity;

(b) there is no maldevelopment or impairment of function of the bones or joints;

NOTE: A candidate with rudimentary cervical rib in whom there is no signs and symptoms referable to the cervical rib may be considered fit. However, the defect is to be recorded as a minor disability in the medical board proceedings.

(c) there is no impediment of speech;

(d) there is no malformation of the head, deformity from fracture or depression of the bones of the skull;

(e) there is no impaired hearing, discharge from or disease in either ear, unhealed perforation of the tympanic membranes or signs of acute or chronic suppurative otitis-media or evidence of radical or modified radical mastoid operation.

NOTE: A soundly healed perforation without any impairment of the mobility of the drum and without impairment of hearing should not be a bar to acceptance of a candidate for the Army.

(f) there is no disease of the bones or cartilages of the nose of nasal polypus or disease of the nasopharynx and accessory sinuses;

NOTE: (i) A small asymptomatic traumatic perforation of the nasal septum will not be a cause for outright rejection and such cases would be referred to the Adviser in Otology.

NOTE: (ii) Diagnostic antrum puncture to confirm Maxillary Sinusitis should be resorted to only in appeal cases and not as a routine in the initial examination when a radiological examination, if indicated, should be adequate.

(g) there are no enlarged glands due to tubercular or due to other disease in the neck and other parts of the body and that the thyroid gland is normal.

NOTE: Scars of operations for the removal of tuberculous glands are not a cause for rejection provided that there has been no active disease within the preceding five years and the chest is clinically and radiologically clear.

(h) there is no disease of the throat palate tonsils or gums or any disease or injury affecting the normal function of either mandibular joints;

NOTE: Simple hypertrophy of the tonsils, if there is no history of attacks of tonsillitis is not a cause for rejection.

(i) there is no sign of functional or organic disease of the heart and blood vessels;

- (j) there is no evidence of pulmonary tuberculosis or previous history of this disease or any other chronic disease of the lungs;
- (k) there is no evidence of any disease of the digestive system including any abnormality of the liver and spleen; and there is no abdominal tenderness or pulpitation.
- (l) Inguinal hernia (unoperated) or tendency thereto will be a cause for rejection;

NOTE :—In the case of candidates who have been operated for hernia, they may be declared fit provided—

- (i) one year has elapsed since the operation (documentary proof is to be furnished by the candidate);
- (ii) general tone of the abdominal musculature is good; and
- (iii) there has been no recurrence of the hernia or complication connected with the operation.
- (m) there is no hydrocele or definite varicocele or any other disease or defect of the genital organs.

NOTE :—(i) A candidate who has been operated for a hydrocele will be accepted if there are no abnormalities of the cord and testicle and there is no evidence of filariasis;

- (ii) Undescended intra-abdominal testicle on the one side should not be a bar to acceptance of candidates for commissioning in the armed Forces provided the other testicle is normal and there is no untoward physical or psychological effect due to the anomaly. Undescended testis retained in the inguinal canal or at the external abdominal ring is, however, a bar to acceptance unless corrected by operation.
- (n) there is no fistula and/or fissure of the anus or evidence of haemorrhoids;
- (o) there is no disease of the kidneys. All cases of Glycosuria and Albuminuria will be rejected.
- (p) there is disease of the skin, unless temporary or trivial. Scars which by their extent or position cause or are likely to cause disability or marked disfigurement are a cause for rejection.
- (q) there is no active latent or congenital venereal disease;
- (r) there is no history of evidence of mental disease of the candidate or his family. Candidates suffering from epilepsy, incontinence of urine or enuresis will not be accepted.
- (s) there is no squint or morbid condition of the eye or of the lids which is liable to a risk of aggravation or recurrence; and
- (t) there is no active trachoma or its complications and sequelae.

NOTE :—Remedial operations are to be performed prior to entry. No guarantee is given of ultimate acceptance and it should be clearly understood by the candidates that the decision whether and operation is desirable or necessary is one to be made by their private medical adviser. The Government will accept no liability regarding the result of operation or any expense incurred.

3. Standards for Height, Weight and chest measurements.

(a) *Height*—(i) The height of candidates will be measured by making him stand against the standard with his feet together. The weight should be thrown on the heels and not on the toes or outer sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard: the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the

horizontal bar; and the height will be recorded in centimetres; decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored, 0.5 centimetre will be recorded as such, 0.6 centimetre and above will be recorded as one.

(ii) The minimum acceptable height for a candidate is 157.5 cms. (157 cms. for the Navy) except in case of Gorkhas, Nepalese, Assamese and Garhwali candidates in whose case the height may be reduced by 5.0 cms. The minimum height of Naval candidates from MANIPUR, ARUNACHAL PRADESH, MEGHALAYA, MIZORAM and TRIPURA may also be reduced by 5.0 cms. and 2 cms. in the case of candidates from LACCADIVES.

NOTE.—Relaxation of height up to 2.5 cms. (5 cms. for the Navy) may be allowed where the Medical Board certifies that the candidate is likely to grow and come up to the required standard on completion of his training. Further proportional relaxation will be allowed for cadets for Indian Navy who are below 18 years of age.

(iii) *Air Force only*.—To meet the special requirements for training as a Pilot minimum height will be 162.5 cms. Acceptable measurements of leg length thigh length and sitting height will be as under :—

Leg length	minimum	99.0 cms.
	maximum	120.0 cms.
Thigh length	maximum	64.0 cms.
Sitting height	minimum	81.50 cms.
	maximum	96.00 cms.

NOTE : On account of lower age of candidates a margin of upto 5.0 cms. in height, 2.5 cms in leg length (minimum) and 1.0 cms. in sitting height (minimum) may be given, provided it is certified by the medical board that the candidate is likely to grow and come up to the required standard on completion of training at NDA.

(b) *Weight*.—(i) Weight will be taken with the candidate fully stripped or with under pants only. In recording weight, fraction of half a kg will not be noted. A correlation table between age, height and average weight is given below for guidance.

Age	Period	15—16	16—17	17—18
Height (C.M.)	Weight Kg.	Weight Kg.	Weight Kg.	
157.00	43.5	45.0	47.0	
160.00	45.0	46.5	48.0	
162.00	46.5	48.0	50.0	
165.00	48.0	50.0	52.0	
167.50	49.0	51.0	53.0	
170.00	51.0	52.5	55.0	
173.00	52.5	54.5	57.0	
175.00	54.5	56.0	59.0	
178.00	56.0	58.0	61.0	
180.00	58.5	60.0	63.0	
183.00	61.0	62.5	65.0	

(ii) It is not possible to lay down precise standards for weight in relation to height and age. The correlation table is therefore only a guide and cannot be applied universally. A 10 per cent (± 6 kg. for the Navy) departure from the average weight given in the table is to be considered as within normal limits. There may nevertheless be some individuals who according to the above standard may be overweight but from the general build of the body are fit in every respect. The over-weight in such cases may be due to heavy bones and muscular development and not to obesity. Similarly for those who are under-weight the criteria should be the general build of the body and proportionate development rather than rigid adherence to the standards in the above table.

(c) *Chest*.—The chest should be well proportional and well developed with a minimum range of expansion of 5.0 cm. The candidate's chest will be measured by making him stand erect with his feet together, and his arms raised over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper

edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind, and its lower edge the upper part of the nipples in front. The arms will then be lowered to hang loosely by the side. Care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum and minimum expansions of the chest will be carefully noted. The minimum and maximum will then be recorded in cms. decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored; 0.5 cm. will be recorded as such and 0.6 centimetre and above will be recorded as one.

For Air Force.—X-Ray spine is also to be taken to rule out any scoliosis. Scoliosis of more than 7° (by Cobb's method) will be a cause for rejection for flying. ECG of all candidates for Air Force will be taken. Those with specific abnormalities will be rejected.

NOTE.—For Air Force and Navy, X-ray of chest is compulsory.

4. Dental conditions.

It should be ensured that a sufficient number of natural and sound teeth are present for efficient mastication.

(a) A candidate must have a minimum of 14 dental points to be acceptable. In order to assess the dental condition of an individual points are allotted as under for teeth in good apposition with corresponding teeth in the other jaw.

(i) Central incisor, lateral incisor, canine 1st and 2nd premolars and underdeveloped third molar—1 point each.

(ii) 1st and 2nd molar and fully developed third molar—2 points each.

When all 32 teeth are present, there will be a total count of 22 points.

(b) The following teeth in good functional apposition must be present in each jaw;

(i) any four of the six anteriors.

(ii) any six of the ten posteriors.

(c) candidates suffering from severe pyorrhoea will be rejected. Where the state of pyorrhoea is such that in the opinion of the dental officer, it can be cured without extraction of teeth, the candidate may be accepted.

5. Visual Standards

(a) Visual acuity

Standard I

	Better eye	Worse eye
Distant Vision	V-6/6	V-6/9
		Correctable to 6/6

Standard II

Distant Vision (corrected)	6/6	6/9
Myopia of not more than—2.5 D including astigmatism (.5 D in case of Navy)		

Manifest Hypermetropia of not more than +3.5 D including astigmatism.

NOTE 1. Fundus and Media to be healthy and within normal limits.

2. No undue degenerative signs of vitreous or chorio-retina to be present suggesting progressive myore-tina.

3. Should possess good binocular vision (fusion faculty and full field of vision in both eyes).

4. There should be no organic disease likely to exacerbations or deterioration.

(b) Colour Vision

Candidates who do not possess the minimum colour perception standard CP-3 (Defective Safe) defined below will be declared Unfit :—

CP-3 (Defective Safe) :—Candidates should be able to recognise white, signal red and signal green colours correctly as shown by Martin's Lantern at a distance of 1.5 metre or read the requisite plates of Ishihara Book/Tokyo Medical College Book.

(c) Requirements for Services :

ARMY-VS II (Minimum Standard)

NAVY (i)—Visual Standard I.—No glasses will be worn by candidates for the Executive Branch but these standards may be relaxed if permitted by Naval Headquarters, for a limited number of otherwise suitable candidates of Engineering and Electrical Branches up to 6/18, 6/36, correctable to 6/6 both eyes with glasses.

(ii) Special requirements :

Normally cadets/Direct entry officers for all branches of the Navy will not be tested for Della Casa for Night Vision Acuity (NVA) as a routine and will be asked to furnish the following certificate at the time of medical examination which will be attached to the Medical board proceedings :—

I hereby certify that to the best of my knowledge there has not been any case of congenital night blindness in our family, and I do not suffer from it.

Signature of the candidate

Counter signature of the Medical Officer

However, all cases of suspected Xerophthalmia, Pigmentary degeneration/disturbances of Choric Retina, Abnormal Iris and pupillary conditions who are otherwise fit in all respects, will be subjected to detailed NVA tests in the usual manner.

Colour Perception

Standard I MLT

Heterophoria

(Martin's Lantern test)

Limit of Heterophoria with the Maddox Rod/Wing tests (provided convergence insufficiency and other symptoms are absent) must not exceed :

(a) At 6 metres—

Exophoria	8 prism	deoptres
Esophoria	8 prism	deoptres
Hyperphoria	1 prism	deoptre

(b) At 30 cms

Esophoria	6 prism	deoptres
Esophoria	6 prism	deoptres
Hyperphoria	1 prism	deoptre

Limits of hypermetropia (Under homotropine)

	Better eye
Hypermetropia	1.50 deoptres
Simple hypermetropic astigmatism	0.75 deoptre
Compound Hypermetropic astigmatism	The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 1.5 deoptres of which not more than 0.75 deoptre may be due to astigmatism.

	Worse eye
Hypermetropia	2.5 deoptres
Simple Hypermetropic astigmatism	1.5 deoptres
Compound Hypermetropic astigmatism	The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 2.5 deoptres of which not more than 1.0 deoptre may be due to astigmatism.

Hypermetropia	2.5 deoptres
Simple Hypermetropic astigmatism	1.5 deoptres
Compound Hypermetropic astigmatism	The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 2.5 deoptres of which not more than 1.0 deoptre may be due to astigmatism.

Myopia—Not to exceed 0.5 dioptre in any one meridian,

Binoocular Vision

The candidates must possess good binocular vision (Fusion faculty and full field of vision in both eye):—

AIR FORCE (i) V.S.I.

No glasses will be worn.

(ii) Special requirements :

Manifest Hypermetropia must not exceed 2.25 D,

Ocular Muscle Balance :

Heterophoria with the Maddox Rod test must not exceed :

(a) at 6 metres	Exophoria 6 prism deoptres. Esophoria 6 prism deoptres. Hyperphoria 1 prism deoptre
(b) at 33 cms.	Exophoria 16 prism deoptres. Esophoria 6 prism deoptres. Hyperphoria 1 prism deoptres. Myopia—Nil. Astigmatism $\times 0.75$ Day

Binocular vision.—Must possess good binocular vision (fusion and stereopsis with good amplitude and depth).

Colour Perception—Standard 1 MLT.

6. Hearing standard.

Hearing will be tested by speech test. Where required, audiometric records will also be taken.

(a) Speech Test

The candidate should be able to hear a forced whisper with each ear separately standing with his back to the examiner at a distance of 610 cms, in a reasonable quiet room. The examiner should whisper with the residual air; that is to say at the end of an ordinary expiration.

(b) Audiometric tests

Audiometric loss should not be greater than + 10db. in frequencies between 210Hz and 4000 Hz. In evaluating the audiograms, the base line zero of the audiometer, the environmental noise conditions under which the audiogram has been obtained should be taken into consideration and on the recommendations of an Air Force ENT Specialist minor departures from the stipulated standard may be condoned.

7. Routine basal EEG.—All the candidates for Air Force will be subjected to EEG examination. Those with specific abnormalities will be rejected.

APPENDIX III

(Brief particular of the Services etc.)

1. Before a candidate joins the Academy, the parent or guardian will be required to sign :

(a) a certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall, not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

(b) A bond to the effect that if for any reasons considered within the control of the candidate he wishes to withdraw before the completion of the course or

fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

2. The cost of training including accommodation, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by the Government. Parents or guardians of cadet will however, be required to meet their pocket and other private expenses. Normally, these expenses are not likely to exceed Rs. 40.00 p.m. If in any case a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance up to Rs. 40.00 p.m. for the 1st and 2nd years, Rs. 45.00 p.m. for the 3rd year training at NDA and Rs. 55.00 p.m. for further specialist training in Army/Navy/Air Force Training Establishments may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 450.00 p.m. or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having financial assistance from the Government should immediately after his son/ward having been finally selected for training at the National Defence Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will forward the application with his recommendation to the Commandant National Defence Academy, KHADAKWASLA, PUNE (411023).

3. Candidates finally selected for training at the Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant, National Defence Academy, on arrival there :

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 40.00 per month	Rs. 200.00
(b) For items of clothing and equipment :	Rs. 650.00
Total	Rs. 850.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial aid being sanctioned to them :

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 40.00 per month	Rs. 200.00
(b) For items of clothing and equipment	Rs. 475.00 approximately

4. The following scholarships are tenable at the National Defence Academy :

(1) PARSHURAM BHAI PATWARDHAN Scholarship.—This scholarship is granted to boys who belong to MAHARASHTRA AND KARNATAKA and whose parent's income is between Rs. 350.00 and 500.00 per month from all sources. The value of the scholarship is equal to the Government financial assistance. It is admissible for the duration of a Cadets' stay in the National Defence Academy and other Pre-commission training establishments subject to the Cadet's good conduct and satisfactory progress in the training and his parent's income remaining below the prescribed limit. Cadets who are granted this scholarship, will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.—This scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to a MARATHA cadet who should be the son of an ex-serviceman. The scholarship, in addition, to any financial assistance from the Government.

(3) KUER SINGH MEMORIAL, Scholarships.—Two scholarships are awarded to two cadets who obtain the highest position amongst candidates from BIHAR. The value of each scholarship is Rs. 37.00 per mensem tenable for a maximum period of 4 years during the training at the National Defence Academy Kharakwasla and thereafter at the Indian Military Academy, Dehra Dun and the Air Force Flying College and Naval Academy Cochin where the cadets

may be sent for training on completion of their training at the National Defence Academy. The scholarships will however, be continued subject to making good progress at the above institutions.

(4) ASSAM GOVERNMENT Scholarships.—Two scholarships will be awarded to the cadets from ASSAM. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per mensem and is tenable for the duration of a cadet's stay at the National Defence Academy. The scholarships will be awarded to the two best cadets from ASSAM without any reference to the income of their parents. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(5) UTTAR PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—Two scholarships each of the value of Rs. 30.00 per month and an outfit stipend of Rs. 400.00 are awarded to two cadets who belong to UTTAR PRADESH on merit-cum-means basis and are tenable for a period of three years subject to satisfactory performance by the cadets at National Defence Academy. Cadets who are granted these Scholarships are not entitled to any other financial assistance from Government.

(6) KERALA GOVERNMENT Scholarship.—One merit scholarship of the value of Rs. 480/- per annum for the entire period of training at NDA, will be awarded by the State Government of Kerala to a Cadet who is a domiciled resident of the state of KERALA and who secures the first position in the all India UPSC Entrance Examination to NDA irrespective of the fact whether he has passed out from RIMC or from any of the Sainik Schools in India. The financial position of a Cadet's father/guardian is not taken into consideration.

(7) BIHARI LAL MANDAKINI Prize.—This is a cash prize of Rs. 500.00 available for the best BENGALI boy in each Course of the Academy. Application forms are available with the Commandant, National Defence Academy.

(8) ORISSA GOVERNMENT Scholarships.—These scholarships, one for the Army, one for the Navy and the other for the Air Force of the value of Rs. 80.00 each per month will be awarded by the Government of Orissa to the cadets who are permanent residents of the State of ORISSA. Two of these scholarships will be awarded on the basis of merit-cum-means of the cadets whose parent's or guardian's income does not exceed Rs. 5,000 per annum and the other one will be given to the best cadet irrespective of his parent's or guardian's income.

(9) WEST BENGAL GOVERNMENT Scholarships.—Following categories of scholarships are awarded by the West Bengal Government to those cadets who are permanent residents of WEST BENGAL :—

(a) Category I.—Three scholarships, one each for Army, Navy and Air Force at the rate of Rs. 360 per annum during 1st and 2nd years and at the rate of Rs. 480 per annum during the 3rd year at the Academy and 4th year at the specialised training institution, with an initial outfit stipend of Rs. 400 in addition for those cadets who are not eligible for any other scholarships at the Academy.

(b) Category 2.—Three scholarships of a lump-sum grant of Rs. 100 per annum in addition to Government financial assistance.

(10) Pilot Officer GURMEET SINGH BEDI MEMORIAL Scholarship.—One Scholarship of Rs. 420.00 per annum is granted to the cadet who stands highest in the overall order of merit amongst Air Force Cadets at the end of the 4th term. It is for the duration of one year (during 5th and 6th terms). This scholarship will be withdrawn if the recipient is relegated or withdrawn during the period of its receipt. The Cadet who is already in receipt of any such merit scholarship or financial assistance is not entitled to this scholarship.

(11) HIMACHAL PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—Four scholarships will be awarded to cadets from HIMACHAL PRADESH. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per month during the first two years of training and Rs. 40.00 per month during the third year of training. These scholarships will be available to those cadets whose parent's income is below Rs. 500.00 per month. No cadet

in receipt of financial assistance from the Government will be eligible for the scholarship.

(12) TAMIL NADU GOVERNMENT Scholarship.—The Government of Tamil Nadu has instituted at NDA one scholarship per Course, of value of Rs. 30/- per month plus an outfit allowance of Rs. 400/- (one only during the entire period of cadet's training) to be awarded to a cadet belonging to the State of Tamilnadu, whose parent's/guardian's monthly income does not exceed Rs. 500/-. The application by an eligible cadet can be made to the Commandant, National Defence Academy on their arrival.

(13) RAJASTHAN GOVERNMENT Scholarship.—The Government of Rajasthan has instituted at the NDA three scholarships (one for Army, Navy and Air Force each) per Course of the value of Rs. 50/- per month plus an outfit allowance of Rs. 400/-. (One only during the entire period of a cadet training) to be awarded to the cadets who are sons/wards of Ex JCCO/ORs or equivalent of the Navy and Air Force belonging to the State of Rajasthan. The application can be made to the Commandant, National Defence Academy by the eligible cadets, on their arrival.

Terms and conditions governing these scholarships are obtainable from the Commandant, National Defence Academy, KHADAKWASLA, Pune (411023).

5. Immediately after the selected candidates join the Academy, a preliminary examination will be held in the following subjects :—

- (a) English;
- (b) Mathematics;
- (c) Science;
- (d) Hindi.

The standard of the examination in the subjects, at (a), (b) and (c) will not be higher than that of the Higher Secondary Examination of an Indian University or Board of Higher Secondary Education. The paper in the subject at (d) is intended to test the standard attained by the candidate in Hindi at the time of joining the Academy.

Candidates are therefore advised not to neglect their studies after the competitive examination.

TRAINING

6. The selected candidates for the three services viz., Army, Navy and Air Force are given preliminary training both academic and physical for a period of 3 years at the National Defence Academy which is an Inter-Service Institution. The training during the first two and a half years is common to the cadets of three wings. The academic training imparted will be up to degree level in Science or Humanities as the case may be.

7. On passing out from the National Defence Academy, Army Cadets go to the Indian Military Academy, Dehra Dun Naval Cadets to the Cadet's Training Ship and Air Force cadets to EFS BIDAR.

8. At the I.M.A. Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of one year aimed at turning officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd/Lt. subject to being medically fit in "SHAPE".

9. The Naval cadets are selected for the Executive, Engineering and Electrical and Supply and Secretariat Branches of the Navy on passing out from the National Defence Academy and are given sea training on the Cadet Trainingship for a period of six months, on successful completion of which they are promoted to the rank of Midshipman. After a further training of 6 months in the respective branches to which they are allocated they are promoted to the rank of acting sub-Lieutenants.

10. Air Force cadets receive flying training for a period of 1½ years. It is proposed to train all cadets as Fighter Pilots. After successful completion of training they are Commissioned as Pilot Officers and awarded flying badges, if a cadet shows inadequate aptitude for flying, he may be permitted to revert to IMA, Dehradun as Army cadets/Naval Academy Cochin as Naval Cadets as the case may be and as per choice of Service opted by him at the EFS, BIDAR.

TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE

11. ARMY OFFICERS

(i) PAY

Rank	Pay scale	Rank	Pay Scale
	Rs.		Rs.
2nd Lieut.	750—790	Lt. Colonel (time scale)	1800 fixed
Lieut.	830—950	Colonel	1950—2175
Captain	1100—1550	Brigadier	2200—2400
Major	1450—1800	Maj. General	2500—125/2—2750
Lt. Colonel By Selection	1750—1950	Lt. General	3000 p.m.

(ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt Col and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4,500/- or 6000/-, based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat. 'B') are authorised to qualification pay @ Rs. 70/-.

(iii) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present receives the following allowances :—

- Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted officers from time to time.
- A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- Expatriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
- Separation allowance : Married Officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 70 p.m.

(iv) POSTING

Army Officers are liable to serve any where in India and abroad.

(v) PROMOTIONS

(a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :—

By Time Scale

Lt.	2 years of commissioned service.
Capt.	6 years of commissioned service
Major	13 years of commissioned service.
Lt. Col. from Major if not promoted by selection	25 years of commissioned service.

By Selection

Lt. Col.	16 years of commissioned service
Col.	20 years of commissioned service
Brigadier	23 years of commissioned service

Maj-Gen.	25 years of commissioned service
Lt.-Gen.	28 years of commissioned service
Gen.	No restriction.

(d) Acting Promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum service limits subject to availability of vacancies :—

Captain	3 years.
Major	6 years
Lt. Colonel	6½ years.
Colonel	8½ years.
Brigadier	12 years.
Maj. General	20 years.
Lt. General	25 years.

12. NAVAL OFFICERS

(i) PAY

Rank	Pay Scales	
	General service	Naval Aviation & Submarine
	Rs. p.m.	Rs. p.m.
Midshipman	560/-	560/-
Ag. Sub-Lieut	750/-	825/-
Sub.-Lieut.	830/870	910—950
Lieut.	1100—1450	1200—1550
Lieut. Cdr.	1550—1800	1650—1800
Cdr.	1800—1950	1800—1950
Captain	1950—2400	1950—2400
	Commodore receives pay to which entitled according to Seniority as Captain.	
	Rear Admiral—2500—125/2750	
	Vice Admiral—3000/- p. m.	

Qualifications pay/grant is also admissible to—

Officers of the rank of CDR and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualification held by them.

(ii) ALLOWANCES

Naval Aviation Officers are entitled to Flying pay at monthly rates and under conditions applicable to corresponding ranks for Air Force Officers.

Naval Officers are entitled to other allowances as applicable to Army Officers of equivalent rank. In addition certain special concessions, like hardy money submarine allowance, submarine pay and diving pay are admissible to them.

(iii) PROMOTIONS

(a) Substantive Promotions

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher rank :—

By Time Scale

Sub. Lt.	1 year
Lt.	3 years (subject to gain/forfeiture of seniority).
Lt. Cdr.	8 years seniority as Lt.
Cdr.	24 years commissioned service (if not promoted by selection).

By Selection

Cmdr. Executive Branch	2-8 years of seniority as Lt. Cdr.
Cmdr. Engineering Branch	2-10 years seniority as Lt. Cdr.
Cmdr. Electrical Branch	2-10 years seniority as Lt. Cdr.
Cmdr. Supply & Secretariat Branch	4-10 years seniority as Lt. Cdr.
Capt.	4 years seniority as Cdr.
Rear Admiral	No restriction.
Vice-Admiral	No restriction.

(b) Acting Promotion

There is no service limit for grant of acting promotion in the Navy except to the rank of Lt. Cdr. or which an officer should have attained 6 years seniority as Lieutenant.

1. AIR FORCE OFFICER**(i) PAY**

Rank	Pay Scale
	Rs.
Plt. Offr.	825—865
Fg. Offr.	910—1030
Flt. Lt.	1300—1550
Sqn. Ldr.	1650—1800
Wg. Cdr. (Selection)	1750—1950
Wg. Cdr. (Time Scale)	1800(fixed)
Gp. Capt.	1950—2175
Air Cdr.	2200—2400
Air Vice-Marshal	2500—2750
Air Marshal	3000
Air Chief Marshal (CAS)	4000

(ii) ALLOWANCES

Flying Pay—Officers of the Flying Branch (Pilots and Navigators) are entitled to get flying pay at the following rates :

	Rs.
Plt. Offr. to Wg. Cdre.	375.00 p.m.
Gp. Capt. and Air Cdr.	333.33 p.m.
Air Vice Marshal & above	300.00 p.m.

(iii) Qualification Pay/Grant—Admissible to Flying Branch Officers possessing certain prescribed qualifications at the rate given below :—

Qualification pay	Rs. 100 p.m. or Rs. 70 p.m.
Qualification Grants	Rs. 6,000/- or Rs. 4500/- Rs. 2,400/- or Rs. 1,600/-

(iv) PROMOTIONS**(a) Substantive promotion**

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :—

By Time Scale

Flying Officer	1 year commissioned service.
Flt. Lt.	5 years commissioned service.
Sqn. Ldr.	11 years commissioned service.
Wg. Cdr.	On completion of 24 years of commissioned service if not promoted by selection.

By Selection

Wg. Cdr.	31 years service as substantive Sqn. Ldr.
------------------	---

Gp. Capt.	4 years service as substantive Wg. Cdr.
Air Commodore	3 years service as substantive Group Capt.
Air-Vice Marshal	3 years service as substantive Air Commodore.
Air Marshal	2 years service as substantive Air Vice-Marshal.

(b) Acting Promotion

The following are the minimum service limits required for acting promotion of officers :—

Flt. Lt.	2 years
Sqn. Ldr.	5 years.
Wg. Cdr.	6 years (After service of 1 year in the rank of Sqn. Ldr.)
Gp. Captain	8 years (After service of 1 year in the rank of Wg. Cdr.)
Air Cdr.	11-1/2 years (After service of 3 years in the ranks of Wg. Cdr. and Gp. Captain.)
Air Vice-Marshal	15 years (After service of 5* years in the ranks of Wg. Cdr., Gp. Capt. and Air Cdr.)
Air-Marshal	23 years

*Inclusive of broken period.

14. RETIRING BENEFITS

Pension, gratuity and casualty pensionary award will be admissible in accordance with the rules, in force from time to time.

15. LEAVE

Leave will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

APPENDIX IV

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India

This is to certify that Shri son of of village/town* in District/Division* of the State/Union Territory* belongs to the Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966 the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976].

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution Scheduled Tribes (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

Shriand*/or his family
ordinarily reside(s) in Village*/Town
ofDistrict*/Division of the State*/
Union Territory of

State

Union Territory

Place.....

Date.....

Signature.....

**Designation.....

(with seal of office)

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term “ordinarily reside(s)” used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Castes/Tribe Certificate.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/*Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officer not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

APPENDIX V

CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3,...etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c,etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response. (See “sample items” at the end.) In any case, in each item you have to select only one response, if you select more than one, your answer will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.

1. [a] [b] [c] [d] [e]

2. [a] [b] [c] [d] [e]

3. [a] [b] [c] [d] [e]

Your answer sheet (specimen enclosed) will be scored by an optical scoring machine which is sensitive to improper marking, use of non-HB pencils, and mutilated answer sheets. It is, therefore important that—

1. You bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items. The machine may not read the marks with other pencils or pens correctly.
2. If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also;
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spindle it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for starting of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have passed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
5. Write clearly in ink the name of the examination/test, your Roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. Since the evaluation is

done mechanically, you may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet. Each Test Booklet will be sealed in the margin so that no one opens it before the test starts. As soon as you have got your Test Booklet, ensure that it contains the booklet number and it is sealed, otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet. You are *not* allowed to break the seal of the Test Booklet until you are asked to do so by the supervisor.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant topics, to be sure that you UNDERSTAND the subject thoroughly.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Candidates who do not stop writing will be penalised. After you have finished answering, remain in your seat and wait till the invigilator collects the Test Booklet and answer sheet from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet and the answer

sheet out of the examination Hall. Those who violate this direction shall be severely penalised.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty ?

- (a) the successors of Asoka were all weak.
- (b) there was partition of the Empire after Asoka.
- (c) the northern frontier was not guarded effectively.
- (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.

(Answer—d)

2. In a parliamentary form of Government.

- (a) the Legislature is responsible to the Judiciary.
- (b) the Legislature is responsible to the Executive.
- (c) the Executive is responsible to the Legislature.
- (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
- (e) the Executive is responsible to the Judiciary.

(Answer—c)

3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to

- (a) facilitate development
- (b) prevent disciplinary problems
- (c) provide relief from the usual class room work.
- (d) allow choice in the educational programme.

(Answer—)

4. The nearest planet to the Sun is

- (a) Venus
- (b) Mars
- (c) Jupiter
- (d) Mercury

(Answer—)

5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods ?

- (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
- (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
- (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
- (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

(Answer—c)

